THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 127 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.7 2080 मंगलवार, 25 जुलाई 2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ज्ञानवापी में 26 जुलाई तक नहीं होगा सर्वे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मस्जिद कमेटी वाराणसी कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट जा सकती है

वाराणसी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई यानी आज वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे को लेकर अहम बात कही। शीर्ष कोर्ट ने मस्जिद में एएसआई के सर्वे पर 26 जुलाई यानी 2 दिन तक रोक लगा दी है।

कहा कि 26 जुलाई की शाम 5 बजे तक कोई सर्वे ना किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस दौरान अगर मस्जिद कमेटी चाहे तो वाराणसी कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जा सकती है। वाराणसी की अदालत ने मस्जिद में एएसआई सर्वे का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में 24 जुलाई को जब सुनवाई शुरू हुई, जब एएसआई की टीम ज्ञानवापी में सर्वे कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत वहां पर किसी तरह की खुदाई पर रोक लगा दी। कहा कि हम दोपहर 2 बजे दोबारा इस मामले पर सुनवाई करेंगे। लेकिन 11:50 बजे के आसपास ही कोर्ट ने सर्वे पर रोक का आदेश दे दिया।

ऐसे हो रहा था ज्ञानवापी में सर्वे

वाराणसी में एएसआई ने 24 जुलाई को ज्ञानवापी का सर्वे शुरू किया था। सील वजूस्थल को छोड़कर पूरे परिसर का सर्वे कराने की बात थी। शुरूआती 3 घंटे के सर्वे में फीता लेकर पूरे परिसर को नापा गया। 4 स्टैंड कैमरे परिसर के चारों कोने पर लगाए गए। उसमें एक-एक एक्टिविटी रिकॉर्ड की गई। उधर, मुस्लिम पक्ष ने सर्वे का बहिष्कार किया। वह सर्वे के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट में याचिका को लेकर सुनवाई हुई। सीजेआई ने यूपी सरकार से पूछा था कि एएसआई वहां क्या कर रही है। ज्ञानवापी में सर्वे की यथास्थिति क्या है।

हिंदू पक्ष के वकील अनुपम कुमार ने बताया कि आज केवल परिसर का मेजरमेंट किया गया। मुस्लिम पक्ष की ओर से बिल्कुल सपोर्ट नहीं किया गया है। मस्जिद का दरवाजा नहीं खोला गया। अंदर जाने के लिए जगह नहीं दी गई। सिर्फ पश्चिमी द्वार और बाहर-बाहर हम लोग मेजरमेंट कर रहे थे। तब तक सुप्रीम कोर्ट का स्टे आ गया और काम रोक दिया गया।

जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेंगे। ज्ञानवापी परिसर से प्रशासनिक अधिकारी, सर्वे टीम और दोनों पक्ष के लोग निकल आए हैं।

परिसर में लगे पत्थर और ईंट की हाइट नापी :

एएसआई की 4 टीमें परिसर को 4 हिस्सों में बांट कर अलग-अलग सर्वे कर रही थीं। परिसर में लगे पत्थर और ईंट की हाइट नापी गई। चारों ओर की दीवारों की फोटो-वीडियोग्राफी की गई। 30 सदस्यीय एएसआई टीम 24 जुलाई सुबह 6.30 बजे ज्ञानवापी पहुंच गई थी। 7 बजे से सर्वे शुरू कर दिया था। सर्वे और सावन के सोमवार को देखते हुए वाराणसी को हाईअलर्ट पर रखा गया। परिसर के बाहर और आसपास 2,000 से ज्यादा जवान तैनात रहे।

रविवार रात दिल्ली, पटना और आगरा से एएसआई की टीम वाराणसी पहुंची। यहां डीएम, कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर के साथ बैठक की। इसके बाद सोमवार सुबह से सर्वे पर सहमति बनी। प्रशासन ने हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों और उनके वकीलों को बुलाया। हिंदू पक्ष ने सर्वे में सहयोग की बात कही। हिंदू पक्ष के लोग सर्वे टीम के साथ सुबह ज्ञानवापी के अंदर गई।

वहीं, मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने वाराणसी जिला कोर्ट के आदेश के खिलाफ सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का हवाला दिया। मुस्लिम पक्ष के वकील मुमताज अहमद और रईस अहमद ने कहा, हमने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ही आगे बढ़ेंगे। कल ही हमने डीएम को मना कर दिया था कि हम सर्वे में शामिल नहीं होंगे।

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली

कोर्ट से स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया, मई में मिली थी 42 दिन की बेल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत याचिका पर आज (24 जुलाई) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जैन को अंतरिम जमानत दे दी। इस केस में पिछली सुनवाई 10 जुलाई को हुई थी, जिसमें कोर्ट ने उनकी जमानत 24 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी थी।

जैन के वकील एएम सिंघवी ने कोर्ट से कहा था कि 3 अस्पतालों ने जैन को सर्जरी की सलाह दी है, इसलिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इस बीच 21 जुलाई को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई। ये जानकारी अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर दी थी। उन्होंने जैन के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की थी।

पहले मिली थी 42 दिन की जमानत :

इसके पहले 26 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कंडीशन के आधार पर जैन को 6 हफ्ते की जमानत दी थी। 11 जुलाई को उनकी जमानत का आखिरी दिन था। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था, जैन प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा सकते हैं, लेकिन किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करेंगे। न ही दिल्ली के बाहर जाएंगे। जो भी इलाज करवा रहे हैं, उसकी रिपोर्ट 10 जुलाई तक पेश करें।

सुप्रीम कोर्ट बोला-आरआरटीएस को 415 करोड़ दे दिल्ली सरकार

जब विज्ञापन पर 1100 करोड़ खर्च कर दिए, तो इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी करो

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) प्रोजेक्ट के लिए दो महीने के अंदर 415 करोड़ रुपये देने का निर्देश दिया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस एसके कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा, आपका एक साल का विज्ञापन बजट उस पैसे से ज्यादा है, जो आप दे रहे हैं।

बेंच ने यह भी कहा कि अगर सरकार पिछले 3 साल में विज्ञापनों पर 1100 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है, तो निश्चित रूप से इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भी फंड दिया जा सकता है। इसके पहले हुई सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ने कहा था कि वह प्रोजेक्ट लिए पैसा नहीं दे सकती। जिसके बाद अदालत ने 2 हफ्ते में विज्ञापनों पर खर्च का हिसाब मांगा था।

आरआरटीएस प्रोजेक्ट क्या है : आरआरटीएस प्रोजेक्ट के जरिए दिल्ली को राजस्थान और हरियाणा से जोड़ा जाना है। इसके तहत हाई स्पीड कम्प्यूटर बेस्ड रेलवे सर्विस दी जाएगी। रैपिड रीजनल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के जरिए नॉन-पीक टाइम में माल ढुलाई की प्लानिंग है। रैपिड रेल आरएपीआईडीएक्स 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। जब आरएपीआईडीएक्स में भीड़ कम रहेगी, तब उसे कार्गो पहुंचाने में यूज किया जाएगा। यह मेट्रो सर्विस से अलग होगी। मेट्रो में स्पीड कम और स्टॉपेज ज्यादा होते हैं। आरआरटीएस में स्पीड ज्यादा और स्टॉपेज कम होंगे।

आप सांसद संजय सिंह मानसून सत्र से सस्पेंड

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में मानसून सत्र के तीसरे दिन मणिपुर मुद्दे को लेकर जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। दोपहर 2 बजे एक-एक मिनट की कार्यवाही के बाद लोकसभा 2.30 बजे और राज्यसभा 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में कार्यवाही शुरू हुई और हंगामे के चलते 25 जुलाई (मंगलवार) सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले दोनों सदनों को 12 और 1 बजे तक के लिए स्थगित किया गया था।

राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर सभापति जगदीप धनखड़ से बहस कर रहे आप सांसद संजय सिंह को बाकी मानसून सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। संजय सिंह सभापति के आसन के पास जाकर बहस कर रहे थे। धनखड़ ने उन्हें वापस अपनी सीट पर जाने के लिए कहा लेकिन संजय नहीं गए। धनखड़ ने सरकार से संजय सिंह को सस्पेंड करने का प्रस्ताव लाने को कहा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल यह प्रस्ताव लेकर आए, जो ध्वनि मत से पास हो गया। >14

वोटर बहुत होशियार है, लालच में नहीं आता : गडकरी

कहा-एक बार घर-घर मटन बंटवाया था, फिर भी हम चुनाव हार गए थे

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वोटर बहुत होशियार होता है। वो खाता सबका है, लेकिन वोट उसी को देता है, जिसे उसे देना होता है। गडकरी ने बताया कि उन्होंने एक बार लोगों के बीच एक-एक किलो मटन बांटा था। फिर भी चुनाव हार गए थे क्योंकि आज का वोटर बहुत जागरूक है।

दरअसल, गडकरी रविवार शाम महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद के कार्यक्रम में चुनाव जीतने के तरीके बता रहे थे। इसी दौरान उन्होंने यह बातें बताईं। गडकरी ने कहा कि चुनाव प्रलोभन से नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में विश्वास और प्यार पैदा करके जीते जाते हैं। गडकरी ने कहा कि चुनाव के दौरान प्रचार के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाते हैं। कई लोग वोटर को पैसा खिलाते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि इलेक्शन केवल लोगों के बीच विश्वास पैदा करके जीते जाते हैं।

गडकरी बोले, कई लोग उनसे एमपी या एमएलए की टिकट मांगते हैं

गडकरी ने बताया कि कई लोग उनसे कहते हैं कि हमें सांसदी का टिकट दे दो। वह नहीं तो विधायक का टिकट दे दो। नहीं तो एमएलसी बना दो। ये नहीं तो आयोग दे दो, ये सब भी नहीं तो मेडिकल कॉलेज दे दो। मेडिकल कॉलेज नहीं तो इंजीनियरिंग कॉलेज या फिर बी.ईडी. कालेज दे दो। यह भी नहीं हुआ तो प्राइमरी स्कूल दे दीजिए। इससे मास्टर की आधी पगार हमें मिल जाएगी, लेकिन इससे देश नहीं बदलता।

एंटीलिया मामले में प्रदीप शर्मा की अंतरिम जमानत बढ़ी

दो हफ्ते बाद आत्मसमर्पण करने का आदेश

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एंटीलिया मामले में मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी प्रदीप शर्मा की अंतरिम जमानत दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी है। बता दें कि प्रदीप शर्मा पर मनसुख हिरेन की हत्या में शामिल होने का आरोप है। प्रदीप शर्मा की पत्नी की सर्जरी होनी है और चिकित्सीय कारणों से यह सर्जरी टल रही है, जिसकी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने फिर से प्रदीप शर्मा की जमानत दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी है।

मणिपुर हिंसा पर राज्यसभा को जानकारी दें पीएम : खड़गे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर मामले को लेकर राज्यसभा और लोकसभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसी के चलते मानसून सत्र में अभी तक संसद की कार्रवाई एक भी दिन सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर हिंसा को लेकर सदन में अपना बयान रखें, उस बयान पर हम सभी लोग चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद इस मुद्दे पर वोटिंग भी कराई जाए। सोमवार को यह बात कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने कही।

संसद में गांधी प्रतिमा के समीप अन्य विपक्षी सांसदों के साथ धरना दे रहे खड़गे ने कहा कि जब संसद या विधानसभा का सत्र चल रहा होता है तो ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सदन के बाहर बयान नहीं देते।

उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब बयान संसद के बाहर दिया गया। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री संसद के भीतर मणिपुर हिंसा की पूरी जानकारी व बयान दें। दरअसल, सरकार व राज्यसभा के सभापति शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन के लिए राजी हैं। खड़गे ने इस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वह कभी आधा घंटा कभी शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन की बात कहते हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि नियम संख्या 267 के अंतर्गत सदन में चर्चा कराई जाए। इसके अंतर्गत चर्चा 4 घंटे की भी हो सकती है, उससे अधिक समय भी लिया जा सकता है या पूरा एक दिन भी इस चर्चा को दिया जा सकता है।

कांग्रेस का कहना है कि मणिपुर में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए विपक्ष की यह मांग स्वीकार की जानी चाहिए। इसी टकराव के कारण राज्यसभा में सोमवार को भी मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड किया गया है।

विपक्ष का कहना है कि प्रश्नकाल समेत राज्यसभा की सारी कार्रवाई को रद्द करते हुए सर्वप्रथम मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा की जाए। संजय सिंह नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के पास जा पहुंचे। सभापति द्वारा चेतावनी देने के बावजूद संजय सिंह अपने स्थान पर नहीं गए और मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग और नारेबाजी करते रहे। इस बीच नेता सदन पीयूष गोयल ने सभापति से निवेदन किया कि संजय सिंह को उनके इस व्यवहार के लिए सदन से निलंबित कर दिया जाए। गोयल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी सभापति के सम्मुख दिया। राज्यसभा के सभापति ने इस प्रस्ताव पर सदन के सदस्यों की राय लेने के उपरांत संजय सिंह को शेष बचे मानसून सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया।

मणिपुर पर सदन में हंगामा : लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर पर चर्चा की मांग को लेकर लोक सभा और राज्यसभा दोनों सदनों में सोमवार को भी जबरदस्त हंगामा हुआ और नारेबाजी की गई। शोर-शराबे के बीच लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रश्नकाल चलाने का प्रयास करते रहे। उन्होंने लगभग 27 मिनट तक सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही को चलाया भी। लेकिन हंगामा और नारेबाजी बढ़ने पर लोकसभा की कार्यवाही कल 25 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थिगित की गई।

लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा मैं इस पर सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। मैं विपक्ष से अनुरोध करता हूं कि इस मुद्दे पर चर्चा होने दें। यह महत्वपूर्ण है कि देश को इस संवेदनशील मामले पर सच्चाई पता चले।

शाह बोले-सदन में चर्चा के लिए तैयार

राज्यसभा में सोमवार को भी मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया। संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड किया गया है।

दरअसल राज्यसभा में विपक्ष के अधिकांश सांसद मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। विपक्ष का कहना है कि प्रश्नकाल समेत राज्यसभा की सारी कार्रवाई को रद्द करते हुए सर्वप्रथम मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा की जाए। हालांकि भारी हंगामे के बीच सभापति ने राज्यसभा में प्रश्नकाल शुरू कराया। प्रश्नकाल के अभी चार उत्तर ही दिए जा सके थे कि मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर संजय सिंह नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के समीप जा पहुंचे।

सभापति द्वारा चेतावनी देने के बावजूद संजय सिंह अपने स्थान पर नहीं गए और मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग और नारेबाजी करते रहे। इस बीच नेता सदन पीयूष गोयल ने सभापति से निवेदन किया कि संजय सिंह को उनके इस व्यवहार के लिए सदन से निलंबित कर दिया जाए। गोयल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी सभापति को दिया।

राज्यसभा के सभापति ने इस प्रस्ताव पर सदन के सदस्यों की राय लेने के बाद संजय सिंह को शेष बचे मानसून सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया।

उल्फा ने दी असम के डीजीपी को प्रदेश छोड़ने की धमकी

गुवाहाटी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ऊपरी असम में पिछले कुछ समय से व्यापारियों से यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (स्व.) असली या नकली के नाम पर जबरन वसूली पत्र मिल चुके हैं। इससे ऊपरी असम के व्यापारियों में भय का महौल है। पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

इस बीच, रविवार को असम के डीजीपी जीपी सिंह ने ट्विटर में इस तरह की गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा, असली या नकली के नाम पर लोगों से जबरन धन वसूली करना गंभीर मामला है। बताया जा रहा है कि इसके बाद ही यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (स्व.) की ओर से डीजीपी को धमकी भरा मेल आया है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (स्व.) ने असम छोड़ने की धमकी दी है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (स्व.) की ओर से मीडिया को जारी एक मेल में राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह को प्रदेश छोड़ने की धमकी दी गई है।

रामनवमी हिंसा की एनआईए जांच का आदेश बरकरार

कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले में दखल से सुप्रीम इनकार

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल सरकार को करारा झटका लगा है। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया है, जिसमें रामनवमी के दौरान राज्य में भड़की हिंसा की एनआईए जांच के निर्देश दिए थे। फैसले को राज्य की ममता सरकार ने चुनौती दी थी।

बंगाल सरकार ने किया था विरोध :

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवीआई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हम विशेष अनुमति याचिका (स्पेशल लीव पिटिशन) पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। बंगाल सरकार ने यह कहते हुए हाईकोर्ट के फैसले का विरोध किया था कि घटना में किसी की विस्फोटक का इस्तेमाल नहीं हुआ और आदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की राजनीति से प्रेरित याचिका पर सुनाया गया। इससे पहले 27 अप्रैल को हाईकोर्ट ने हावड़ा के शिबपुर और हुगली के रिशरा में रामनवमी पर आयोजित जुलूस के दौरान भड़की हिंसा की घटनाओं की एनआइए से जांच कराने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के सामने सुवेंदु और तीन अन्य याचिकाकर्ताओं ने यह मुद्दा उठाया था। हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को निर्देश दिया था कि वह मामले से जुड़ी सभी प्राथमिकी, जब्त सामान, डाक्यूमेंट और सीसीटीवी फुटेज एनआईए को सौंपे।

अजित पवार ने अपने विधायकों को दिया बगावत का इनाम

शिंदे कैंप को भी खुश करने की कोशिश

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में फाइनेंस मिनिस्ट्री का कार्यभार संभालते ही राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों पर 'धनवर्षा' कर दी है। अजित पवार ने अपने साथ आए एनसीपी के विधायकों की विधानसभा में 25 करोड़ रुपये और इससे ज्यादा के विकास कार्यों के लिए धन का आवंटन किया है। इस आवंटन के लिए सप्लीमेंट्री डिमांड्स में स्पेशल प्रोविजन किया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अजित पवार ने एकनाथ शिंदे कैंप के विधायकों को भी खुश करने की कोशिश की है। उन्होंने शिवसेना के विधायकों के क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए धनराशि जारी की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले हफ्ते विभागों का बंटवारा होते ही अजित पवार ने अपने साथ आए विधायकों के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए फंड जारी किया। इससे पहले अजित समर्थक एनसीपी विधायकों से विकास कार्यों की लिस्ट मांगी गई थी। >14

पुणे के एसीपी ने पत्नी-भतीजे को गोली मारी

घर पर बेटा भी था, उसे छोड़ दिया, फिर खुद को भी गोली मार ली

पुणे, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में 57 साल के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर (एसीपी) ने पत्नी और भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने खुद को भी गोली मार ली। वारदात के समय घर में उनका बेटा भी मौजूद था, लेकिन उन्होंने बेटे को छोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक अभी घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ड्यूटी से लौटे और पत्नी के सिर पर गोली मार दी :

पुलिस ने बताया कि भरत गायकवाड़ हाल ही में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर से एसीपी बनाए गए थे और अमरावती में पोस्टिंग दी गई थी। सोमवार सुबह 3.30 बजे वे पुणे के बैनर एरिया स्थित अपने सरकारी बंगले आए। आते ही उन्होंने अपनी पत्नी के सिर में गोली मार दी।

गोली की आवाज सुन जैसे ही उनका बेटा और भतीजा कमरे में आए, एसीपी ने भतीजे के सीने पर गोली चला दी। बाद में आरोपी ने खुद को सिर में गोली मार ली। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मे बताया कि एसीपी की पत्नी का नाम मोनी गायकवाड़ (44) और भतीजे का नाम दीपक (35) है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

दिल्ली दंगा : उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ से याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई पर एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगन की मांग की थी। इसके मद्देनजर सुनवाई को स्थगित कर दिया गया। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह मामला 9 अगस्त को सूचीबद्ध होने की संभावना है। उमर खालिद की याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस ने रविवार को जवाबी हलफनामा दायर किया था, जो अभी तक आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड पर प्राप्त नहीं हुआ है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को मामले को 24 जुलाई के लिए पोस्ट कर दिया था। दिल्ली पुलिस के वकील ने हजारों पन्नों की चार्जशीट का हवाला देते हुए जवाब दाखिल करने का और समय मांगा था।

'हिंसक झड़पों को धार्मिक लड़ाई के रूप में न करें पेश'

मणिपुर नागरिक समाज ने यूरोपीय संसद से कहा

इंफाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर अखंडता समन्वय समिति का कहना है कि यूरोपीय संसद (ईयू) द्वारा 13 जुलाई को मणिपुर हिंसा पर अपनाया गया प्रस्ताव गलत और भ्रामक दृष्टिकोण से प्रेरित था। इंफाल घाटी स्थित नागरिक समाज संगठन ने बताया कि मणिपुर में भड़की हालिया हिंसा धार्मिक आधार पर नहीं थी।

यूरोपीय संसद ने हाल ही में भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें मणिपुर में हाल की झड़पों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में संसद ने भारतीय अधिकारियों से जातीय और धार्मिक हिंसा को रोकने और सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए कदम उठाने का आह्वान किया था।

नागरिक समाज संगठन ने जताया विरोध

सीओसीओएमआई ने यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेत्सोला को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि आपको जो भी जानकारी मिली है वो गलत और भ्रामक है। यही वजह है कि आपने मणिपुर मुद्दे को धार्मिक हिंसा समझ लिया। आपने इसे ईसाई अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मैतेई हिंदू के बीच संघर्ष के रूप में गलत समझा है। नागरिक समाज ने यूरोपीय संसद से कहा कि कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक झड़पें को धार्मिक लड़ाई के रूप में पेश करके मणिपुर को नशीले पदार्थ के व्यापार का 'नया स्वर्णिम त्रिकोण' न बना है और न ही बनने दिया जाए।

कुछ स्वार्थी लोगों की वजह से फैला झूठ

सीओसीओएमआई ने ईयू के सदस्यों की राय को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि यह कुछ स्वार्थी समूहों द्वारा फैलाए गए झूठ के जाल से बनी है। बता दें कि हाल ही में, असम राइफल्स ने मणिपुर की राजधानी इंफाल के एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह मणिपुर अखंडता समन्वय समिति के प्रमुख के खिलाफ देशद्रोह और मानहानि का मामला दर्ज किया था। एक वरिष्ठ रक्षा सूत्र ने बताया कि समिति ने लोगों से हथियार न डालने का आह्वान किया था, जिसके बाद उसके खिलाफ 10 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसकी पुष्टि करते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कहा था कि चुराचांदपुर थाने में सीओसीओएमआई समन्वयक जितेंद्र निंगोम्बा के खिलाफ राजद्रोह से संबंधित धारा 124ए और धर्म, नस्ल, जन्मस्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच द्वेष को बढ़ावा देने से जुड़ी धारा 153ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। सूत्रों ने आरोप लगाया कि 30 जून को बिष्णुपुर के मोइरांग में सेना ने कई महिला प्रदर्शनकारियों से मारपीट की। बहरहाल, सेना ने यह आरोप खारिज किया है।

डीएनए तकनीक बिल लोकसभा से वापस

विपक्ष के हंगामे के बाद सरकार का फैसला

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को लोकसभा से डीएनए टेक्नोलॉजी (उपयोग और अनुप्रयोग) रेगुलेशन बिल, 2019 को वापस ले लिया। दरअसल केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जब लोकसभा में विधेयक को पेश किया तो मणिपुर घटना के विरोध में विपक्ष के सांसद नारेबाजी और हंगामा कर रहे थे। विपक्ष के हंगामे को देखते हुए सरकार ने विधेयक को वापस ले लिया।

क्या है डीएनए टेक्नोलॉजी बिल में

बता दें कि इस बिल में डीएनए तकनीक के उपयोग और अनुप्रयोग को कुछ श्रेणी के लोगों की पहचान जिनमें पीड़ित, संदिग्ध, विचाराधीन कैदी, लापता और अज्ञात मृतक शामिल हैं, उनके लिए इस तकनीक के इस्तेमाल को विनियमित करने की कोशिश की गई है। यह बिल पहली बार 8 जुलाई 2019 को साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजा गया था।

इस विधेयक के तहत एक डीएनए रेगुलेटरी बोर्ड बनाया जाएगा, जो डीएनए डाटा बैंक और डीएनए लेबोरेट्रीज पर नजर रखेगा। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सचिव इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

दिल्ली अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

लुधियाना आउटर पर खड़ी थी, अज्ञात लोगों ने मारे पत्थर; एग्जीक्यूटिव क्लास सहित 2 बोगियों के शीशे टूटे

अमृतसर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली अमृतसर के बीच चलने वाली वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस पर रविवार रात पथराव हुआ है, जिसके चलते ट्रेन की 2 बोगियों के शीशे टूट गए, हालांकि इसमें किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ट्रेन में बैठे यात्रियों ने इसकी शिकायत आरपीएफ को दी, जिसके बाद जांच शुरू की गई है।

यह घटना दिल्ली से आ रही शताब्दी ट्रेन संख्या 12013 के साथ रात तकरीबन 10 बजे के करीब घटी। ट्रेन तकरीबन 20 मिनट लेट थी, जिसके चलते रात के समय इसे लुधियाना आउटर पर कुछ समय के लिए रोका गया। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने ट्रेन पर पत्थर मारने शुरू कर दिए। ट्रेन के एग्जीक्यूटिव क्लॉस कोच K1 और C13 के शीशे टूट गए। पत्थर लगने के बाद बोगियों में बैठे यात्री सहम गए। लोगों ने इसकी जानकारी आरपीएफ को दी। तकरीबन 5 मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन वहां से आगे बढ़ी तो यात्रियों ने राहत की सांस ली।

चोरी करने आए, 500 का नोट छोड़ गए

चोर इंजीनियर के घर घुसे थे, वो बोला-कीमती सामान रखते हीं नहीं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक पूर्व इंजीनियर के घर चोरी की अजीबो-गरीब घटना हुई। जहां चोर, घुसे तो चोरी करने थे, लेकिन वहां उन्हें कुछ नहीं मिला। इसके बाद चोरों ने लौटते समय घर के दरवाजे पर 500 का नोट छोड़ दिया।

यह बात खुद घर के मालिक रिटायर्ड इंजीनियर ने पुलिस को बताई। चोरी की घटना के बाद वे उसकी शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे। पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

क्या था पूरा मामला...

मामला रोहिणी के सेक्टर 8 का है, जहां 80 साल के रिटायर्ड इंजीनियर एम रामकृष्ण अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। घटना 20-21 जुलाई की रात को हुई। 19 जुलाई की शाम रामकृष्ण पत्नी के साथ गुरुग्राम में रहने वाले अपने बेटे से मिलने गए थे। 21 जुलाई की सुबह, उन्हें पड़ोसी से फोन आया कि उनके घर में चोरी हो गई है।वह तुरंत अपने घर पहुंचे, जहां उन्हें मेन डोर का ताला टूटा हुआ मिला। जब वो अंदर गए, तो उन्हें पता चला कि चोर कुछ भी चोरी नहीं कर सके।

रामकृष्ण ने पुलिस को बताया कि उनके घर से कुछ भी चोरी नहीं हुआ है, लेकिन उन्हें मेन डोर के पास 500 रुपए का एक नोट पड़ा हुआ मिला। उन्होंने अपने घर के अंदर कोई भी कीमती सामान नहीं रखा था। घर के अंदर रखी अलमारियां भी ज्यों की त्यों थीं।हालांकि रिटायर्ड इंजीनियर की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मामला दर्ज किया और चोरों को पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी है।

विहिप ने कहा : कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर सच को सामने आने से रोक रहा मुस्लिम पक्ष

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मामले में हो रहे एएसआई सर्वे पर दो दिनों के लिए रोक लगा दी है। मुस्लिम पक्ष को इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने के लिए कह दिया गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कहा है कि मुस्लिम पक्ष कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग कर सच को सामने आने से रोकता रहा है और इस बार भी वह यही काम कर रहा है। संगठन ने मांग की है कि अब इस मामले में कोई दांवपेंच स्वीकार न कर ज्ञानवापी का सर्वे कराकर सच को सामने लाना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला से कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर 393 सालों से ज्ञानवापी मामले का सच लोगों के सामने नहीं आने दिया जा रहा है। अब जबकि अदालत के आदेश के बाद वहां पर सर्वे का काम किया जा रहा है, उसे हर हाल में बाधित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। मुस्लिम पक्ष को भी यह पता था कि निचली अदालत के आदेश को सबसे पहले हाई कोर्ट में चुनौती दी जाती है, लेकिन सीधे सर्वोच्च न्यायालय आकर समय बर्बाद करने का काम किया जा रहा है। विहिप ने आरोप लगाया है कि यह सब केवल सर्वे को रोकने की कोशिश है। विहिप ने कहा है कि बार-बार के हस्तक्षेप से यह बात स्पष्ट हो जाती है कि मुस्लिम पक्ष किसी भी कीमत पर सच को सामने आने से रोकना चाहता है। ऐसे में यह व्यवस्था की जानी चाहिए कि किसी भी आपत्ति के कारण ज्ञानवापी का सर्वे और इस पर आने वाले निर्णय की प्रक्रिया प्रभावित न की जा सके।

मुस्लिम पक्ष ने आरोप लगाया था कि सर्वे के बहाने वहां पर खुदाई कर ज्ञानवापी को प्रभावित किया जा रहा है। लेकिन अदालत और एएसआई ने स्पष्ट कर दिया है कि ज्ञानवापी में कोई खुदाई नहीं की जा रही है। वहां केवल फोटोग्राफ लेकर भवनों की स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। प्राचीनता और निर्माण सामग्री के आकलन के लिए अधिकतम 10 ग्राम मिट्टी लेकर उसकी प्राचीनता का आकलन किया जाएगा।

केजरीवाल के समर्थन में सिद्धू

कांग्रेस नेता ने कहा-चुनी हुई सरकारों को खत्म करने की साजिश रच रहा केंद्र

लुधियाना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के समर्थन में आ गए हैं। दिल्ली अध्यादेश पर सिद्धू ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। लुधियाना में सिद्धू ने कहा कि केंद्र सरकार का शीर्ष नेतृत्व तानाशाह हो गया है। मनमाने ढंग से काम किया जा रहा है। लोकतंत्र खत्म किया जा रहा है। सिद्धू ने कहा कि महाराष्ट्र में ठाकरे सरकार हटाना हो, या दिल्ली-पंजाब की चुनी सरकार।

गवर्नर द्वारा जानबूझ का सरकार के काम में अड़ंगा डाला जा रहा है। यह तानाशाह रवैया नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना शर्मसार करने वाली घटना है। लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। देश का नाम रोशन करने वाली महिला पहलवानों से भद्दी हरकत करने वाले भाजपा नेता पर कार्रवाई नहीं की गई। एनडीए के खिलाफ आईएनडीआईए के गठन के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग ने कहा था कि पंजाब में आप से कोई गठबंधन नहीं हुआ है और न ही होगा। दूसरी ओर नवजोत सिद्धू का कहना है कि जहां कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी हैं, वे उनके साथ हैं। सिद्धू ने कहा कि आज देश में तानाशाह शक्तियों का राज चल रहा है। जिससे लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। संविधान खतरे में है। आईएनडीआईए जैसे गठबंधन दल का सामने आना तानाशाही शक्तियों को खत्म करने के लिए है। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए जो भी लोग व दल साथ आ रहे हैं उनको साथ लेकर चलना कोई गुनाह नहीं है। वह कांग्रेस आलाकमान के साथ है और साथ चलेंगे।

सिद्धू ने कहा कि विपक्ष को कुचल जा रहा है। ईडी, सीबीआई का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से केंद्र काम कर रहा है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। सिद्धू ने कहा कि देश में बन रहा आईएनडीआईए गठबंधन और खास कर राहुल गांधी देश की आवाज बन गए हैं। भाजपा व एनडीए भयभीत हैं। लोगों के समर्थन से इंडिया गठबंधन एनडीए को सत्ता से हटा देगा।

वहीं सिद्धू ने बाढ़ से हुए नुकसान पर पंजाब सरकार को घेरा और कहा कि सीएम भगवंत सिंह मान बाढ़ आने पर फोटो सेशन करने में बिजी रहे। पंजाब का नुकसान हो गया। उन्होंने कहा कि वे रेत माफिया, बजरी माफिया, केबल माफिया खत्म करने के दावे कर रहे थे। उक्त सारे माफिया पंजाब को लूट रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि पंजाब की जनता सीएम मान को देख रही है। जनता उसका समय पर माकूल जवाब देगी।

हिमाचल में 6 दिन खराब रहेगा मौसम

4 दिन तेज बारिश का यलो अलर्ट; जुलाई में नॉर्मल से 109% ज्यादा बरसे बादल, 44 की मौत

शिमला, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अगले 6 दिन मौसम काफी खराब रहेगा। बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अगले 96 घंटे यानी 4 दिन के लिए भारी बारिश होने का यलो अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश के मैदानी और मध्यम ऊंचाई वाले अधिकांश भागों में बारिश होने का पूर्वानुमान है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने और बादल फटने जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं। इससे नदी-नालों में अचानक जल स्तर बढ़ सकता है। इसे देखते हुए लोगों को उफनते नदी-नालों के आस-पास और लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी भी जारी कर दी गई है।

सिरमौर में सबसे ज्यादा 981.5 मिलीमीटर बारिश

हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने के दौरान नॉर्मल से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक से 23 जुलाई के बीच अमूमन 184.1 मिलीमीटर नॉर्मल बारिश होती है, लेकिन इस बार 384.7 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। सिरमौर जिले में सबसे ज्यादा 981.5 मिलीमीटर बारिश हुई है।

44 लोगों की लैंडस्लाइड और फ्लैड फ्लड में मौत

नॉर्मल से कहीं ज्यादा भारी बारिश होने की वजह से प्रदेश में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। 24 जून से अब तक 158 लोगों की विभिन्न कारणों से जान चली गई है। इनमें 44 लोगों की मौत लैंड स्लाइड और फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से हुई है। इसी तरह 189 लोग घायल और 12 लोग फ्लैड फ्लड और बाढ़ की चपेट में आने से लापता हैं।

दिल्ली की महिला का रेप के बाद मर्डर

करनाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के असंध स्थित एक होटल में महिला का रेप कर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक महिला दिल्ली की है और लड़का सोनीपत का है। लड़के ने अपने नाम से ही रूम बुक करवाया था। आशंका यह भी जताई जा रही है कि युवक के साथ 3 से 4 अन्य साथी भी हो सकते है। गैंगरेप का भी शक जताया जा रहा है। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक सोनीपत के युवक की फेसबुक के जरिए दिल्ली की महिला से फ्रेंडशिप हुई थी। जिसके बाद वे दोनों आपस में बातचीत करने लगे। इसी वह से महिला युवक के बुलाने पर दिल्ली से असंध के होटल में मिलने के लिए पहुंच गई।

सेल्फी के चक्कर में खाई में गिरा युवक

औरंगाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) जिले में सेल्फी के चक्कर में एक युवक 2000 फिट गहरी खाई में गिर गया। यह हादसा तब हुआ, जब वह अजंता गुफाओं के सामने व्यू प्वाइंट पहुंचा था। जहां उसका पैर फिसल गया। घटना के बाद पुलिस और पुरातत्व विभाग के कर्मियों ने युवक की जान बचाई। खाई में गिरे युवक की पहचान गोपाल पुंडलिक चव्हाण के रूप में हुई है जो सोयगांव का रहने वाला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक जलगांव जिले से अपने चार दोस्तों के साथ गुफाएं देखने आया था। सुबह अजंता की गुफाएं देखने के बाद वह एक दोस्त के साथ सेल्फी लेने के लिए सप्त कुंड झरने के ऊपर गया। इस बार सेल्फी लेने के चक्कर में वह दो हजार फीट गहरे सप्त कुंड में गिर गया।

दक्षिण कश्मीर ट्रेन की चपेट में आया सीआरपीएफ का जवान, हुई मौत

श्रीनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के चिधामा इलाके में सोमवार को चलती ट्रेन की चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया है। इस हादसे में जवान की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ जवान को चिधामा इलाके के पास ट्रेन ने टक्कर मार दी, जिससे जवान घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जवान को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।

चंद्रपुर में बीजेपी पदाधिकारी की पत्नी की गोली लगने से मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

चंद्रपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी में एक स्थानीय भाजपा पदाधिकारी की पत्नी की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना रविवार शाम को राजुरा तहसील में हुई है।

पुरानी दुश्मनी को लेकर हमला

राजुरा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हत्या के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि हमलावर कथित तौर पर पुरानी दुश्मनी को लेकर सोमनाथपुर वार्ड के निवासी लल्ली शेरगिल की हत्या करने के लिए जिला मुख्यालय से 29 किमी दूर स्थित राजुरा आए थे।

मारने आए थे किसी और को, निशाना बना कोई और

पुलिस ने कहा कि जैसे ही शेरगिल को इसका पता लगा वह अपने दोस्त सचिन दोहे के घर में घुस गए, जो भाजपा की युवा शाखा के जिला उपाध्यक्ष हैं। इस दौरान हमलावरों ने शेरगिल को मारने के लिए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। तभी सचिन दोहरे की पत्नी पूर्वशा घर के सामने बने आंगन में आ गईं।

सीने में लगी थी गोली

पूर्वशा के सीने में गोली लगी और वह मौके पर ही गिर गईं, जबकि शेरगिल को पीठ में गोली लगी।

पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को राजुरा के एक ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां महिला को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल शेरगिल को इलाज के लिए चंद्रपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजुरा पुलिस स्टेशन के अधिकारी विशाल नागरगोजे ने कहा कि हमने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुरानी दुश्मनी के कारण शेरगिल को मारने की कोशिश की।

खबरें जरा हटके

दुनिया का सबसे अनोखा झरना, जिसके नीचे हमेशा जलती रहती है आग

प्रकृति द्वारा बनाई गई इस दुनिया में अनगिनत रहस्यमयी स्थान और चीजें मौजूद है. जिसके बारे में जब लोगों को पता चलता है तो वह हैरान रह जाते हैं. कई चीजें है जिसके बारे में हम थोड़ा बहुत अंदाजा लगाकर जान पाए है लेकिन आज भी धरती पर ऐसे कई रहस्य जिनके बारे में अभी तक कोई नहीं जान पाया है. इसी कड़ी में आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य से रूबरू कराने जा रहे हैं. जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे. हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क के चेस्टनट रिज पार्क में मौजूद 'इटरनल फ्लेम फॉल्स' के बारे में, ये झरना अपने आप में बड़ा यूनिक है क्योंकि इसके पीछे हमेशा एक आग जलती रहती है. इस झरने के पीछे जलने वाली आग के चलते इसे रहस्यमयी माना जाता है. वैज्ञानिकों ने जब इसे देखा तो वो काफी ज्यादा हैरान हुए लेकिन उन्होंने इसे देखा तो उन्होंने बताया कि इस झरने के ठीक नीचे प्राकृतिक गैस का रिसाव होता है, जिसके चलते यहां हमेशा आग लगी रहती है.

चमत्कार मानते हैं यहां के लोग

इस लौ के बारे में कहा जाता है कि ये आग 20वीं शताब्दी से ही यहां लगातार जल रही है. लोगों का कहना है कि किसी ने यहां आग लगाई होगी, जो अब तक लगातार जल रही है. स्थानीय लोग इसे भगवान का कोई चमत्कार मानते हैं. इसे लेकर कई तरह की कहानियां भी प्रचलित हैं. जैसे यहां के लोगों का मानना है कि जब कभी ये आग पूरी तरीके से बूझ जाएगी तो हमारी धरती पूरी तरीके से खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं है ये आग कई बार बुझ चुकी है और वापस फिर से जल उठी है. अगर कोई इसके पास पहुंचता है तो उसे सड़े हुए अंडे की गंध आने लगती है. इस झरने में मौजूद प्राकृतिक गैस की वजह से ऐसा होता है. इसके बारे में इंडियाना यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने रिसर्च किया.

अंतरिक्ष में वैज्ञानिकों के हाथ लगा ऐसा खजाना, जो बना सकता धरती के हर शख्स को अरबपति

हम इंसानों को जिस भी चीज की जरूरत वो सभी हमें प्रकृति ने हम सभी चीजों को मुहैया करवाया है, लेकिन हम इंसान ने उसे अपने हिसाब से बर्बाद किया और अब और भी चीजों को ढूढ़कर उसे अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन हमारी प्रकृति हमारे लिए बड़ी दयावान है. इसी कड़ी में वैज्ञानिकों को एक ऐसी चीज के बारे में पता चला है, जिसे अगर धरती पर हम लोग ले आए तो यहां रहने वाला हर आदमी करोड़पति बन जाएगा.

अंग्रेजी वेबसाइट डेली स्टार में छपी रिपोर्ट के माने तो अंतरिक्ष में मार्स और जुपिटर के बीच में एक ऐसा उल्कापिंड मौजूद है. जिसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि ये धरती पर रहने वाले हर इंसान को अरबपति बना सकता है. वैज्ञानिकों के मुताबिक यूं तो उल्का पिंड का एक टुकड़ा भी काफी ज्यादा कीमती होता है, लेकिन यहां मौजूद ये एस्टेरॉयड सचमुच देखा जाए तो साक्षात कुबेर का खज़ाना है.मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस उल्कापिंड को आयरन, निकेल और सोने जैसी महंगी धातुओं ने ढक रखा है.

आखिर क्या है इस उल्कापिंड की कीमत?

यही कारण है कि इसकी कीमत कीमत $10,000,000,000,000 ,000,000,000 इतनी बताई जा रही है. अगर आप इतने ज्यादा जीरो देखकर कंफ्यूज हो चुके हैं तो हम आपको बता दें कि इसकी वैल्यू 10 हज़ार क्विंटिलियन अमेरिकन डॉलर है. इसे अगर दुनिया हर शख्स में बराबर बांट दिया जाए तो हर किसी के पास 1 ट्रिलियन पाउंड यानि 1000 अरब रुपए आएगे. जहां हम और आप इसके बारे में अभी भी सोच रहे हैं तो वहीं स्पेस एजेंसी नासा ने इस पर मिशन लॉन्च करने की तैयारी भी पूरी कर ली है.

भगवान ने स्वर्ग में घर बनाने के लिए खर्च करवाई सेविंग!

6 साल में महिला ने खर्च किए दो करोड़

हर धर्म में आस्था के नाम पर मासूम लोगों को खूब ठगा जाता है और सही मायने में अगर देख जाए तो आस्था के नाम पर किसी को बेवकूफ बनाना काफी आसान है और लोग डर के कारण आसानी से फंस भी जाते हैं. ऐसा ही एक मामला इन दिनों स्पेन से सामने आया है. जहां एक शख्स ने महिला के सामने भगवान बनकर लाखों रुपए की ठगी है और महिला को करोड़ों का चूना लगा दिया. यहां बात हो रही है उत्तर-पश्चिमी स्पेन के लियोन की बुजुर्ग महिला एस्पेरांजा के बारे में, जिसने अपने जीवनभर की कमाई को 'स्वर्ग के चर्च' में डाल दिया और वो भी भगवान के कहने पर...लेकिन अंत में उसे पता चला कि जिसे वह भगवान समझ रही थी असल में वो एक ठग था जो उसकी जीवनभर की कमाई पर अपना हाथ साफ कर गया. यहां हैरानी की बात तो ये हैं कि महिला को उस ठग के ऊपर एक बार के लिए शक नहीं हुआ.

लोन लेकर स्वर्ग में बुक किया घर

पिछले 6 सालों से एस्पेरांजा ने ठग की हर एक बात मानी और महिला ने 300,000 यूरो (2.76 करोड़ रुपये) गवां दिया. महिला बताती है कि साल 2013 में उसे एक फोन जिसमें सामने वाले ने मेरे से जुड़ी कुछ बातें बताई जो आजतक किसी को नहीं पता थी. जिसके बाद मुझे उस पर भरोसा होने लगा. इसके बाद उसने मुझे कहा कि री बेटी, तुम एक संत हो. इसके बाद कॉलर ने मुझे कहा कि तुम अपनी जिंदगी भर की कमाई स्वर्ग के बैंक में जमा करना शुरू कर दे. कॉलर ने मुझे यह भी कहा कि सांसारिक बैंकों की तुलना में मुझे बेहतर ब्याज मिलेगा. इसके अलावा इन पैसों से मैं स्वर्ग में अपना घर भी बना सकती है. कॉलर की बात मुझे बहुत सही लगी और मैंने अपना पैसा उसके कहे अनुसार जगह पर डालना शुरू कर दिया. जब मेरे पास पैसे कम पड़े तो मैंने दो बार बैंक लोन लेकर भी पैसा दिया. लेकिन बाद में बता चला की वह एक ठग था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 25 जुलाई, 2023 3

सु वि चा र

ज्ञान का प्रकाश सभी अंधेरों को खत्म कर देता है

रेलवे सेवाओं को प्रभावित करने वाले जलाशयों पर कड़ी नजर : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने मानसून तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शनिवार को प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में मानसून की तैयारियों, ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और जोन की समयपालनता पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। महाप्रबंधक ने मानसूनी बारिश के मद्देनजर पूरे जोन में मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मॉनसून रिजर्व स्थिति यानी बोल्डर, रेत बैग, आरएच गर्डर्स इत्यादि के स्टॉक की समीक्षा की। इसके अलावा, 42 ब्लॉक खंडों पर मॉनसून गश्त तैनात की गई है, जबकि 108 चिन्हित स्थानों पर स्थिर चौकीदार तैनात किए गए हैं। बढ़ते जल स्तर की निगरानी के लिए रेलवे प्रभावित जलाशयों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

रेलवे प्रभावित टैंकों और प्रमुख बांधों व जलाशयों से पानी के निर्वहन के संबंध में स्थानीय सिंचाई अधिकारियों के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा जा रहा है। श्री जैन ने असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को शिक्षित और संवेदनशील बनाने और ट्रैक, पुल और भारी वर्षा वाले स्थानों जैसे सभी चिन्हित संवेदनशील वर्गों पर गश्त को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पटरियों पर बाढ़ से बचने के लिए किनारे की जल नालियों, जल नालियों और जलमार्गों की सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने और ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए भी सूचित किया। उन्होंने मंडलों को ट्रेनों में सभी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और उचित कार्यशील स्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को क्षेत्र स्तर की गतिविधि की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया और कहा कि किसी भी विसंगति पर ध्यान दिया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुधार किया जाना चाहिए। श्री जैन ने इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिग्नल और दूरसंचार, ऑपरेटिंग और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न विभागों को शामिल करते हुए ज़ोन द्वारा किए जा रहे सुरक्षा अभियान की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी संपत्तियों की कार्यशील स्थिति से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन करने, ट्रेन संचालन से संबंधित रजिस्टरों के उचित रखरखाव और सभी आवश्यक मानसून एहतियाती उपाय करने की सलाह दी। बाद में, महाप्रबंधक को रेल मदद ऐप के बारे में विस्तार से बताया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को यात्रियों की शिकायतों/फीडबैक का वास्तविक समय में समाधान करने की सलाह दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों को उनकी यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

आईआईटी हैदराबाद का एनईपी के अनुसार शिक्षा को बहु-विषयक बनाने पर जोर : प्रो. बीएस मूर्ति

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री विभिन्न पहलों की शुरुआत करेंगे। इस सप्ताह के अंत में मनाई जाने वाली एनईपी की तीसरी वर्षगांठ की तैयारी में, उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों और कौशल विकास संस्थानों के अधिकारियों ने एनईपी के कार्यान्वयन की अब तक की यात्रा की उपलब्धियों और मुख्य बातों को मीडिया के साथ साझा किया। निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति का कहना है कि आईआईटी हैदराबाद ने एनईपी के अनुसार शिक्षा को वास्तव में बहु-विषयक बनाने वाले फ्रैक्टल एकेडमिक्स के साथ पाठ्यक्रमों का बीड़ा उठाया है। प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने कहा कि संस्थान ने फ्रैक्टल एकेडमिक्स की शुरुआत की, यानी 0.5 से 3 तक के क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम छात्रों को उनकी रुचि के विषयों में व्यापकता और गहराई रखने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि सभी यूजी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में 107 उदार कलाएं शामिल हैं और छात्र संस्थान के बाहर से भी क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। प्रोफेसर मूर्ति ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए, आईआईटी-एच बिल्ड (बोल्ड एंड यूनिक आइडियाज लीडिंग डेवलपमेंट) परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों द्वारा नवाचारों का समर्थन कर रहा है और ऐसे नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों को 6 क्रेडिट के साथ एक सेमेस्टर ब्रेक प्रदान कर रहा है। निदेशक ने बताया कि उद्योगों के समर्थन से नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए आईआईटी हैदराबाद में उद्योगों के लिए टेक्नोलॉजी रिसर्च पार्क (टीआरपी) और स्टार्टअप्स के लिए 150,000 वर्गफुट जगह वाले टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन पार्क (टीआईपी) बनाए गए हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय में एनईपी के कार्यान्वयन के बारे में बोलते हुए, कुलपति प्रो. बी. जगदीश्वर राव ने कहा कि अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की योजना शुरू हो गई है। उन्होंने साझा किया कि सभी एकीकृत मास्टर्स कार्यक्रमों, कुल मिलाकर 19 कार्यक्रमों के लिए एकाधिक प्रवेश और निकास सुविधा लागू की जा रही है। प्रोफेसर राव ने बताया कि एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के नियमों को अपनाया गया है और विश्वविद्यालय सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड वर्चुअल लर्निंग के माध्यम से 14 डिप्लोमा पाठ्यक्रम पेश कर रहा है। उन्होंने साझा किया कि एनईपी में उल्लिखित बहु-विषयक दृष्टिकोण के अनुरूप, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने लिंग अध्ययन, मूल्य आधारित शिक्षा, गैर सरकारी संगठनों और राष्ट्र निर्माण आदि का परिचय जैसे नए पाठ्यक्रम पेश किए हैं। तेलंगाना राज्य के क्षेत्रीय कौशल विकास और उद्यमिता निदेशालय के संयुक्त निदेशक, श्री विद्यानद ने कहा कि चूंकि एनईपी सामान्य शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देती है, इसलिए संस्थान छात्रों को शैक्षणिक और व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है।

वीआरए का नियमितीकरण : सीएम केसीआर ने जेएसी नेताओं को जीओ कॉपी सौंपी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को एक निश्चित वेतनमान के साथ ग्राम राजस्व सहायकों की सेवाओं को स्थायी करने के लिए एक जीओ जारी किया।

मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने यहां सचिवालय में वीआरए जेएसी नेताओं को सरकारी आदेशों की प्रति सौंपी। वीआरए बहुत कम वेतन पर अनुबंध के आधार पर पीढ़ियों से ग्राम सहायक के रूप में काम कर रहे थे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने रविवार को सामंती ढांचे की प्रतीक वीआरए व्यवस्था को खत्म करने का ऐतिहासिक फैसला लिया।

कैबिनेट उप समिति द्वारा की गई सिफारिशों, उपलब्ध निर्धारित नियमों और योग्यताओं को ध्यान में रखते हुए, सभी वीआरए कर्मचारियों को नगरपालिका प्रशासन, मिशन भगीरथ, सिंचाई विंग आदि में तदनुसार समायोजित किया जाएगा। उन्हें स्थायी सरकारी कर्मचारियों के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

राज्य भर में कुल 20,555 वीआरए कार्यरत हैं। उनमें से कुछ निरक्षर हैं, कुछ ने सातवीं कक्षा, दसवीं कक्षा, इंटरमीडिएट उत्तीर्ण कर लिया है और कुछ ने डिग्री और उच्च शिक्षा पूरी कर ली है। सरकार उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नौकरी की श्रेणियां निर्धारित करेगी। इन्हें नियमानुसार संबंधित विभागों में नियुक्त किया जाएगा।

सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान : कलेकटर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने बताया कि प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन परिसर में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये गये। आसिफाबाद मंडल केंद्र के मोहम्मद अब्दुल रापुफ ने अपने पिता के नाम पर आसिफाबाद मंडल के अंकुसपुर गांव के उपनगर में जमीन अपने नाम पर कराने के लिए आवेदन किया है। वानकिडी मंडल के डाबा गांव के गेदाम शंकरूबाई और माधवराव ने एक आवेदन प्रस्तुत कर अनुरोध किया है कि उन्हें सरकार से एक पाडु प्रमाण पत्र दिया जाए, जिसमें कहा गया हो कि वे आदिवासी हैं, जो पिछले 30 वर्षों से पाडु खेती कर रहे हैं। मंचिरयाला जिले के कोटापल्ली मंडल के रावुलपल्ली गाव की बहन सम्मैय्या ने एक आवेदन दायर कर दावा किया है कि उनकी बेटी श्रावणी सिरपुर (टी) की गुरुकुल स्कूल में 9वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के कारण मृत्यु हो गई। आसिफाबाद मंडल के अंकुसपुर गांव के परचाका चंदू ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है कि वह एक मजदूर के रूप में जीवन यापन कर रहे हैं और उन्हें काम नहीं मिलने के कारण वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और वह चाहते हैं कि उन्हें कलेक्टर कार्यालय के पास एक चाय की दुकान लगाने की अनुमति दी जाए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का संबंधित अधिकारियों के समन्वय से परीक्षण एवं समाधान किया जायेगा। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने बीबी का आलम का दौरा किया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को हैदराबाद के पुराने शहर के दबीरपुरा में बीबी का आलम का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की ओर से बीबी का आलम को पारंपरिक 'धत्ती' और 'नजराना' प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल में टीपीसीसी के प्रवक्ता सैयद निज़ामुद्दीन, महासचिव ज़हीर लाललनी, हैदराबाद अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अरशद शेख, एचसीसी महासचिव मुजतबाद आबेदी, चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी मुजीबुल्लाह शरीफ, उस्मान मोहम्मद खान, युवा कांग्रेस नेता असलम शरीफ और अन्य शामिल थे। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, समीर वलीउल्लाह ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने हजरत इमाम हुसैन (आरए) की शहादत के शोक में शामिल होने के लिए हैदराबाद की 400 साल पुरानी परंपरा के हिस्से के रूप में बीबी का आलम को 'धत्ती' की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने पूरी मानवता की भलाई के लिए भी प्रार्थना की। समीर वलीउल्लाह ने 'मोहर्रम जुलूस' के लिए आशूर खानों और अन्य व्यवस्थाओं के लिए धन जारी करने में देरी के लिए बीआरएस सरकार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पुराने शहर, अल्पसंख्यकों की उपेक्षा कर रहे हैं और धन जारी न करके उनके धार्मिक आयोजनों को बाधित करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का मातम मनाना हैदराबाद जितना ही पुराना है। हैदराबाद में बीबी का अलावा से केंद्रीय जुलूस के अलावा, शहर के विभिन्न हिस्सों में मोहर्रम जुलूस निकाले जाते हैं,

मुस्लिम अल्पसंख्यकों को लुभाने का एक और धोखा : शशिधर

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनडीएमए के पूर्व उपाध्यक्ष, मर्री शशिधर रेड्डी ने आज कहा कि बीआरएस सरकार का निर्णय केवल तेलंगाना के मुस्लिम अल्पसंख्यकों को लुभाने का एक प्रयास है और अत्यधिक निंदनीय है। उन्होंने कहा, "यह 2023 के अंत में चुनाव को देखते हुए किया गया है। यह चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं है और चुनाव आयोग को अनुचित और अन्यायपूर्ण चुनावी लाभ को रोकने के लिए इस पर ध्यान देना चाहिए।" मतदाताओं को लुभाने की इस कोशिश में भी, बीआरएस सरकार तेलंगाना के अल्पसंख्यकों के साथ धोखाधड़ी कर रही है, जो एक बार फिर इस तथ्य को स्थापित करता है कि केसीआर एक आदतन धोखेबाज है। आज यहां एक बयान में, शशिधर रेड्डी ने कहा कि रविवार को जारी जीओ 78 में अल्पसंख्यक वित्त निगम ने राज्य सरकार से 6 जून, 2023 को जारी बीसी कल्याण विभाग के जीओ नंबर 5 की तरह ही प्रति अल्पसंख्यक उम्मीदवार 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीसी बंधु पूरी तरह से अनुचित और चयनात्मक है और एक चुनावी हथकंडा था। हालांकि उस जीओ में आवेदन प्राप्त करने, उन पर कार्रवाई करने और वितरण की तारीख का उल्लेख किया गया था, लेकिन इसके कार्यान्वयन को लेकर पारदर्शिता है।

आवेदकों ने जिलाधीश को सौंपीं समस्या की याचिकाएं

निर्मल, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक वरुण रेड्डी ने सोमवार को समिकृत जिला कलक्ट्रेट मीटिंग हॉल में सार्वजनिक सुनवाई के अवसर पर याचिकाकर्ताओं से याचिकाएं प्राप्त कीं। इस अवसर पर विभिन्न मंडलों से आए आवेदकों ने जिला प्रशासक से आवेदन के माध्यम से अपनी समस्याएं पूछी। जिलाधीश ने आवेदकों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और कुछ समाधान योग्य समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और संबंधित विभागों से संबंधित आवेदकों के आवेदनों को तुरंत हल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पोडु भूमि, डबल बेडरूम मकान, सहायता पेंशन, भूमि मुद्दे और धरणी के लंबित आवेदनों का तुरंत जवाब दिया जाना चाहिए और आवेदक की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए कहा। तहसीलदारों को आदेश दिया गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंडलों में विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें, साथ ही गांवों में डेंगू और अन्य मौसमी बीमारियों से बचने के लिए उचित सावधानी बरतने, हरित खाद्य के तहत अपने दायरे में लक्ष्यों तक पहुंचने और पॉम ऑयल की खेती के लिए निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए जागरूकता पैदा करने को कहा। उन्होंने कहा कि आज सबसे ज्यादा आवेदन दलित बंधु, डबल बेडरूम, पेंशन और पोडु लैंड के लिए आये हैं। कार्यक्रम में जिले के अधिकारी, राजस्व कर्मचारी और अन्य लोग शामिल रहे।

आईआईटी-हैदराबाद का छात्र लापता

संगारेड्डी, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटी-एच) के एक छात्र के 17 जुलाई से परिसर से लापता होने की सूचना मिली है। नलगोंडा जिले के मिर्यालगुडा मंडल में वाटर टैंक थांडा का छात्र कार्थी (21) संस्थान में बी-टेक द्वितीय वर्ष का छात्र था। 17 जुलाई से उसका मोबाइल फोन बंद था, इसलिए उसके माता-पिता कैंपस पहुंचे। संस्थान प्रबंधन और कार्थी के दोस्तों से बात करने के बाद, माता-पिता ने संगारेड्डी ग्रामीण पुलिस से संपर्क किया। समझा जाता है कि पुलिस को उसके मोबाइल फोन के सिग्नल विशाखापत्तनम के पास मिले हैं। जांच के सिलसिले में एक टीम विशाखापत्तनम गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रोफार्मा 10-1
सार्वजनिक सूचना

PUB/0821

दक्षिण मध्य रेलवे के नीचे उल्लिखित अनुभाग के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को नोटिस दिया जाता है कि 25000 वोल्ट, 50 एचजेड, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को अनुभाग के सामने निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद सक्रिय किया जाएगा। उसी तारीख से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय सक्रिय माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के करीब नहीं आएगा या काम नहीं करेगा।

अनुभाग: निजी साइडिंग सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट साइडिंग (जयपुर प्लांट) ओएचई मस्त लोकेशन से : आरकेपी II/14/8 (किमी/सीएच:14/64.50) से आरकेपी II 25/12 (किमी/सीएच:25/38.50) तक, जिसमें सड़क 1,2,3, हॉपर लाइन और दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-बल्हारशाह खंड में मंचेरियाल स्टेशन से उड़ान भरने वाले प्लांट का फ्लाई ऐश लोडिंग क्षेत्र शामिल है।

ऊर्जाकरण की तिथि : 27.07.2023

एसी 25 केवी ट्रैक्शन का परिचय
प्रोफार्मा 10-02
सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी

जनता की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि ओएचई मस्त स्थान से निजी साइडिंग सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट साइडिंग (जयपुर प्लांट) खंड पर 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत के संबंध में: आरकेपी II/14/8 (किमी/सीएच:14/64.50) से आरकेपी II 25/12 (किमी/सीएच:25/38.50) जिसमें रोड 1, 2, 3, हॉपर लाइन और प्लांट का फ्लाई ऐश लोडिंग क्षेत्र शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-बल्हारशाह खंड में मंचेरियाल स्टेशन से उड़ान भरने पर, अत्यधिक ऊंचाई वाले भार को संपर्क में आने या रहने के लिए खतरनाक निकटता से रोकने के लिए सड़क स्तर से 4.78 मीटर की अधिकतम ऊंचाई के साथ सभी लेवल क्रॉसिंग पर कर्षण तार ऊंचाई गेज लगाए गए हैं।

जनता को सूचित किया जाता है कि वे वाहनों को लोड करने के उद्देश्य से ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहनों में ले जाया जाने वाला भार ऊपर न हो।

किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन न करें।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं:-

1) ऊंचाई गेज के लिए खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन में भी रुकावट।
ii) ले जाई गई सामग्री या उपकरण या स्वयं वाहन को खतरा।
iii) कंडक्टर के निकटता के कारण आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

ऊर्जाकरण की तिथि : 27.07.2023

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण) सिकंदराबाद

A1146

उस्मानिया विश्वविद्यालय की फर्जी डिग्री ने एनआरआई को सऊदी जेल में डाला

जेद्दा, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ प्रवासी, जिनके वीज़ा पेशेवर स्थिति के लिए आवश्यक योग्यताएँ हैं, शैक्षणिक योग्यता दस्तावेजों को प्रमाणित करने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। इंजीनियरों के अलावा, कई अन्य तकनीकी नौकरी वीजा धारक प्रवासी कर्मचारियों को अपने योग्यता प्रमाणपत्रों को प्रमाणित करने और वीजा नवीनीकरण के लिए पेशेवर निकायों में नामांकन करने की आवश्यकता होती है।

अचूक प्रणाली ने किसी भी दस्तावेज़ की जालसाजी को समाप्त कर दिया है, फिर भी कुछ भारतीय नकली डिग्री जमा करके कानून के गलत पक्ष में फंस रहे हैं। चल रहे मामलों की श्रृंखला में, तेलंगाना के रहने वाले एक भारतीय को जेल की अवधि पूरी होने पर देश से निर्वासित करने के अलावा एक साल की कैद और 5000 सऊदी रियाल का जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई है। एनआरआई, जो इंजीनियर के रूप में काम कर रहा था, ने उस्मानिया विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग डिग्री होने का दावा किया था, जो बाद में जाली पाई गई।

पहले, कुछ एनआरआई अपने रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए नकली प्रमाणपत्रों का उपयोग कर रहे थे, जबकि कुछ अब अपने नौकरी वीजा को बनाए रखने के लिए उनका उपयोग करने का असफल प्रयास कर रहे हैं। यह कोई अलग मामला नहीं है बल्कि अक्सर दक्षिण एशियाई प्रवासियों के बीच ऐसे मामले सामने आते हैं क्योंकि राज्य उन प्रवासियों पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों को तेज कर रहा है जो आवश्यक योग्यता के बिना अपनी नौकरी जारी रखते हैं। कुछ प्रवासी तो वीज़ा नवीनीकरण से पहले दंडात्मक उपायों से बचने के लिए अपनी नौकरी छोड़कर घर लौट आए।

कई दिनों के लगातार बारिश के बाद रविवार को बारिश ने नगर को थोडी राहत दी थी, किंतु सोमवार को शाम में बारिश ने फिर कहर बरपायी। जहां पहले के दिनों में बारिश मध्यम थी, वहीं आज भारी बिजली व गरज के साथ जमकर बारिश हुई। कार्यदिवस होने से कर्मचारियों को घर वापस आने के लिए बड़ी मुश्किल हुई तथा रास्ते भर में ट्रैफिक जाम से वाहन चालक खूब परेशान हुए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Venkata Narayanamma, Spouse of Nk Martala Venkateswarla Reddy (Late), R/o:1-23-579, Plot No.28, Rajiv Nagar, Bhoodevi Nagar, Trimulgherry, Secunderabad have changed my Name from Venkata Narayanamma to M.NARAYANAMMA and My Date of Birth is:27-11-1963 vide AffidavitSigned by Adv.& Notary P.RAVEENDRANATH, B.Com.B.L. on dt.24.07.2023

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सपा-बसपा और रालोद पर बीजेपी की स्ट्राइक

साहब सिंह और राजपाल सैनी समेत 18 नेता भाजपा में शामिल; अंशुल वर्मा ने की घर वापसी

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी का मिशन डिमॉलिशन जारी है। सोमवार को लखनऊ के पार्टी कार्यालय में सपा-रालोद और बसपा के 18 बड़े नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। इसमें साहब सिंह, राजपाल सैनी, सुषमा पटेल, पूर्व सांसद अंशुल वर्मा, शालिनी यादव, पूर्व विधायक गुलाब सरोज और जगदीश सोनकर जैसे बड़े चेहरे हैं।

दरअसल, हमने पहले ही बता दिया था कि 24 जुलाई को 15 से ज्यादा विपक्षी नेता भाजपा में शामिल होंगे। अपनी खास रिपोर्ट में पार्टी ज्वाइन करने वाले 7 नेताओं के नाम का भी खुलासा किया था। जिसमें अंशुल वर्मा, शालिनी यादव, गुलाब सरोज, सुषमा पटेल, राजपाल सैनी, साहब सिंह सैनी और जगदीश सोनकर का नाम शामिल है। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, हम 2024 में यूपी की 80 सीट जीत रहे हैं। तीसरी बार केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने जा रही है। जीत कर असर ऐसा होगा कि विपक्षी नेता यही सोचेंगे कि अपनी जमानत बचाए कैसे...। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, गरीब कल्याण की योजनाओं से प्रभावित होकर कई बड़े नेताओं ने हमारे साथ जुड़ने का निर्णय लिया।

इन नेताओं ने थामा भाजपा का दामन...

राजपाल सैनी, मुजफ्फरनगर से आरएलडी के पूर्व राज्यसभा सांसद
साहब सिंह, सहारनपुर से सपा के पूर्व मंत्री
जगदीश सोनकर, जौनपुर से सपा के पूर्व मंत्री
अंशुल वर्मा, हरदोई से सपा के पूर्व सांसद
सुषमा पटेल, जौनपुर से सपा की पूर्व विधायक
गुलाब सरोज, जौनपुर से सपा के पूर्व विधायक
शालिनी यादव, वाराणसी से सपा की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी
राजीव बक्शी, लखनऊ से पूर्व कांग्रेस मीडिया चेयरमैन
गंगाधर कुशवाहा, आगरा से बसपा के पूर्व चेयरमैन, जिला सहकारी बैंक
रवि भारद्वाज, आगरा से बसपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी
जितेंद्र मिश्रा, हमीरपुर से सपा के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
सत्यपाल यादव, हापुड़ से सपा के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
सुनीता यादव, हापुड़ से सपा की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
शालिनी यादव, हापुड़ के सिंभावली से सपा की ब्लॉक प्रमुख
पीयूष यादव, वाराणसी से सपा की पूर्व जिला अध्यक्ष
दिलीप सिंह, हमीरपुर के तिंदवारी विधानसभा सीट से बसपा के प्रत्याशी
पुष्पेंद्र पासी, सीतापुर के सिधौली विधानसभा सीट से बसपा के पूर्व प्रत्याशी
शिवान सैनी, मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट से बसपा के पूर्व प्रत्याशी

ज्वाइनिंग कार्यक्रम में कुछ इस तरह से विजयी मुद्रा में नेता नजर आए। ज्वाइनिंग के मौके पर सबको भगवा पटका पहनाया गया। ज्वाइनिंग कार्यक्रम में कुछ इस तरह से विजयी मुद्रा में नेता नजर आए। ज्वाइनिंग के मौके पर सबको भगवा पटका पहनाया गया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, 4 की मौत

कार सवार घायलों को बचा रहे थे, तभी बस ने गाड़ी समेत 3 युवकों को रौंदा

अलीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। जिसमें एक महिला समेत 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल, एक्सप्रेस-वे पर हादसे के बाद एक कार में 3 लोग फंस गए थे। इसी दौरान 4 युवक उन्हें गाड़ी से निकालने लगे। तभी पीछे से आ रही वोल्वो बस ने सभी को रौंद दिया। हादसे में तीन युवक और गाड़ी में फंसी एक महिला की मौत हो गई।

सुबह करीब 4:10 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल-स्टोन 56 पर आगरा से नोएडा जा रही एक कार अज्ञात कारणों से हादसे का शिकार हो गई। हादसे के बाद कार में सवार एक महिला, एक पुरुष और एक मासूम बच्चा बुरी तरह चीख रहे थे। वो तीनों घायल अवस्था में कार में बुरी तरह फंसे हुए थे।

इसी दौरान जेवर एयरपोर्ट पर नौकरी करने जा रहे नौहझील के अवाखेड़ा गांव के पुष्पेन्द्र चौधरी (27 वर्ष) पुत्र सुग्रीव सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह (28 वर्ष) पुत्र भाव सिंह और बाघई के कटैलिया गांव के रहने वाले प्रवीन उर्फ पवन (26 वर्ष), धर्मवीर वहां से गुजर रहे थे।

कार सवारों की चीख पुकार सुनकर चारों युवक रुक गए और कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने लगे। धर्मवीर ने कार में से एक मासूम बच्ची को बाहर निकाल लिया। पुष्पेन्द्र सिंह, पुष्पेन्द्र चौधरी और पवन चौधरी कार में फंसी महिला को बाहर निकाल रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही वोल्वो बस ने कार समेत युवकों को रौंद दिया। हादसे में कार में पहले से सवार एक महिला के साथ तीनों युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। कार में सवार महिला की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। टप्पल थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात शुरू कराया जा रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर इसी वाल्वो बस से हादसा हुआ है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर इसी वाल्वो बस से हादसा हुआ है।

धर्मवीर ने कार में रो रही एक मासूम बच्ची को बाहर निकाल लिया और उसे लेकर फुटपाथ पर आ गया। तभी हादसा हुआ और कार में सवार महिला और उन्हें बचा रहे 3 युवकों की मौत हो गई। वहीं मासूम बच्ची और युवक धर्मवीर बच गए।

सीओ खैर राजीव द्विवेदी ने बताया, यमुना एक्सप्रेस-वे पर टप्पल के पास सुबह एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल राहत काम शुरू किया। इसमें 3 पुरुष व 1 महिला की मौत हो गई है। वहीं अन्य घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

हरदोई में रविवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। कार में सवार भाजपा नेता समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस में कार में सवार पांचों लोगों को स्थानीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने 2 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 3 की हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ जाते समय रास्ते में मलिहाबाद के पास एक और युवक ने दम तोड़ दिया।

सीमा से मिले सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह

सचिन ने पाकिस्तान से नेपाल आने में मदद की; सीमा बोली-भारत की जेल में जिंदगी बिता दूंगी

नोएडा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट डॉ. एपी सिंह सीमा हैदर से मिलने और उससे बात करने के लिए सोमवार को घर पहुंचे। सीमा हैदर और सचिन ने अपने ही वकील के लिए दरवाजा नहीं खोला। एडवोकेट एपी सिंह दरवाजे के बाहर खड़े रहे। उन्होंने दरवाजा खोलवाने के लिए पुलिस को फोन किया। एडवोकेट ने पुलिस से कहा कि हमने राष्ट्रपति के यहां सीमा की तरफ से याचिका लगाई है। सचिन और सीमा से हम अकेले ही मिलेंगे। कोई और सदस्य नहीं जाएगा। दरवाजा खोलवा दीजिए। इसके बाद सचिन ने दरवाजा खोला। फिर एडवोकेट अंदर गए। बंद कमरे में बातचीत जारी है। सीमा हैदर मामले में नोएडा पुलिस के हाथ अहम सुराग लगा है। रविवार रात नोएडा पुलिस ने बुलंदशहर के एक जनसेवा केंद्र पर छापा मारा। पुलिस सचिन मीणा को लेकर अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव गंगाबांस में जनसेवा केंद्र पहुंची। यहां से दो भाइयों पुष्पेंद्र मीणा और पवन मीणा को हिरासत में लिया। साथ ही कंप्यूटर, प्रिंटर आदि सामान भी कब्जे में लिया है। वहीं, सीमा की हालात में सुधार है। उसका कहना है कि वह पाकिस्तान नहीं जाएगी। भारत की जेल में सारी जिंदगी बिता देगी। आरोप है कि सचिन और सीमा हैदर के आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों के साथ इसी जनसेवा केंद्र पर छेड़छाड़ की गई। सचिन ने अपने मामा की मदद से यह काम कराया था। जिस मकान में यह जनसेवा केंद्र चल रहा था, उसके मालिक ने नोएडा पुलिस के आने और दो भाइयों को हिरासत में लेने की पुष्टि की है। दोनों ने बुलंदशहर में ही कोर्ट मैरिज की एप्लिकेशन दी थी। हालांकि डॉक्यूमेंट में कमी के चलते दोनों की शादी नहीं हो सकी थी। यूपू एटीएस दो दिन में सीमा और सचिन से 18 घंटे पूछताछ कर चुकी है। ये पूछताछ नोएडा के एक सेफ हाउस में की गई थी। यूपी एटीएस दो दिन में सीमा और सचिन से 18 घंटे पूछताछ कर चुकी है। ये पूछताछ नोएडा के एक सेफ हाउस में की गई थी।

इतना ही नहीं, पाकिस्तान से रबूपुरा तक सीमा को लाने और रास्ते की पूरी रेकी सचिन ने ही की थी। ये प्लान मार्च में बना था। जब सचिन पहली बार सीमा से मिलने नेपाल गया था। उस वक्त सचिन ने ट्रैवल एजेंट से लेकर बॉर्डर तक की जानकारी जुटा ली थी। इसके बाद उसने सीमा को नेपाल तक आने का पूरा रूट समझाया। 10 मई को सीमा हैदर अपने चार बच्चों के साथ 15 दिन के टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान से कराची एयरपोर्ट पहुंची। यहां से वह दुबई गई।

11 मई को दुबई एयरपोर्ट से काठमांडू एयरपोर्ट पहुंची। इसके बाद का सफर उसने सचिन के जरिए सड़क के रास्ते तय किया। यहां से वैन करना फिर ट्रैवल एजेंट के जरिए बस बुक कराना और रास्ते में बातचीत करते हुए फलेदा कट तक आना, यह सारा प्लान सचिन ने सीमा को बताया था।

नालंदा में बोरवेल में गिरा शिवम अब स्वस्थ्य

बच्चे की मां बोली- बेटा कह रहा घर चलो डॉक्टर की देखरेख में अस्पताल में भर्ती

नालंदा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा में रविवार की सुबह कुल गांव में खुले बोरवेल में 4 साल का शिवम खेलने के दौरान गिर गया था। 8 घंटे के रेस्क्यू के बाद शिवम को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीम ने 60 फीट गड्ढे से बाहर निकाला। फिलहाल शिवम का इलाज वर्धमान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी में किया जा रहा है। शिवम अब स्वस्थ है और वह अपने घर जाना चाह रहा है। रविवार शाम से ही शिवम के माता-पिता अस्पताल में उसकी देखभाल में लगे हुए हैं। वहीं शिवम के घर पर परिजनों का तांता लगा हुआ है और हर कोई शिवम के घर आने की प्रतीक्षा कर रहा है।

शिवम की मां रेनू देवी ने बताया कि उन्होंने खेत में करेले का पौधा लगाया है। वह खेत में उगे घास फूंस को निकालने जा रही थी। तभी शिवम भी जिद करने लगा कि वह भी उनके साथ जाएगा। इसके बाद शिवम उनके पीछे-पीछे चल पड़ा। वह खेत में काम करने लगी और शिवम अपने दादा के साथ आम के पेड़ के पास खेलने लगा। इसके बाद शिवम के दादा भी खेत में काम करने के लिए चले गए और शिवम वहीं पर खेलता रहा। शिवम अपने दादा की तरफ जाने लगा, इसी दौरान तार के पत्ते से ढका बोरवेल के अंदर वह गिर गया। शिवम मम्मी-मम्मी चिल्लाने लगा, तभी पास बैठे किसान ने शोर मचाया। इसके बाद मौके पर गांव वाले और स्थानीय पुलिस और प्रशासन के लोग आ गए। फिर पटना से टीम आई और उनके बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला जा सका। वहीं बच्चे के हाल चाल के बारे में उन्होंने बताया कि अब उनके बेटे की तबीयत ठीक है। वह बोल रहा है, खा भी रहा है और घर चलने की बात भी कह रहा है। वहीं शिवम के पिता डोमन मांझी ने कहा कि उनका बेटा अब कह रहा है कि पापा हमें घर ले चलो। डॉक्टर पर नाराजगी जताते हुए कहा कि डॉक्टर बेवजह उन्हें बच्चे को कभी इधर तो कभी उधर ले जाने की बात कहते हैं। रात में सलाईन दी गई उसके बाद वैसे ही छोड़ दिया गया है। अभी उपचार बंद है। फिलहाल डॉक्टरों की तरफ से उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई है कि कब तक बच्चे को घर भेजा जाएगा। उपाधीक्षक डॉ अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि फिलहाल बच्चा ठीक है और डॉक्टर की देखरेख में उपचार चल रहा है। फिजीशियन ही यह बता सकते हैं कि बच्चे को कब तक रिलीज किया जा सकता है।

दौड़ने निकले 5 को कार ने कुचला, 3 की मौत

अलीगढ़ में सेना की तैयारी कर रहे थे युवा परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

अलीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के गोंडा थाना क्षेत्र में सुबह सेना की तैयारी करने वाले 5 युवाओं को कार ने कुचल दिया। पांचों युवा सेना भर्ती की तैयारी कर रहे थे और दौड़ बनाने के लिए आपस में रेस कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ़्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। कार की टक्कर के कारण पांचों युवा गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क बेहोश होकर गिर गए। वहां से गुजरने वाले ग्रामीणों ने इसी सूचना तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान 3 की मौत हो गई। वहीं दो का इलाज जारी है।

गोंडा के नयावास निवासी पांच युवा विकास, वीकेस, जितेंद्र, अभिषेक और मोहित पांचों दोस्त थे। यह हर दिन सुबह दौड़ लगाने के लिए निकलते थे और आपस में रेस करते थे। सोमवार सुबह भी 5 बजे यह दौड़ लगाने के लिए ही निकले थे। वह नहर के किनारे-किनारे दौड़ रहे थे।

पांचों युवा नयावास नहर के पास संतोष ढ़ाबे के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार ने उन्हें टक्कर मारी और कुचलते हुए आगे निकल गई। जिसमें विकास (18) पुत्र सुरेश मालन, वीकेस (16) पुत्र उदयवीर सिंह और जितेंद्र (17) पुत्र विनोद कुमार की मौत हो गई। वहीं अभिषेक पुत्र हीरालाल और मोहित पुत्र राजू की हालत गंभीर है।

घटना की जानकारी मिलने पर सभी के परिवार जन मौके पर पहुंच गए। उनके साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और रास्ते पर जाम लग गए। लोगों ने पुलिस से तत्काल कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। जिसके बाद उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

बेगूसराय में युवक की हाथ-पैर बांधकर पिटाई

बेगूसराय,24 जुलाई (एजेंसियां)। बेगूसराय में एक युवक की पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव का है। वायरल वीडियो में पिट रहे शख्स की पहचान कुंभी गांव के रहने वाले मुकद्दर कुमार (22) के रूप में की गई है। मुकद्दर का कहना है कि सिपाही बहाली की तैयारी के लिए दौड़ लगाने गया था। उसी वक्त गांव के ही कमल सहनी ने उसे पकड़ लिया और प्रेमिका से मिलने का आरोप लगाकर हाथ पैर बांधकर घंटों पिटाई करता रहा। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दर्जनों लोग जमा हैं और मुकद्दर कुमार का हाथ पैर बांधकर जमीन पर लिटा दिया गया है। हालांकि इस मामले में ससमय पुलिस के पहुंच जाने की वजह से मुकद्दर कुमार की जान बच गई और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। वहीं मुकद्दर कुमार का कहना है कि उस पर केस हो जाने की वजह से वह जेल चला गया और उसके जेल से निकलने से पहले ही कमल सहनी और उसके दबंग साथियों के द्वारा परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है । फिलहाल मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस के द्वारा हर बिंदु पर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है ।

विधायक के बेटे ने जिस गेटमैन को पीटा उसकी आपबीती

उन्होंने मुझे बुरी तरह पीटा, झूठा केस किया हम गरीब हैं पर उनसे लड़ेंगे जरूर

एटा,24 जुलाई (एजेंसियां)। हम गरीब लोग हैं...गेटमैन की नौकरी करके अपना घर चला रहे हैं। ऊपर से ये पैसे वाले लोग हमारे जैसों पर रौब जमाते हैं। हमें बिना बात के पीट देते हैं। हम लोग अपनी नौकरी ईमानदारी से करते हैं, तो उसका ये परिणाम मिलता है हमें। विधायक के बेटे और उसके साथियों की मारपीट से मुझे पीठ-पैर और आंख में गंभीर चोट आई है। उसके बाद भी नौकरी करने आया हूं। हमें अपना परिवार चलाना होता है और इन लोगों को गुंडागर्दी से फुरसत नहीं है।

यह कहना है कासंगज गेटमैन संतोष का। जिसे में रेलवे फाटक बंद करने पर एटा के अलीगंज के विधायक के बेटे सूरज राठौर और उसके साथियों से पीटा था। संतोष की 21 जुलाई को सिर्फ इसलिए पिटाई कर दी गई थी क्योंकि उसने मालगाड़ी के आने के समय पर फाटक बंद कर दिया था। जिसके बाद अलीगंज से बीजेपी विधायक सत्यपाल सिंह राठौर के बेटे सूरज राठौर ने अपने साथियों सौरभ और ऋषभ के साथ मिलकर केबिन के अंदर घुसकर उसकी पिटाई कर दी थी।

पिटाई से संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने इसकी जानकारी आरपीएफ को दी थी। संतोष की शिकायत पर फर्रुखाबाद RPF थाने पर विधायक के बेटे समेत तीन लोगों पर रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। इस मामले में दैनिक भास्कर की टीम ने गेटमैन संतोष से बात की। उनसे उस दिन का पूरा घटनाक्रम जाना।

साथ ही विधायक के द्वारा उन पर करवाई जाने वाली FIR के बारे में भी बताया गया। संतोष का कहना है, उनके साथ जो हुआ, वह बहुत गलत हुआ। वह अपने इंसाफ की लड़ाई जरूर लड़ेंगे।

आरा में शादी के 5 महीने बाद विवाहिता की हत्या

आरा(भोजपुर), 24 जुलाई (एजेंसियां)। आरा में 25 साल की महिला का शव उसके ससुराल से मिला है। 5 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। परिवार वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसकी हत्या की है। भाई ने बताया कि ससुराल वाले उससे बुलेट, एसी की डिमांड करते थे। इसे लेकर उसके साथ मारपीट भी होती थी। रविवार को उसने आखिरी बार भाई से बात की थी। भाई से इतना कहकर फोन काटा कि वो आ गए हैं। मैं रख रही हूं। इसके 1 घंटे बाद उसके पति का फोन आया कि आपकी बहन की मौत हो गई है। मामला जगदेव नगर मोहल्ले का है। 25 साल की स्वीटी कुमारी की शादी 17 फरवरी 2023 को उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत कारीसाथ गांव के विशाल सिंह से हुई थी। बेटी की मौत से नाराज मायके वालों ने नवादा थाना क्षेत्र के मठिया मोड़ के पास शव को सड़क के बीचों बीच रखकर विरोध किया। परिवार ने आरोपी ससुराल वालों की गिरफ्तारी की मांग की। स्वीटी के ससुराल वाले कुछ सालों से नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ले में अपना मकान बनाकर रहते थे। स्वीटी के भाई उज्जवल ने बताया कि उसकी बहन की शादी 17 फरवरी 2023 को हुई थी। स्वीटी रोहतास के कच्छवां थाना क्षेत्र के दनवार गांव की रहने वाली थी। उसके पिता का नाम मनोज सिंह है। शादी में पिता ने खेत बेचकर 12 लाख कैश और सामान दिया था। स्वीटी के भाई उज्जवल ने बताया कि शादी के एक महीने बाद से ही स्वीटी के पति और ससुराल वाले बुलेट बाइक, सोने की चेन, AC और अन्य सामानों की मांग को लेकर उसकी बहन को प्रताड़ित करने लगे थे। इसके साथ ही उसके साथ मारपीट भी करते थे। वह बराबर उसे कहते थे, तुम्हारे पिता ने दहेज में कोई सामान ठीक नहीं दिया है। इसके बाद करीब 10 दिनों से उन लोगों ने उसका मोबाइल छीन लिया था। फोन कर पूछने पर कहा जाता था कि मोबाइल खराब हो गया है, उसे बनने के लिए दिया है।

रविवार की रात करीब 11 बजे उसने फोन कर के अपने भाई उज्जवल से ठीक से बातचीत की। इस दौरान उसे लगा कि उसकी बहन नाराज है, लेकिन पूछने पर उसने कुछ बताया नहीं। इसके बाद उसने कहा कि वह आ गए हैं, मैं फोन रखती हूं। एक घंटे बीत जाने के बाद ससुराल वालों ने फोन कर कहा कि आपकी बेटी की मौत हो गई है। सूचना पाकर परिजन उसके ससुराल जगदेव नगर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि वो बेड पर पड़ी थी।

इसके बाद परिजनों ने तुरंत इसकी जानकारी नवादा थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। भाई उज्जवल कुमार ने उसके पति विशाल सिंह, ससुर कामेश्वर सिंह, सास उषा देवी और उसकी चार ननद पर दहेज में बुलेट गाड़ी, सोने की चेन, ऐसी और अन्य सामान की मांग को लेकर उसके गले में रस्सी डालकर और उसका गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

गया में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

3 लोग घायल, ड्राइवर की हालत गंभीर मलमास मेले में जा रहे थे सभी

गया, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गया जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र के सरबहदा ओपी इलाके में हर सिंगरा के पास स्कार्पियो के पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई है। मरने वाले में 10 साल का बच्चा और एक महिला और एक पुरुष है। तीनों की बॉडी सड़क पर इधर उधर पड़ी है। मौके पर भारी भीड़ लगी है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से ज़ख्मी हो गए। मृतकों में एकंगरसराय थाना क्षेत्र के ऊपरी बाजार निवासी (35) वर्षीय शंकर कुमार, उनकी (10) वर्षीय पुत्री लक्ष्मी कुमारी एवं जहानाबाद जिला के अरहेट गांव की रहने वाली शंकर की सास 60 वर्षीय राधारानी देवी है। शंकर के चचेरे भाई बिहारी कुमार ने बताया कि शंकर कुमार अपने परिवार के साथ सोमवार को राजगीर के ब्रह्म कुंड में स्नान करने जा रहा था। तभी खुदागंज थाना क्षेत्र के महमूदा पुल के पास गाड़ी अनियंत्रित हो गई और गड्ढे में पलट गई। इस घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उस पर सवार तीन अन्य गंभीर लोगों को उपचार के लिए पटना और एक व्यक्ति को पावापुरी अस्पताल भेजा गया है। स्कॉर्पियो पर कुल 9 लोग सवार थे। मृतक एकंगरसराय बाजार में फल बेचते थे। राजगीर में राजकीय मलमास मेला चल रहा है। जहाँ हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन ब्रह्म कुण्ड में स्नान के लिए पहुँच रहे हैं। खुदागंज थाना अध्यक्ष बबन राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा दिया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि एकंगरसराय की ओर एक स्कार्पियो तेज रफ्तार से आ रही थी। उस पर छह लोग सवार थे। उस रास्ते से गुजरने वाले एक वाहन चालक ने बताया कि रास्ते में स्कार्पियो सड़क पर पूरी तरह से लहराते हुए दिखा था। इसके कुछ देर बाद वह पलट गया। गांव के लोगों का कहना है कि स्कार्पियो सड़क पर तीन पलटनिया मारने के बाद स्थिर हुआ था।

सीमा हैदर का छलका दर्द

'पाक में लड़कियों को बेच देते हैं, बचपन में ही बड़े उम्र के लोगों से कराते हैं निकाह'

नोएडा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पबजी के जरिए प्यार में पड़कर चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर जांच एजेंसियों की रडार पर है। जासूस होने के शक में सीमा से लगातार पूछताछ की जा रही है। पाकिस्तान की तरफ से सीमा को वापस भेजने की मांग की जा रही है। वहीं, सीमा हैदर का कहना है कि अगर उसे वापस भेज दिया गया तो वहां उसे जान से मार दिया जाएगा। पाकिस्तान में पैसा लेकर लड़कियों की कम उम्र मे ही बड़े उम्र के लोगों से शादी कर दी जाती है।

सीमा हैदर ने बताया कि जिस इलाके में मैं रहती हूं वहां लड़कियों को बचपन में ही बेच दिया जाता है। एक से डेढ़ लाख रुपये तक में लड़कियां बेचकर उनकी बड़ी उम्र के मर्दों से निकाह कर दिया जाता है। वहां का कल्चर बेहद अजीब है, वहां लड़कियों को फोटो खिचाने तक की भी इजाजत नहीं होती है। ऐसे में मैं तो भारत आई हूं और मीडिया में दिख रही हूं। वहां मुझे जान से मार दिया जाएगा। वो लोग मुझे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। सीमा हैदर के फर्जी ढंग से आधार कार्ड बनवाने

की तलाश में जुटी जांच टीम ने बुलंदशहर के अहमदगढ़ से साइबर कैफे संचालक दो भाई समेत तीन युवकों को हिरासत में लिया है। रविवार को पकड़े गए कैफे संचालक भाई सचिन के रिश्तेदार के परिचित बताए गए हैं। फर्जी आधार कार्ड बनवाने में मदद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के साइबर कैफे से भी सामान बरामदगी की कार्रवाई भी की है। इसके अलावा रबूपुरा से भी एक युवक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन अहमदगढ़ और रबूपुरा में पुलिस कार्रवाई की चर्चा शुरू हो गई है। बिना वीजा के पाकिस्तान से रबूपुरा पहुंची सीमा हैदर के 50 दिन छुपकर रहने और फर्जी ढंग से आधार कार्ड बनवाने के अमर उजाला के खुलासे के बाद पुलिस गहन जांच में जुटी है। शुक्रवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी थी कि बरामद किए गए तीन आधार कार्ड बनवाने के लिए फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने आधार कार्ड बनाने में मदद करने वालों की तलाश में टीम जुटने की भी जानकारी दी थी। इससे पहले सूत्रों ने जानकारी दी थी कि आधार कार्ड एडिट कर बनाए गए हैं।

इन्हीं आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सीमा हैदर के नेपाल में रहने और बस में सुरक्षाकर्मियों की गहन जांच से बचने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आधार कार्ड बरामदगी के बावजूद पुलिस ने दर्ज किए गए केस में धोखाधड़ी की धारा नहीं लगाई थी। जिसके चलते सचिन और सीमा को जल्द जमानत मिल गई थी। अब बुलंदशहर के अहमदगढ़ में की गई कार्रवाई के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द पुलिस गहन जांच कर इस मामले का अधिकारिक खुलासा करेगी।

सीमा हैदर मामले में फर्जी आधार कार्ड बनवाने को लेकर जनसेवा केंद्र संचालक समेत तीन हिरासत में

ग्रेटर नोएडा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के मामले में फर्जी आधार कार्ड बनवाने वाले दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही पुलिस ने उनसे आधार कार्ड बनाने वाले कई सामान भी बरामद किए हैं। हिरासत में लिए गए लोग सचिन के एक रिश्तेदार के रिश्तेदार हैं। इन्हें बुलंदशहर के अहमदगढ़ के जनसेवा केंद्र से हिरासत में लिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रबूपुरा के रहने वाले एक लड़के ने सचिन की मदद की थी। पुलिस ने उस लड़के समेत बुलंदशहर के अहमदगढ़ के जनसेवा केंद्र संचालक दो भाइयों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस और यूपी एटीएस को शक है कि इन्हीं फर्जी आधार कार्ड की मदद से सीमा ने नेपाल से भारत में एंट्री की थी।

असम सीएम ने गडकरी से की मुलाकात

प्रमुख परियोजनाओं के लिए मदद मांगी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने असम में गोहपुर और नुमालीगढ़ गुवाहाटी रिंग रोड काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के बीच पानी के नीचे सुरंग और राज्य में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन बनाने जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए गडकरी से मदद मांगी।

केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय असम में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने में हर संभव मदद देगा। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद सीएम ने ट्वीट किया, "माननीय केंद्रीय मंत्री से मिलना हमेशा समृद्ध करने वाला होता है और बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मैंने असम में गोहपुर और नुमालीगढ़ गुवाहाटी रिंग रोड काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के बीच पानी के नीचे सुरंग और राज्य में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन बनाने जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए उसने से मदद मांगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) में एलिवेटेड कॉरिडोर (ऊंचे गलियारों) पर गहन चर्चा हुई। केएनपीटीआर में मानसून बाढ़ एक वार्षिक घटना है, जहां गर्मियों के दौरान जानवरों को हमेशा बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। पार्क का एक बड़ा हिस्सा बाढ़ के पानी में डूब जाता है, जानवरों के लिए जगह कम हो जाती है। फिर जानवर आम तौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते हैं और आश्रय की तलाश में कार्बी आंगलोंग पहाड़ियों की ओर चले जाते हैं। इस क्रम में तेज़ रफ़्तार वाहन अक्सर जानवरों को टक्कर मार देते हैं जिससे पिछले कुछ वर्षों में कई मौतें हुई हैं। जानवरों की मौत से बचने के लिए, राज्य सरकार ने कार्बी हिल्स की ओर जाने के दौरान जानवरों की आवाजाही के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ऊंचा कॉरिडोर बनाने की योजना बनाई है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा का ऊंचा कॉरिडोर काफी हद तक जंगली जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा क्योंकि यहां गर्मी शुरू होते ही कार्बी पहाड़ियों और राष्ट्रीय उद्यान के बीच उनका आना-जाना लगा रहता है।

तटरक्षक बल के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ने बचाई बीमार नाविक की जान

खराब मौसम में समुद्र के बीच से निकाला

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) एमके-III का इस्तेमाल करते हुए चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच केरल तट के पास निजी टैंकर से एक नाविक को समुद्र के बीच से सफलतापूर्वक निकाला। नाविक आघात और आंशिक पक्षाघात से पीड़ित बताया जा रहा है।आईसीजी ने कहा कि उसे इटली के सेंट्रो इंटरनाजियोनेल रेडियो मेडिक (सीआईआरएम) के जरिए रविवार को संकट में फंसे चालक दल के सदस्य प्रदीप दास के बारे में सूचना मिली थी। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि सीआईआरएम ने सूचित किया था कि मोटर टैंकर ग्लोबल स्टार पर सवार नौसैनिक संदिग्ध आघात, उच्च रक्तचाप और बाईं ओर आंशिक पक्षाघात से पीड़ित है और उसे जल्द से जल्द चिकित्सा निकासी की आवश्यकता है।इसके बाद कोच्चि में समुद्री

बचाव उप-केंद्र (एमआरएससी) को ऑपरेशन के समन्वय का काम सौंपा गया था और इसने टेलीमेडिकल सहायता प्रदान करने और मुश्किल में फंसे नाविक को निकालने की योजना बनाने के लिए जहाज के साथ संचार स्थापित किया। बयान में कहा गया, 'अशांत समुद्र और मौजूदा मौसम की स्थिति को समझते हुए तटरक्षक एएलएच को 24 जुलाई की सुबह चिकित्सा विन्यास में कोच्चि से समुद्र में 112 समुद्री मील की दूरी पर चिकित्सा निकासी करने के लिए रवाना किया गया था। चुनौतीपूर्ण मौसम, अशांत समुद्र, भारी बारिश और खराब दृश्यता के बीच आईसीजी विमान के पेशेवर पायलट कम से कम समय में एमटी ग्लोबल स्टार पहुंचे और संकटग्रस्त नौसैनिक को सफलतापूर्वक बाहर निकाला।' बयान में कहा गया है कि नाविक का कोच्चि के रास्ते में एएलएच में चिकित्सकीय प्रबंधन किया गया और बंदरगाह शहर पहुंचने पर उसे आगे के चिकित्सा प्रबंधन के लिए गौतम अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। एसएआर ने चुनौती पूर्ण मौसम के बीच एक साहसी अभियान में भारतीय तटरक्षक बल के स्वदेशी एएलएच ने एमटी ग्लोबल स्टार 110 एफएम कोच्चि पर समुद्र में एक और नाविक की जान बचाई। बचाव अभियान का समन्वय एमआरसीसी कोच्चि द्वारा सीजी एयर एन्क्लेव, नेदुम्बस्सेरी और आईसीजी अर्नवेश के समन्वय से किया गया था।

दिल्ली कॉन्स्टेबल ने साउथ कोरियन से रिश्वत ली

ट्रैफिक रूल तोड़ने के नाम पर 5000 लिए, वीडियो वायरल होने पर सस्पेंड

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक ट्रैफिक पुलिस कॉन्स्टेबल ने साउथ कोरियन यूट्यूबर से 5 हजार रुपए हड़प लिए। कॉन्स्टेबल ने यूट्यूबर पर ट्रैफिक रूल तोड़ने का आरोप लगाकर फाइन के तौर पर ये रकम ली, लेकिन इसकी कोई रसीद नहीं दी।

इस दौरान यूट्यूबर की कार में लगे कैमरे में पूरा मामला रिकॉर्ड हो गया। बाद में यूट्यूबर ने वीडियो अपने अकाउंट पर पोस्ट कर दिया, जहां से ये सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उस कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर जांच शुरू कर दी है।

टूरिस्ट ने रिश्वत देने के बाद थैंक-यू बोला

वीडियो में दिख रहा है कि यूट्यूबर खुली सड़क पर कार ड्राइव कर रहा है। एक चौराहे के आगे कॉन्स्टेबल ने उसकी गाड़ी रोकी और उससे कहा कि वह गलत लेन में ड्राइव कर रहा है। इसके बाद उसने यूट्यूबर से जुर्माने के तौर पर 5 हजार रुपए कैश मांगे।यूट्यूबर पुलिसकर्मी की बात नहीं समझ पाया और उसे 500 रुपए देने लगा। पुलिसकर्मी के मना करने के बाद यूट्यूबर ने उसे पूरे 5000 रुपए दे दिए। इसके बाद यूट्यूबर ने पुलिसकर्मी को हाथ जोड़कर थैंक-यू बोला और उससे हाथ मिलाया। शायद तब उसे समझ नहीं आया होगा कि उससे रिश्वत ली जा रही है।

विदेशी टूरिस्ट के यूट्यूब पर 13.4 लाख सब्सक्राइबर्स

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना लगभग एक महीने पुरानी है। वीडियो में दिख रहे कॉन्स्टेबल का नाम महेश चंद है। वहीं, साउथ कोरियाई यूट्यूबर के यूट्यूब पर 13 लाख 40 हजार सब्सक्राइबर्स हैं।दिल्ली पुलिस ने ट्वीट किया कि सोशल मीडिया पोस्ट का संज्ञान लेते हुए वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी को जांच पूरी होने तक सस्पेंड कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति है।

वडोदरा में भाजपा पार्षद गिरफ्तार

मेयर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए गुमनाम पत्र जारी करने का आरोप

वडोदरा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा शहर में नागरिक निकाय के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पार्षद को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पार्षद पर स्थानीय पार्टी नेताओं और अन्य लोगों को शहर के मेयर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाला एक गुमनाम पत्र भेजने का आरोप है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की अपराध शाखा ने वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) के एक पार्षद को विभिन्न लोगों को अपमानसूचक पत्र जारी करने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पत्र में दावा किया गया है कि मेयर नीलेश राठौड़ भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में पार्षद के बहनोई और एक अन्य व्यक्ति को कुछ दिन पहले गिरफ्तार किया था। आरोपी नगरसेवक वीएमसी में सत्तारूढ़ दल का नेता है। उसने अपने बहनोई की गिरफ्तारी के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारी ने कहा कि वडोदरा में भाजपा नेताओं को गुमनाम पत्र मिला, जिसके बाद शहर की अपराध शाखा ने एक प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, मेयर और उनके भाई के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों वाला फर्जी पत्र मनगढ़ंत प्रतीत होता है और यह अपमानजनक प्रकृति का था। पत्र में कहा गया है कि शहर के मेयर ने विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी देकर कथित तौर पर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया है।

महिलाओं से बर्बरता के 14 और आरोपियों की हुई पहचान

गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने कसी कमर

इंफाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में चार मई को दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने वाली भीड़ का हिस्सा रहे 14 और लोगों की पुलिस ने पहचान कर ली है। साथ ही इन्हें गिरफ्तार करने के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है। इस मामले में, छह लोगों को पहले ही पकड़ा जा चुका है।

26 सेकंड की है वीडियो

पुलिस ने सोमवार को बताया कि दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने वाली वीडियो 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। 26

सेकंड के वीडियो ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। इसी मामले में पुलिस ने 14 और लोगों की पहचान की है। इन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

21 जून को शिकायत दर्ज

वीडियो में नजर आ रही महिलाओं में से एक महिला असम रेजीमेंट में सूबेदार के तौर पर सेवाएं दे चुके और करगिल युद्ध लड़ चुके सेना के एक पूर्व जवान की पत्नी है। इस घटना के संबंध में कांगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस थाने में 21 जून को शिकायत दर्ज कराई गई थी।

मई से ही हालात खराब

मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

अफजाल अंसारी को इलाहबाद हाईकोर्ट ने दी जमानत

चार साल की सजा पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर लोकसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के निवर्तमान सांसद अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। फिलहाल अफजाल अंसारी की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं, हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मामले में चार साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट मामले में दोषी ठहराया गया था और 4 साल जेल की सजा सुनाई थी। उनकी लिए मुश्किलें इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि अब उनकी संसद सदस्यता बहाल नहीं हो सकती है, इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट का रुख करना होगा।

लोकसभा सदस्यता रद्द हो गई थी

अफजाल अंसारी फिलहाल गाजीपुर जेल में बंद हैं। दोषी ठहराए जाने और चार साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद मई में अफजाल अंसारी को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने हाईकोर्ट में अपील दायर कर सजा पर रोक लगाने और जमानत पर रिहा करने की मांग की थी।

बीजेपी विधायक बोले-मणिपुर हिंसा में राज्य सरकार शामिल

थोरबुंग में 36 घंटे फायरिंग हुई, महिलाओं का वीडियो वायरल होने से मिजोरम में दहशत

इंफाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर ढाई महीने से हिंसा की आग में झुलस रहा है। इसी बीच राज्य के बीजेपी विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने कहा कि हिंसा में राज्य सरकार भी शामिल है। सरकार की मिलीभगत की वजह से हिंसा पर ढाई महीने बाद भी काबू नहीं पाया जा सका। इंडिया टुडे में लिखे एक आर्टिकल में उन्होंने यह बात कही है।

पाओलीनलाल उन 10 विधायकों में से हैं जिन्होंने मई में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पत्र लिखकर राज्य में कुकी-बहुल जिलों के लिए एक अलग प्रशासन की मांग की थी।

मणिपुर से महिलाओं का वीडियो सामने आने के बाद से पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी खतरा मंडरा रहा है। अब तक मैतेई समुदाय के 568 लोग मिजोरम छोड़कर मणिपुर आ गए हैं।उधर, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर के बीच थोरबुंग इलाके में पिछले 36 घंटे फायरिंग हुई।

शनिवार को थोरबुंग के स्कूल को कुछ लोगों ने आग के हवाले कर दिया था।

इसके बाद रविवार (23 जुलाई) को 50-60 लोगों का झुंड सीआरपीएफ बंकर्स के सामने मेन रोड पर अचानक आ गया। सड़क पर खुलेआम फायरिंग हो रही थी, भीड़ को कोई खौफ नहीं था। भीड़ में ज्यादातर पुरुष थे, कंधों पर राइफल टंगी थीं और हाथ में खांग (तलवार जैसा हथियार) थी। इस क्रॉस फायरिंग के बीच सुरक्षाबलों ने भास्कर रिपोर्टर को अपने बंकर में छिपाकर बचाया। मणिपुर से महिलाओं का वीडियो सामने आने के बाद से पड़ोसी राज्य मिजोरम में दहशत का माहौल है। अंडरग्राउंड मिजो नेशनल फ्रंट के मिलिटेंट्स के संगठन पीस अकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन (पीएएमआरए) ने एक बयान जारी करके कहा था कि मिजोरम में रहने वाले मैतेई लोगों को उनकी सुरक्षा के मद्देनजर राज्य छोड़ देना चाहिए। इस वक्त मिजो समुदाय की भावनाएं आहत हैं।

डर के कारण अब तक मैतेई समुदाय के 568 लोग मिजोरम छोड़कर मणिपुर की राजधानी इंफाल आ गए हैं। इसमें ज्यादातर स्टूडेंट और प्रशासन से जुड़े लोग हैं। हालांकि, मिजोरम सरकार ने उन्हें पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया।

पत्थरों की बरसात...दो दिन से फंसे श्रद्धालु

बड़कोट, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यमुनोत्री हाईवे पर दो दिनों से श्रद्धालु जगह-जगह फंसे हुए हैं। अधिकांश श्रद्धालुओं ने खरादी बडकोट से वापस गंगोत्री धाम जाने का निर्णय लिया तो कहीं श्रद्धालुओं के जत्थे जगह-जगह बंद होने से बीच में फंसे हुए हैं। इनमें बिहार, गुजरात महाराष्ट्र आदि राज्यों से आए श्रद्धालु है। वहीं दूसरी तरफ यमुनोत्री हाईवे ओजरी डाबरकोट,खनेडा किसाला स्लीपजोन के पास बंद होने कारण खरशालीगांव गांव की प्रसव पीड़ित महिला बीच में फंसी हुई हैं। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थान सुनगर के पास यातायात हेतु सुचारू कर दिया गया है, लेकिन यमुनोत्री हाईवे कई जगह अभी भी बंद है। लगातार से पहाड़ी से पत्थरों की बरसात हो रही है। पीड़ित महिला के पति ग्रीस लाल, महिला के जीजा सुरेश लाल ने बताया कि खरशालीगांव से तिर्खली गांव तक तीन वाहन बदलने के बाद दो किमी उतराई-चढ़ाई चढ़ कर ओजरी गांव के पास पहुंचे है।

'लोग अक्सर व्हाट्सएप स्टेटस चेक करते हैं सोच-समझकर ही पोस्ट करें'

बॉम्बे हाईकोर्ट की हिदायत

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने एक धार्मिक समूह के खिलाफ कथित तौर पर नफरत फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला रद्द करने से इनकार करते हुए कहा है कि किसी को अपने व्हाट्सएप स्टेटस के माध्यम से दूसरों को कुछ बताते समय जिम्मेदारी की भावना के साथ व्यवहार करना चाहिए। जस्टिस विनय जोशी और जस्टिस वाल्मिकी एसए मेनेजेस की खंडपीठ ने 12 जुलाई को अपने आदेश में कहा कि आजकल व्हाट्सएप स्टेटस का उद्देश्य अपने संपर्क में रहने वालों को कुछ बताना है। पीठ ने इस बात पर ध्यान दिया कि लोग अक्सर अपने संपर्क में रहने वालों का व्हाट्सएप स्टेटस चेक करते रहते हैं।

पीठ ने 27 वर्षीय युवक किशोर लांडकर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में जानबूझकर धार्मिक भावना या आस्था को ठेस पहुंचाने या अपमानित करने के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अपराधों के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने कहा, व्हाट्सएप स्टेटस आप जो कर रहे हैं, सोच रहे हैं या जो कुछ आपने देखा है उसकी तस्वीर या वीडियो हो सकता है, जो 24 घंटे के बाद गायब हो जाता है। व्हाट्सएप स्टेटस का उद्देश्य ही किसी व्यक्ति के कॉन्टैक्ट्स तक कुछ बात पहुंचाना है। यह और कुछ नहीं बल्कि परिचित व्यक्तियों के साथ संचार का एक तरीका है।अदालत ने कहा, किसी को भी दूसरों से कोई बात कहते समय जिम्मेदारी की भावना के साथ व्यवहार करना चाहिए। शिकायतकर्ता का मामला यह है कि मार्च, 2023 में आरोपी ने अपना व्हाट्सएप स्टेटस अपलोड किया जिसमें उसने एक प्रश्न लिखा और दर्शकों से चौंकाने वाले परिणाम प्राप्त करने के लिए गूगल पर इसे सर्च करने के लिए कहा। जब शिकायतकर्ता ने सवाल को गूगल पर सर्च किया तो उसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली आपत्तिजनक सामग्री नजर आई। आरोपी ने दावा किया कि उसका किसी भी धार्मिक समूह की भावनाओं को ठेस पहुंचाने या जानबूझकर स्टेटस प्रदर्शित करने का इरादा नहीं था और चूंकि व्हाट्सएप स्टेटस केवल वे ही देख सकते हैं जिन्होंने स्टेटस डालने वाले व्यक्ति का नंबर सेव किया है, इसलिए यह तय है कि उसका नफरत फैलाने का कोई इरादा नहीं था। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी द्वारा अपलोड किए गए व्हाट्सएप स्टेटस ने अन्य लोगों को गूगल पर खोज करने और यह पढ़ने के लिए उकसाया कि आरोपी व्यक्ति उनसे क्या चाहता है। अदालत ने कहा कि एफआईआर प्रथम दृष्टया में आरोपी व्यक्ति के एक विशेष समूह की भावना का अपमान करने के जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादे का खुलासा करती है और मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा, आवेदक यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता कि व्हाट्सएप स्टेटस सीमित प्रचलन में है। आवेदक के लिए ऐसे स्टेटस प्रदर्शित करने का कोई औचित्य नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 25 जुलाई- 2023

मणिपुर को दूसरा कश्मीर बनने से रोका जाना चाहिए !

श्रवण गर्ग

मणिपुर की दर्दनाक घटना के 79वें दिन कठोर हो चुकी अंतरात्मा में साहस बटोरकर केवल छत्तीस सैकण्ड का संदेश देश को सुनाते वक्त क्या प्रधानमंत्री की ज़ुबान ज़रा भी लड़खड़ाई या कांपी नहीं होगी ? प्रधानमंत्री ने जब बिना नज़रें झुकाए हुए कहा होगा कि उनका हृदय दुख और क्रोध से भरा हुआ है और जो कुछ हुआ वह किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मसार करने वाला है तो क्या देश ने कोरोना काल की तरह ही उनके कहे की सत्यता पर पूरा यक़ीन कर लिया होगा ? क्या हर नागरिक को उनके इस आश्वासन पर पूरा भरोसा हो गया है कि किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा ? क्या मणिपुर के असली दोषियों की पहचान कर ली गई है ? प्रधानमंत्री की ओर से इस सवाल का जवाब मिलना बाक़ी है कि मणिपुर जब जल रहा था और विपक्ष उनसे हस्तक्षेप का लगातार अनुरोध कर रहा था, वे विदेश यात्राएँ क्यों कर रहे थे ? उनके मुँह से सांत्वना का एक शब्द भी तब क्यों नहीं फूटा जब फ्रांस यात्रा के दौरान ही यूरोपीय संसद मणिपुर की घटनाओं को लेकर भारत के ख़िलाफ़ प्रस्ताव पारित कर रही थी ? मणिपुर की त्रासदी, जिसमें महिलाओं को उनकी निर्वस्त्र परेड और बलात्कार के लिए राज्य की पुलिस द्वारा ही हिंसक भीड़ के हवाले कर दिया गया था, का संबंध सिर्फ़ उत्तर-पूर्व के एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य से ही नहीं है। उसका संबंध देश और दुनिया की तमाम महिलाओं की अस्मिता और आत्माओं के साथ जुड़ा गया है। मणिपुर की घटना सत्ता में बने रहने के लिए अपने ही नागरिकों के ख़िलाफ़ उनके ही हित-संरक्षकों की दिल दहला देने वाली साज़िश है ! क्या इस बात पर राष्ट्रीय शोक नहीं मनाया जाना चाहिए कि कथित तौर पर भारत द्वारा बेचे जाने वाले हथियारों की मदद से एक क्रूर सैन्य तानाशाही के पैरों तले रौंदे जा रहे म्यांमार की सीमा से लगे बत्तीस लाख की आबादी के मणिपुर में चार मई को हुई वीभत्स घटना के 140 करोड़ जनता के संरक्षक तक पहुँचने में 78 दिन लग गए ! कल्पना की जा सकती है कि विशाल देश के उन सुदूर इलाक़ों ,जहां मोबाइल और इंटरनेट की सुविधाएँ नहीं हैं ,की द्रौपदियों और निर्भयाओं के हाल क्या बनते होंगे ! कितने हाथरस, उन्नाव ,कठुआ और उत्तराखण्ड रात-दिन जन्म लेते होंगे ? कितनी लाशें पुलिसिया संरक्षण में आधी रात को जलाई जाती होंगी और उनके समाचार इंद्रप्रस्थ के भीष्म पितामहों के कानों तक कितने महीनों में पहुँचते होंगे ? मणिपुर के मुख्यमंत्री ने यह कहते हुए ज़रा भी शर्म नहीं महसूस की कि इस तरह की सैंकड़ों शिकायतें राज्य में दर्ज हुईं हैं और खबरों को फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएँ बंद कर दी गईं हैं।('दैनिक भास्कर ' की खबर है कि 3 मई से 28 जून के बीच 5960 एफ़आईआर मणिपुर में दर्ज हुई हैं और सौ नई प्रतिदिन हो रही हैं। एक-तिहाई शिकायतें केवल महिला उत्पीड़न से जुड़ी हैं।)

सांप्रदायिकता के बल पर सत्ता की राजनीति करने वाली हुकूमतें हिन्दी-भाषी राज्यों के हिंदू-मुसलिम संघर्षों और दिल्ली से ढाई हज़ार किलोमीटर दूर स्थित मणिपुर के मैतेई-कुकी तनाव के बीच कोई भेदभाव नहीं करतीं ! मणिपुर की त्रासदी ने भारत के ही एक अति-संवेदनशील भूभाग को भारत की ही आत्मा से और दूर कर दिया है। वहाँ के नागरिकों को महसूस ही नहीं होने दिया जाता है कि वे भी हमारे ही शरीर के अंग हैं। मणिपुर की सभी हुकूमतें प्रेस की आज़ादी पर हमले के मामले में भी कुख्यात हैं। हुकूमत चाहे किसी भी दल की हो। सभी एक जैसी हैं। कोई पंद्रह साल हुए होंगे । तत्कालीन सरकार द्वारा संपादकों की गिरफ़्तारी और मीडिया पर लगाये गए प्रतिबंधों की पड़ताल करने इम्फ़ाल पहुँचे एक स्वतंत्र जाँच दल के सदस्य के रूप में नागरिकों, दुकानदारों से चर्चा करने और तत्कालीन मुख्यमंत्री से मुलाक़ात का अवसर प्राप्त हुआ था। कांग्रेस के ओकरम इबोबी सिंह तब मुख्यमंत्री थे। भ्रष्टाचार के अनगिनत आरोपों से वे और उनकी सरकार घिरी हुई थी। मणिपुर प्रवास के दौरान जितने भी नागरिकों और दुकानदारों से तब बातचीत करने का मौक़ा मिला चर्चा की शुरुआत उनके द्वारा पूछे गए इसी एक सवाल से होती थी : 'इंडिया से आए हैं ? इंडिया में किस शहर से ?' सवाल किया जाना चाहिए कि नरेंद्र मोदी जिस इंडिया के प्रधानमंत्री हैं क्या उसमें मणिपुर शामिल नहीं है ? मणिपुर में इंटरनेट की सुविधाएँ बहाल हो जाने दीजिए ! प्रेस को आज़ाद हो जाने दीजिये ! फिर देखिए किस तरह की कितनी व्यथाएँ छप्पन इंच की छातियों को भेदती हुई वहाँ से फूटती हैं ! कौन किससे पूछेगा और कौन जवाब देगा कि तीन मई के बाद से जारी विध्वंस में जो सैंकड़ों लोग मारे गये वे कौन थे ? वे हज़ारों जिन्होंने जान बचाने के लिए पड़ौसी राज्य मिज़ोरम में शरण ली वे कौन हैं ? वे हज़ारों जिन्हें असम के सिलचर और मिज़ोरम से अब मणिपुर वापस लौटना पड़ रहा है वे कौन हैं ? तीन सौ से ज़्यादा चर्चों में आग किसने और क्यों लगाई ? सोशल मीडिया पर वायरल आँकड़ों पर यक़ीन करें तो इस समय प्रत्येक बत्तीस मणिपुरी नागरिक पर सेना का एक जवान तैनात है। स्थानीय पुलिस अलग से है। शांति फिर भी स्थापित नहीं हो पा रही है ! गुजरात से लगाकर मणिपुर तक सभी तरह के नागरिक उत्पीड़नों के प्रति सत्ता की अपाहिज संवेदनशीलता के पीछे सिर्फ़ दो ही कारण हो सकते हैं : पहला तो यह कि सत्ता के सर्व-शक्तिमान होने का यह संदेश नागरिकों को पहुँचाना कि उसके फ़ैसलों को कोई चुनौती नहीं दी जा सकती । दूसरा यह कि पिछले दो दशकों में देश को इतनी सांप्रदायिक हिंसा से रूबरू करा दिया गया है कि सत्ता ने सामान्य नागरिक की तरह से आहत और प्रताड़ित महसूस करना बंद कर दिया है ! मणिपुर की घटना ने देश की उन करोड़ों महिलाओं की आत्माओं पर प्रहार किया है जिनके समर्थन के बल पर मोदी 2014 में सत्ता में क़ाबिज़ हुए थे और आगे भी बने रहना चाहते हैं । मणिपुर की आग किसी दिन बुझेगी भी और आग में झोंके गए घरों, मंदिरों और चर्चों का पुनर्निर्माण भी होगा। जिन लोगों ने दूसरे राज्यों में शरण ले रखी है वे भी एक दिन वापस अपने ठिकानों पर लौटेंगे। एक चीज अगर वापस नहीं लौटी तो वह नागरिकों का दिल्ली की हुकूमत में उनका यक़ीन होगा। मणिपुर को उत्तर-पूर्वी इलाक़े का कश्मीर बनने से रोका जाना चाहिए !

http://shravangarg1717.blogspot.com

पडोसी राज्यों में भी चिंगारी

आखिरकाल वही हुआ जिसका डर था। मणिपुर में जातीय हिंसा की आग अब उसके पडोसी राज्यों तक तपने लगी है। पड़ोसी राज्य मिजोरम इसका सबसे पहला शिकार बन रहा है। वजह साफ है, मिजोरम के लोग महसूस कर रहे हैं कि मणिपुर में हिंसा मैतेई समुदाय की वजह से हो रही है। इसलिए शनिवार को मिजोरम के उग्रवादी ग्रुप ने फरमान जारी किया कि राज्य में रह रहे मैतई समुदाय के लोग तत्काल मणिपुर चले जाएं, अन्यथा जो होगा उसके जिम्मेदार वे खुद होंगे। जाहिर है इसके बाद पूरे राज्य में डर का माहौल पैदा हो गया है। बता दें कि मणिपुर में पिछले करीब तीन महीने जातीय हिंसा में सैकडों लोग मारे गए। इस हिंसा पर अभी तक रोक नहीं लग सका है। उल्टे मिजोरम में भी इसका असर दिखने लगा है। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके उनकी परेड कराए जाने से जुड़ा विडियो वायरल होने के बाद मिजोरम में भी तनाव बढ़ने लगा है। इसी संदर्भ में शनिवार को पूर्व उग्रवादियों के एक ग्रुप पामरा ने मिजोरम में रह रहे मणिपुर के मैतेई समुदाय को जल्द से जल्द मिजोरम छोड़ने का फरमान जारी कर दिया है। इसके बाद से ही जिसे जैसा भी बन पडा वह वहां से निकल भागने में ही भलाई समझने लगा है। कई लोग विमान से या सड़क मार्ग से निकलने लगे है। जाहिर है यह स्थिति बेहद खतरनाक बन रही है। इसमें दो राय नहीं कि मणिपुर में जो कुछ हुआ और हो रहा है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। हालांकि वहां हालात सुधारने की कोशिशें की जा रही हैं लेकिन उन कोशिशों को किस तरह कामयाब किया जाए, इसका उपाय ढूंढना जारी है। हालात पर नियंत्रण के बहुत कुछ करने की जरूरत महसूस की जा रही है। सबसे बड़ी बात यह कि इस संवेदनशील मुद्दे पर अभी तक संसद में कोई चर्चा तक नहीं हो पा रही है। केंद्र और विपक्ष को अविलंब आगे बढ़ कर इस गतिरोध को जल्द से जल्द दूर करने की जरूरत है ताकि मणिपुर की घटनाओं पर राजनीतिक आम सहमति बनती दिखे और वहां हालात संभालने के प्रयासों में तेजी लाई जा सके। इस मामले को लेकर इस बात की भी सावधानी रखी जाए कि मणिपुर की चिंगारी अन्य क्षेत्रों में न फैलने पाए। सुकून की बात है कि मिजोरम से अभी तक हिंसा की कोई सूचना नहीं है। पामरा की कथित धमकी को भी राज्य सरकार के गृह मंत्रालय ने तत्काल संज्ञान में लिया और पामरा ने भी स्पष्ट किया कि उनकी तरफ से दिया गया बयान सिर्फ एक सलाह भर था। इस संवेदनशील मुद्दे पर किसी भी जिम्मेदार संगठन से इस तरह की सलाह की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। देश के किसी भी कोने में कुछ अप्रिय हो रहा है तो उससे पूरे देश को दुख या तकलीफ होना स्वाभाविक है, लेकिन जो व्यक्ति उन अप्रिय घटनाओं के लिए दोषी हों, गुस्सा भी सिर्फ उन लोगों के खिलाफ होना चाहिए, सजा की मांग भी उन्हीं के लिए की जानी चाहिए। ऐसे हालात में भी अगर किसी एक पूरे समूह को उसके लिए दोषी माना या बताया जाने लगे तो यह भी सांप्रदायिक, जातिवादी या नस्लवादी सोच का ही नमूना है। अगर मणिपुर की घटनाओं से मिजोरम में तनाव दिख रहा है तो जिम्मेदार संगठनों को माहौल ठीक करने की कोशिश में जुटना चाहिए न कि नफरत फैलाने के। सबसे अच्छा उपाय तो यही है कि मणिपुर के लोगों को आश्वस्त किया जाए कि वे जहां भी हैं वहीं रहें, बिल्कुल भी न घबराएं, हम आपके साथ हैं। ऐसे में राज्य सरकारों को भी चाहिए कि माहौल में गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों से विशेष रूप से अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए कडी कार्रवाई भी की जाए।

मणिपुर कांड: अंतर्राष्ट्रीय छवि पर आघात !

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पिछले करीब तीन माह से जातीय हिंसा की आग जल रही थी लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो से अचानक एक ही दिन में मणिपुर के मामले को लेकर देश विदेश तक सनसनी फैल गई। इस वायरल विडियो ने पूरे विश्व का ध्यान मणिपुर पर ला दिया। शुक्रवार को इंग्लैंड की संसद में मामले पर तीखी प्रतिक्रिया की गई है। देर सवेर बाकी देशों में भी मामले को लेकर प्रतिक्रिया सामने आ सकती हैं। क्या विडियो वायरल के पीछे देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि को खराब करने की कोई साजिश भी काम कर रही है? इन दिनों देश के आंतरिक और बाहरी मोर्चे पर कुछ ताकतें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बढ़ते प्रभाव को येन-केन-प्रकारेण कुंद करने की जुगत में लगी हैं।

वास्तव में इस विडियो में प्रदर्शित वारदात ने पूरी मानवता को ही शर्मसार कर दिया, जब उसमें बहुत सारे लोगों की भीड़ दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाते दिखे। यही नहीं भीड़ में कुछ ऐसे भी निकृष्ट असामाजिक दंगाइ लोग थे जो उक्त महिलाओं से खुलेआम छेड़खानी करते हुए अश्लील हरकतें भी कर रहे थे। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया वैसे ही सबका सिर जहां शर्म से झुक गया, वहीं क्रोध से आंखों में खून भरे अश्रु उतर आए। मामले की संवेदनशीलता को समझा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट तक ने केंद्र और राज्य सरकार को सख्त लहजे में चेताया है कि इस पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो हम खुद ही संज्ञान लेंगे । ईधर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी आई। उधर मणिपुर पर चुप्पी साधने का आरोप झेल रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले पर चुप्पी तोड़ी और मुखर स्वर में इस वारदात को बेहद शर्मनाक बताया। मणिपुर पुलिस हालांकि इस मामले की प्राथमिकी दर्ज तो बहुत पहले ही कर ली गयी थी, लेकिन गिरफ्तारी अब विडियो वायरल होने के बाद की जा रही है एक कथित आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को ही गिरफ्तार कर लिया, बाकी तीन लोगों की गिरफ्तारी शुक्रवार को की गई है, जबकि यह घटना हिंसा शुरू होने के दूसरे दिन यानी चार मई की बताई जा रही है। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि हजारों लोगों की हथियारबंद भीड़ उनके गांव में घुस आई, आगजनी और जमकर हिंसा भी की। आरोप है कि पुलिस पीडित दोनों महिलाओं को अपनी गाड़ी में थाने ले जा रही थी। तभी भीड़ ने उन्हें घेर लिया और पुलिस उन्हें भीड़ के बीच गाड़ी से उतार कर चली गई। अफसोस तो तब हुआ जब इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि ऐसी कई घटनाएं यहां हो चुकी हैं। उन सबके बारे में जांच चल रही है। वास्तव में इस देश के अधिकांश राज्य कभी जातीय कभी सांप्रदायिक दंगे तो कभी इंदिरा गाँधी हत्याकांड के बाद मची दंगा फसाद व हिंसा को देख चुके हैं हर दंगे फसाद उन्माद के बाद ऐसी पाशविकता और क्रूरता भरी बर्बरता की घटनाएं किसी न किसी रूप में सामने आई हैं चाहे वह मेरठ का मलियाना गुजरात का बेकरी अथवा इंदिरा गांधी हत्याकांड के बाद त्रिलकपुरी दिल्ली में देखा गया। दीगर बात यह है कि जब हिंसक और उन्मादी असामाजिक तत्व हावी हो जाते हैं तब सरकारों और प्रशासन के भी हाथ पांव फूल जाते हैं और वह चाहते हुए भी कठोर कार्रवाई से किनारा करते हुए पहले आपस में भिड़ रहे समूहों के बीच शांति स्थापना की कोशिश में जुट जाते हैं यही रवैया दंगाइयों के हौसले बढ़ाने का काम कर्ता है।

क्यों जरूरी है बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देना

आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले ही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसआई) ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। इसके तहत अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय व मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगी। अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिंदी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। सीबीएसई ने अपने सभी संबंधित स्कूलों से कहा है कि जहाँ तक संभव हो सके यथाशीध्र तो पांचवीं कक्षा तक क्षेत्रीय भाषा में या फिर बच्चे की मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प उपलब्ध करायें । बेशक, यह एक युगांतकारी फैसला है। हरेक बच्चे के पास यह विकल्प होना ही चाहिए कि वह अपनी मातृभाषा में स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सके ।

हां, उसे विषय के रूप में कोई एक भाषा या एकाधिक भाषाएं पढ़ाई जा सकती हैं। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमशः अपनी मातृभाषाओं हिन्दी और मराठी में ही ली थी। ये दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे। इन दोनों से बड़ा ज्ञानी कौन होगा। यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमेन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ही ली थी। उन्होंने स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की डिग्री रीजनल इंजीनयरिंग कालेज (आरईसी), त्रिचि से हासिल। यह जानकारी अपने आप में महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल किया और करियर के शिखर को छुआ।बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा को पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं,जब आपने कम से कम पांचवीं तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। अंग्रेजी का विरोध नहीं है या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है। पर भारत को अपनी भाषाएं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था। क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती। हां, शिक्षा के नाम पर प्रमाणपत्र जरूर बांटे जा सकते हैं। याद रखे कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। अभी हमारे य़हां पर दुर्भाग्यवश स्कूली या क़ॉलेज शिक्षा का अर्थ नौकरी पाने से अधिक कुछ भी नहीं है। आजादी के बाद हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था वह सपना दस्तावेजों और सरकारी कार्यक्रमों मेंही दबकर रह गया था। हम सब जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी के माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने- देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नगालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी ही कर दिया है।

महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडू समेत कुछ और अन्य राज्यों में छात्रों को विकल्प दिए जा रहे हैं कि वे चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं। यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिशें हुईं। मुझे मेरे एक मित्र, जो राजधानी के मशहूर स्कूल के प्रधानाचार्य रहे हैं, बता रहे थे कि जब वे हरियाणा के करनाल जिले के एक ग्रामीण इलाके में पढ़ा रहे थे तो उन्हें एक नया अनुभव हुआ। वहां पर माता-पिता के साथ बच्चे खुशी-खुशी स्कूल में दाखिला लेने आते। वे नई किताबें और कॉपियाँ लेकर स्कूल आने लगते। लेकिन, स्कूल में कुछ दिन बिताने के बाद उनका स्कूल से मोहभंग होने लगता। वे कहने लगते कि उन्हें तो पढ़ना आता ही नहीं। वे धीरे-धीरे चुप रहने लगते कक्षा में। इसकी वजह यह थी कि उन्हें पढ़ाया जाता था अंग्रेजी में। उन्हें उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता तो शायद उनका स्कूल और पढ़ाई से मोहभंग न होता। इस स्थिति के कारण अनेक बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ भी देता है । विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक रूप से वांछनीय है I क्योंकि, विद्यालय आने पर बच्चे यदि अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो वे विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है। समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े अन्य जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है।

जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है। पर हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। कई अध्ययनों से साबित हो चुका है कि जो बच्चे अपनी मातृभाषा में प्राइमरी से पढ़ना चालू करते हैं उनके लिए शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएं अधिक प्रबल रहती हैं। यानी बच्चे जिस भाषा को घर में अपने अभिभावकों,भाई-बहनों, मित्रों के साथ बोलते हैं, उसमें पढ़ने में उन्हें अधिक सुविधा रहती है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। इसके चलते हर स्तर पर इसे बढ़ावा देने की मानसिकता नजर आती है। एक तरह से यह सोच घर कर गई है कि अंग्रेजी जाने बिना दुनिया अधूरी-अधकचरी है।

बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा अपनी आय का एक बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता। और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता का चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं।

क्या 2023 में पाक से आजाद होगा पीओके ?

अशोक भाटिया

इन दिनों पाकिस्तान के हालात बेहद खराब चल रहे हैं। अवाम भूख और गरीबी से जूझ रही है। इस बीच पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान से भी पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठने लगी है। पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान सरकार पर उनके साथ भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। यहां के नाराज लोग अब पीओके को भारत में मिलाने की मांग करने लगे हैं। शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए कश्मीरी उन्हें भारत के लद्दाख में एक बार फिर से मिलाने की बात कहनी शुरू कर दी है।

पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान में इन दिनों वहां के लोग पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते देखे जा रहे हैं। वहां के हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। पीओके के लोगों की मांग उन्हें भारत के लद्दाख क्षेत्र में मिला देने की है। इस मांग के तेज होते ही पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ी है। इस विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रैली में लोगों ने कारगिल सड़क को खोलने की मांग की। उन्होंने नारा लगाया कि 'आर पार जोड़ दो, कारगिल को खोल दो।'

स्पष्ट है कि अब पाक अधिकृत कश्मीर पाकिस्तान से टूटने वाला है और अब वहां बगावत भी शुरू हो गयी है जिसकी पुष्टि खुद पाकिस्तान की जनता बार-बार खुल कर मीडिया के सामने कर रही है और साथ ही साथ भारत की प्रगति के कसीदे भी पढ़ते नजर आते हैं। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार जोकि अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को नहीं संभाल पा रही है उसने Pok का भी बेड़ा गर्ग कर दिया है। जानकारी के अनुसार हाल ही में जब कुछ पाकिस्तानी अफसर Pok पहुंचे थे तो वहीं के लोगों ने उन्हें खदेड़ दिया।

गौरतलब है कि इन दिनों पाकिस्तान में घनघोर खाद्यान्न संकट है। पूरा देश आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। आटा के लिए लंबी कतारें और लोगों में संघर्ष देखा जा रहा है। इसको लेकर लोगों में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। वहीं पाक अधिकृत कश्मीर के लोग सेना के खिलाफ भी खुलकर बयान दे रहे हैं। हाल ही में तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान को चेताया गया है। तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान का चुनौती मिलने से वह परेशान दिखने लगा है। इस बीच पीओके में पाकिस्तान विरोध और भारत में शामिल किए जाने की आवास से पाकिस्तान सरकार और सेना की नींद उड़ने लगी है। लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश होने लगी है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर इन दिनों दुनिया भर की नजरें हैं। कुछ दिन पूर्व अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने यह कह कर बवाल खड़ा कर दिया है कि भारत चाहे तो जंग का ऐलान कर पीओके और बाकी इलाकों को अपने में मिला सकता है।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस समय एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। ऐसे में भारत चाहे तो उस पर चढ़ाई कर सकता है।

उधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने पहले ही कह दिया था कि हमें भारत से युद्ध नहीं करना चाहिए था। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि हमने भारत के साथ तीन युद्ध लड़े लेकिन बदले में हमें परेशानी, गरीबी और बेरोजगारी मिली। हमने अपना सबक सीख लिया है। हम शांति के साथ रहना चाहते हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान के पीएम ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत करने को कहा है।

जिसपर अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने कहा है कि पीएम शहबाज शरीफ ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत कहकर यू टर्न लिया है। खान ने कहा है कि पाकिस्तान हर मामले में कमजोर पड़ चुका है। हाल ये है कि कोई भी मुल्क पाकिस्तान पर हावी हो सकता है। भारत चाहे तो वो आसानी से कब्जा कर सकता है।इसके साथ ही मुक्तदर खान ने कहा है कि पाकिस्तान को सबसे पहले भारत का शुक्रिया अदा करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तक पाकिस्तान के नाजुक हालात का फायदा भारत नहीं उठा पा रहा है। पाकिस्तान को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के नेताओं को समझना होगा कि भारत के नेता अधिक सम्मानित हैं और उनके जैसे नहीं हैं।

मुक्तदर खान ने कहा कि पाकिस्तान मौजूदा समय में छह प्रकार के संकट का सामना कर रहा है। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक संकट, आर्थिक संकट, सुरक्षा का संकट, सिस्टम का संकट, पहचान का संकट और पर्यावरण संकट का हवाला दिया। इसके साथ ही हाल ही में वहां बिजली संकट खड़ा हो गया हैं । करीब दो दिन तक बिजली गुल रही थी । इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि अगर मुझे हजारों और लाखों बार भी ये पूछा जाए कि मैं भारत में एक मुस्लिम की तरह रहना चाहूंगा या फिर पाकिस्तान में एक हिंदू की तरह रहना चाहूंगा तो मेरा हर बार जवाब होगा कि मैं हर बार भारत में मुस्लिम बनकर रहना चाहूंगा।

गौरतलब है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) चर्चा में रहा है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य दिवस के मौके पर जम्मू कश्मीर में खड़े होकर पाकिस्तान को चुनौती दी थी।

बेसिरपैर नगर के चेले-चपाटे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बेसिरपैरनगर के राजा दरबार लगाए, अपने चेले-चपाटों और चमचों से आसपास की खबर लेने में व्यस्त थे। चिंदीचोर पहलवान, जिसे कई इलाकों की पुलिस ढूंढ़ रही है, बोला ''राजा, इलाके में गरम मुद्दों की भारी कमी होती जा रही है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में 'चेले-चपाटे' मुद्दे गरमाने को तरस जाएंगे। फिर वह दिन दूर नहीं जब हमारा इलाका फिसड्डी इलाके के नाम से बदनाम हो जाएगा और हम हाथ पर हाथ धरे रह जायेंगे। धीरे-धीरे हमारा डर खत्म हो जाएगा। इसी का लाभ उठाते हुए हमारे दुश्मन एकजुट होते जा रहे हैं। दूसरे इलाके हमारे चेले-चपाटों को घुसने नहीं दे रहे हैं। इसलिए वहाँ अपने सरकारी गुंडों को भेजना पड़ रहा है। इसका थोड़ा-बहुत फायदा तो उठा रहे हैं, लेकिन जितना हम गुंडई करके उठा सकते हैं, उतना उठा नहीं पा रहे हैं। ऊपर से वहाँ के हुक्मरान हमसे बड़े कमीने हैं। थूका चाटने को तैयार रहते है। इसलिए वहाँ ज्यादा कुछ कर नहीं पाते हैं। इसलिए हमें गरम मुद्दों को बनाए रखने के लिए हमेशा हरकत में रहना चाहिए। एक बार के लिए डर खत्म हो जाएगा तो हमें कोई पूछने वाला नहीं रह जाएगा।'' राजा अपनी बेशकीमती बेअर्ड ड्रेसर से सेट करवाई हुई दाढ़ी पर हाथ फेरते हुए बोले-''बात तो तुम्हारी एकदम सही है। तो ऐसा करो कि मीडिया के बीच एक अभियान चलवा दो-'राजा दुखी हैं'। ठीक है ? ... आदेश होगा कि मीडिया वाले पता लगाएँ कि राजा क्यों दुखी है।''राजा के चमचे ने बीच में टोकते हुए कहा-''महाराज आप भूल रहे हैं कि आपका काम दुखी होना नहीं दुख पहुँचाना है। अपने स्वभाव के विपरीत काम करेंगे तो बड़ी गड़बजड़ हो जाएगी। मीडिया आपका अब तक छप्पन इंची, कांख में मगरमच्छ धारी, बहादुर, साहसी, तीस मार खाँ जैसी न जाने कितनी अनगिनत उपाधियों से गुणगान करती नहीं थकती, उन्हें स्वभाव के विपरीत काम करने के लिए कहेंगे तो दुश्मन के हाथों बटेर लग जाएगा।'' चिंदीचोर पहलवान गुस्साते हुए- ''राजा ने क्या गलत कहा!? ... हमेशा टोकने का काम करते हो! राजा जब भी कुछ अच्छा सोचते हैं तो बीच में कूद पड़ते हो टांग अड़ाने के लिए .... ''''चिंदीचोर जी ...., आप गुस्सा न करें। आप हमारे राजा जी के बहुत खासमखास हैं, हम सब तो आपकी हाँ में हाँ मिलाने वाले छोटे-मोटे चमचे हैं। हां भई चमचे , ... तुम्हें क्या तकलीफ है ... बताओ इनको। '' राजा ने बीच में टोकते हुए कहा। ''मेरा मानना है कि यदि हमारे इलाके में कहीं लड़की का बलात्कार होता है या फिर नंगी घुमाई जाती है, तो तुरंत दुश्मन इलाकों की लड़कियों के मामले पर्दे पर लाने चाहिए। कहीं रिश्वत, महंगाई, बेरोजगारी की बात उठती है तब भी सेम टू सेम फॉर्मूला चिपकाना चाहिए। तब देखिए कैसे ईंट का जवाब ईंट से मिलेगा।''

हनुमान जी के इन मंदिरों के दर्शन करके भूल जाएंगे आप सब कुछ

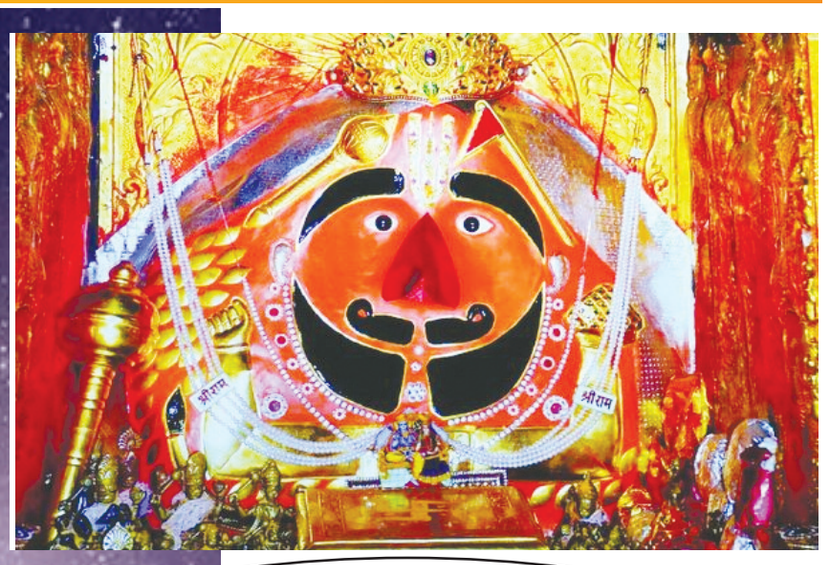

श्री हनुमान मंदिर, नई दिल्लीः-
भारत की राजधानी, नई दिल्ली के केंद्र में स्थित, श्री हनुमान मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक है। मंदिर का इतिहास कई शताब्दियों पुराना है, जो इसे शहर का एक महत्वपूर्ण स्थल बनाता है। भक्त हनुमान जी का आशीर्वाद लेने और शक्ति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने के लिए यहां आते हैं।

भारत, विविध संस्कृतियों और धर्मों का देश, विभिन्न देवताओं को समर्पित कई मंदिरों का घर है। इनमें से भगवान हनुमान लाखों भक्तों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं। हनुमान जी की अटूट भक्ति, शक्ति के लिए पूजनीय हैं। आज आपको बताएंगे भारत में हनुमान जी के दस सबसे लोकप्रिय मंदिरों के बारे में....

सालासर बालाजी मंदिर, राजस्थानः-
राजस्थान के विचित्र शहर सालासर में स्थित, सालासर बालाजी मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित एक और प्रमुख मंदिर है। मंदिर परिसर में चमत्कारिक रूप से प्रकट हुई हनुमान जी की एक मूर्ति के कारण मंदिर को काफी लोकप्रियता मिली। भक्त यहां साहस और सुरक्षा के लिए हनुमान जी का आशीर्वाद लेने आते हैं।

संकट मोचन हनुमान मंदिर, वाराणसीः-
पवित्र गंगा नदी के तट पर स्थित, वाराणसी में संकट मोचन हनुमान मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना प्रसिद्ध संत तुलसीदास ने की थी, जिन्हें इसी स्थान पर भगवान हनुमान के दर्शन हुए थे। मंदिर का शांतिपूर्ण माहौल और दिव्य आभा दूर-दूर से पर्यटकों को आकर्षित करती है।

हम्पी हनुमान मंदिर, कर्नाटकः-
कर्नाटक के ऐतिहासिक रूप से समृद्ध शहर हम्पी में स्थित, हम्पी हनुमान मंदिर को भगवान हनुमान का जन्मस्थान माना जाता है। यह मंदिर अंजनाद्री पहाड़ी पर स्थित है, जो लुभावने परिदृश्यों से घिरा हुआ है। आध्यात्मिक ऊर्जा और शांत वातावरण इसे भक्तों और पर्यटकों के लिए अवश्य देखने लायक बनाता है।

खजुराहो हनुमान मंदिर, मध्य प्रदेशः-
अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला और प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध, खजुराहो एक उल्लेखनीय हनुमान मंदिर का भी घर है। मंदिर में जटिल नक्काशी और विभिन्न मुद्राओं में भगवान हनुमान की मूर्तियाँ हैं, जो आगंतुकों को इसकी सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व से आश्चर्यचकित करती हैं।

जाखू मंदिर, शिमलाः-
हिमाचल प्रदेश के शिमला में जाखू पहाड़ी के ऊपर स्थित, जाखू मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है। मंदिर घने जंगलों से घिरा हुआ है, और ऐसा माना जाता है कि जिस पहाड़ी पर मंदिर खड़ा है, वही स्थान है जहां हनुमान ने महाकाव्य रामायण के दौरान संजीवनी बूटी एकत्र की थी। यह मंदिर नीचे शहर का आश्चर्यजनक मनोरम दृश्य प्रदान करता है और तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है।

नमक्कल अंजनेयार मंदिर, तमिलनाडुः-
तमिलनाडु के नमक्कल जिले में स्थित नमक्कल अंजनेयार मंदिर, 18 फीट की प्रभावशाली ऊंचाई पर खड़ी अपनी विशाल हनुमान प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की अनूठी वास्तुकला और जटिल नक्काशी देश भर से आगंतुकों को आकर्षित करती है जो शक्ति और साहस के लिए भगवान हनुमान का आशीर्वाद मांगते हैं।

महावीर मंदिर, पटनाः-
बिहार के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक, पटना के महावीर मंदिर में भगवान हनुमान की प्रतिष्ठित मूर्ति है। प्राचीन काल से चले आ रहे समृद्ध इतिहास वाला यह मंदिर साल भर भारी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। मंगलवार और शनिवार को विशेष रूप से भक्तों की बड़ी संख्या देखी जाती है, जो प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने आते हैं।

हनुमान गढ़ी मंदिर, अयोध्याः-
उत्तर प्रदेश का पवित्र शहर अयोध्या एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर का घर है। ऐसा कहा जाता है कि यह मंदिर वह स्थान है जहां भगवान हनुमान अयोध्या की रक्षा करते थे और इसलिए भक्तों के लिए इसका अत्यधिक महत्व है। मंदिर परिसर से शहर का मनमोहक दृश्य इसके आकर्षण को और बढ़ा देता है।

नंगनल्लूर अंजनेयार मंदिर, चेन्नईः-
चेन्नई के नंगनल्लूर में स्थित, भगवान हनुमान को समर्पित यह आधुनिक मंदिर भारत के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। इसमें हनुमान जी की 32 फीट ऊंची भव्य मूर्ति है। मंदिर का शांत माहौल और आध्यात्मिक वातावरण इसे सांत्वना और आशीर्वाद चाहने वाले भक्तों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनाता है।

भारत में भगवान हनुमान के मंदिर भक्तों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं, क्योंकि वे प्रार्थना, ध्यान और आशीर्वाद पाने के लिए अभयारण्य प्रदान करते हैं। प्रत्येक मंदिर का अपना अनूठा इतिहास और महत्व है, जो विविध पृष्ठभूमि के भक्तों को आकर्षित करता है। ये दस लोकप्रिय हनुमान मंदिर भगवान हनुमान के प्रति भारत के लोगों की अटूट भक्ति और श्रद्धा का उदाहरण देते हैं। इन मंदिरों के दर्शन से न केवल किसी की आध्यात्मिक यात्रा समृद्ध होती है बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का अवसर भी मिलता है।

साउथ एक्टर सूर्या के दो फैंस की दुखद मौत : जन्मदिन पर एक्टर का पोस्टर लगाने खंभे पर चढ़े थे; करंट लगा

साउथ के फेमस एक्टर सूर्या 23 जुलाई को अपना जन्मदिन मना रहे थे। इसी बीच उनका पोस्टर लगाने के लिए खंभे पर चढ़े दो फैंस की दुखद मौत हो गई। दोनों को बिजली का एक जोरदार झटका लगा जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई। ये घटना आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले की है। दोनो फैंस कॉलेज में पढ़ने वाले थे। वे दोनों सूर्या का बैनर लगाने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक लोहे की छड़ बिजली के तार के संपर्क में आ गई। दोनों युवक करंट की चपेट में आ गए। पुलिस ने दोनों की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

एक्टर के कई फैन क्लब ने रविवार को सूर्या का जन्मदिन जगह-जगह पोस्टर बैनर लगाकर सेलिब्रेट किया।

दोनों कुछ समझ पाते तभी करंट लगने से ऑन द स्पॉट मौत हो गई

पालनाडु जिले के मोपुलावरिपलेम गांव में पोलुरी साई और नक्का वेंकटेश नाम के दो शख्स सूर्या का जन्मदिन वाला फ्लैक्स लगाने के लिए खंभे पर चढ़े। फ्लैक्स में एक लोहे की रॉड लगी हुई थी। वहीं रॉड ओवरहेड बिजली के तार के संपर्क में आ गया। वो दोनों कुछ समझ पाते तभी जोर से करंट लगा और दोनों की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। मरने वाले दोनों युवक नरसरावपेट के एक प्राइवेट डिग्री कॉलेज में सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहे थे

सूर्या के जन्मदिन के अवसर पर कई जगह पर उनके फैंस ने बाइक रैली निकाली।

मृतक की बहन बोली- भाई की मौत के लिए कॉलेज प्रशासन जिम्मेदार

मरने वाले युवक पोलुरी साई की बहन अनन्या ने कॉलेज प्रशासन को अपने भाई की मौत का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा- हम कॉलेज के लिए काफी फीस भरते हैं।

कॉलेज जॉइन करने के पहले वे हमें आश्वस्त करते हैं कि स्टूडेंट सुरक्षित रहेंगे और उनकी मॉनिटरिंग भी की जाएगी। लेकिन कॉलेज हॉस्टल में स्टूडेंट्स की न तो मॉनिटरिंग होती है और न ही उनकी सुरक्षा के लिए कोई कदम उठाए जाते हैं। हम लोग मजदूर हैं, कॉलेज की फीस भरने और भाई के बेहतर भविष्य के लिए एक-एक रुपए जुटाते थे। अब उसके साथ भयावह घटना घट गई।

जन्मदिन पर सूर्या की अपकमिंग फिल्म की पहली झलक देखने को मिली

कल सूर्या 48 साल के हो गए। जन्मदिन पर उनकी अपकमिंग फिल्म कांगुवा की पहली झलक रिवील की गई। इसमें सूर्या वॉरियर के रोल में नजर आ रहे हैं। इसे देखने के बाद कहा जा सकता है कि फिल्म में पहले नेवरसीन एक्शन सीन्स की भरमार होगी।

फिल्म 2024 में रिलीज होगी।

मेकर्स ने जो पहली झलक शेयर की है उसमें विजुअल्स, म्यूजिक और सूर्या की करिश्माई स्क्रीन प्रेसेंस देखने को मिली है। फिल्म में सूर्या के अलावा दिशा पाटनी लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म 3D फॉर्मेट में 10 भाषाओं में रिलीज होगी।

इब्राहिम अली बोले- मीडियावाले मेरे मुंह में घुस गए हैं

पलक के साथ हुए थे स्पॉट, पैपराजी को नहीं दिया कोई जवाब

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान हाल ही में पलक तिवारी के साथ मुंबई के जुहू पीवीआर से निकलते हुए स्पॉट हुए। दोनों ने बार्बी फिल्म भी देखी। इस दौरान इब्राहिम अली खान किसी से फोन पर बात कर रहे थे। उन्होंने फोन पर पैपराजी को लेकर कुछ कमेंट भी किए। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। इस दौरान उनके हाथ में पलक का जैकेट भी था।

इब्राहिम बोले- मीडिया मेरे मुंह में घुस गया है

वीडियो में इब्राहिम कह रहे हैं- आ जाओ, आ जाओ, मीडिया भी है यहां पे जो मेरे मुंह में घुस गए हैं। एकदम मुंह में घुस गए हैं। हां चलो..

इतना कहने के बाद पैपराजी इब्राहिम से पूछते हैं कि आप कैसे हैं ? इब्राहिम इस बात का कोई जवाब नहीं देते हैं। थोड़ी देर बाद वो कहते हैं- थैंक यू, थैंक यू..

पैपराजी ने पूछा कैसे हो, इब्राहिम ने नहीं दिया जवाब

नहीं दिया। इब्राहिम को ये भी पसंद नहीं आया कि पैपराजी बार-बार उनका नाम ले रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा- हां यहीं हूं भाई! उन्होंने लिफ्ट का वेट करते हुए भी पैपराजी को कहा- आप लोग जाओ, लिफ्ट तो चली गई अब क्या आप लोग यहीं खड़े रहोगे ?

यूजर्स बोले- फिल्म रिलीज होगी तो खुद मीडिया के पास आएंगे

इस वजह से अब सोशल मीडिया पर इब्राहिम अली को ट्रोल किया जा रहा है। वीडियो पर एक यूजर ने लिखा- घमंडी नेपो किड! जब आपकी फिल्म रिलीज होगी तब आप मीडिया में आने के लिए कोई भी ड्रामा करने को तैयार हो जाएंगे। वहीं एक यूजर ने लिखा- ये ऐटिट्यूड तो ऐसे दिखा रहे हैं जैसे इनके पास बहुत पैसे हैं। अगर इनके पेरेंट्स स्टार नहीं होते, तो इनकी क्या पहचान होती ? वहीं, एक यूजर ने इब्राहिम की तुलना उनकी बहन सारा से भी की। थिएटर से बाहर निकलते वक्त इब्राहिम और पलक एक-दूसरे

इब्राहिम ने पैपराजी को रास्ते से हटने और चलने के लिए जगह देने के लिए भी कहा। पैपराजी ने दोबारा पूछा कि आप कैसे हैं इब्राहिम लेकिन इस बार भी उन्होंने की जवाब के साथ नहीं दिखे। उन्होंने मीडिया की नजरों से जैकेट छुपाने की भी कोशिश की। इससे पहले भी कई बात इब्राहिम अली और पलक तिवारी को साथ में स्पॉट किया जा चुका है।

'ओपेनहाइमर' के इंटीमेट सीन में भगवत गीता वाले सीन पर भड़के अनुराग ठाकुर, बोले- ये सीन कैसे पास हुआ?

शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'ओपेनहाइमर' भारत में बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। क्रिस्टोफर नोलन के डायरेक्शन में बनी फिल्म ने वीकेंड पर भारत में 50 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है। हालांकि, अब यह फिल्म विवादों में भी फंसती नजर आ रही है।

दरअसल, फिल्म में एक इंटीमेट सीन फिल्माया गया है, इस सीन के दौरान एक्टर और एक्ट्रेस संस्कृत का श्लोक पढ़ते समय संबध बनाते हुए नजर आ रहे है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का दावा है कि यह पंक्तियां भगवत गीता से हैं। हालांकि, फिल्म में गीता की बात नहीं की गई है। इस सीन को देखने के बाद लोग फिल्म से इस सीन को हटाने की मांग कर रहे हैं।

वहीं अब केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस फिल्म में 'आपत्तिजनक' दृश्यों को लेकर सेंसर बोर्ड से नाराजगी जाहिर करते हुए नए निर्देश दिए हैं। 'एनडीटीवी' ने सूत्रों ने हवाले से खबर दी है कि अनुराग ठाकुर ने सवाल किया है कि सीन पास कैसे हुआ। साथ ही उन्होंने विवादित सीन को डिलीट करने को भी कहा है।

अनुराग ठाकुर ने की इंटीमेट सीन वाला हिस्सा हटाने की मांग

सूत्रों के हवाले से खबर दी गई है कि अनुराग ठाकुर ने फिल्म के इस सीन को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि आखरि 'ओपेनहाइमर' के इस सीन को फिल्टर क्यों नहीं किया गया? यही नहीं उन्होंने इस सीन पर तत्काल एक्शन लेते हुए इसे फिल्म से हटाने के लिए कहा है। रिपोर्ट के अनुसार सीबीएफसी के कुछ अधिकारियों के खिलाफ इस मामले में कार्रवाई हो सकती है।

सोशल मीडिया पर छिड़ा विवाद

वहीं सोशल मीडिया पर भी फिल्म के इस सीन को लेकर काफी विवाद देखने को मिल रहा है। लोग फिल्म को बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं। वहीं इस सीन को लेकर भारत के सूचना आयुक्त उदय माहुरकर ने नोलन को एक खुला पत्र लिखा है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए फिल्म से दृश्य को हटाने की अपील की है। सेव कल्चर सेव इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक माहुरकर ने लिखा कि "हम अरबों हिंदुओं और पूज्य गीता द्वारा जीवन बदलने की शाश्वत परंपरा की ओर से आग्रह करते हैं कि वे इस पूज्य पुस्तक की गरिमा बनाए रखने और दुनियाभर में अपनी फिल्म से इस दृश्य को हटाने के लिए हर संभव प्रयास करें। यदि आप इस अपील को नजरअंदाज करना चुनते हैं तो इसे भारतीय सभ्यता पर जानबूझकर किया गया हमला माना जाएगा।"

सारा ने ऑफिस स्पेस के लिए खरीदा अपार्टमेंट : यूजर्स बोले- स्ट्रीट शॉपिंग से पैसे बचाकर किया इंवेस्टमेंट

सारा अली खान ने हाल ही में मुंबई में लोटस डेवलपर्स ग्रुप की लोटस सिग्नेचर बिल्डिंग में नया ऑफिस स्पेस खरीदा है। आनंद पंडित लोटस ग्रुप के ओनर हैं। रियल एस्टेट वेबसाइट 99acres के मुताबिक लोटस सिग्नेचर बिल्डिंग में एक अपार्टमेंट की कीमत 1.01 करोड़ से लेकर 1.46 करोड़ के बीच हो सकती है। इस कीमत में रजिस्ट्री चार्ज शामिल नहीं है।

ये बिल्डिंग फिलहाल अंडर कंस्ट्रक्शन है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिसंबर 2025 तक बिल्डिंग को लोगों को हैंड ओवर कर देंगे। सोशल मीडिया पर इस खबर पर सारा के फैंस उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं। पैपराजी विरल भयानी की पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा- बहुत बधाई हो आपको सारा! आप इसी तरह खूब तरक्की करते रहें।

यूजर ने कहा- इंटरनेशनल रोमिंग न लेकर पैसे बचाए, यहां खर्च किए

एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा कि इंटरनेशनल रोमिंग पैक का रिचार्ज रोककर बचाए पैसों से आप इस बिल्डिंग में अपार्टमेंट खरीद सकते हैं। दरअसल, पिछले दिनों सारा का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में सारा बता रही हैं कि जब वो अबू धाबी में IIFA अवॉर्ड सेरेमनी अटेंड करने गई थीं तब उन्होंने इंटरनेशनल रोमिंग रिचार्ज नहीं कराया क्योंकि इसकी कीमत 400 रुपए थी।

सारा ने ये भी बताया कि उन्होंने हेयरड्रेसर के मोबाइल से अपने फोन पर इंटरनेट कनेक्ट करके यूज किया था।

यूजर्स बोले- स्ट्रीट शॉपिंग कर पैसे बचाए, अब अपार्टमेंट खरीद लिया

वहीं, एक यूजर ने लिखा- स्ट्रीट शॉपिंग कर आपने इतने पैसे बचा लिए कि यहां अपार्टमेंट लेकर इंवेस्ट किया। बीते दिनों मुंबई के बांद्रा में सारा को स्ट्रीट शॉपिंग करते हुए स्पॉट किया गया था। इस दौरान वो अपनी दोस्त के साथ बांद्रा की सड़कों पर आम लोगों की तरह स्ट्रीट मार्केट से सामान खरीद रही थीं। इससे पहले हैदराबाद में भी सारा को अपनी मां के साथ स्ट्रीट शॉपिंग करते हुए देखा जा चुका है।

कभी दूसरी मैरिज पर बोली थीं रेखा, 'मैं किसी औरत से क्यों नहीं कर सकती शादी?'

बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों उनकी खबर ने बवाल मचा दिया कि वो अपनी फीमेल सेक्रेटरी के साथ लिवइन रिलेशनशिप में रहती हैं। यासीर उस्मान द्वारा लिखी गई एक्ट्रेस की बायोग्राफी का हवाला देते हुए इस बात का जिक्र किया गया था। इसी बीच अब रेखा का एक पुराना स्टेटमेंट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बेबाकी के साथ अपनी दूसरी शादी पर राय रखी थी। वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ में तो सफल हैं मगर पर्सनल लाइफ में असफल। उन्होंने अपनी जिंदगी में प्यार किया और शादी भी की, लेकिन जीवन भर प्यार के लिए तरसी हैं।

रेखा की पर्सनल लाइफ काफी मुश्किल भरी रही है। साल 1990 में एक्ट्रेस ने दिल्ली के एक बिजनेसमैन मुकेश अग्रवाल से शा की थी, लेकिन उसी साल उन्होंने सुसाइड कर लिया था। इसके बाद जब वो सिमी ग्रेवाल के शो में पहुंची थीं, उनसे इस दौरान उनकी दूसरी शादी को लेकर सवाल किया गया था। इस सवाल का जवाब एक्ट्रेस ने बेबाकी के साथ दिया था। एक्ट्रेस के जवाब ने हर किसी को हैरान कर दिया था। रेखा ने कहा था कि 'आपका मतलब किसी आदमी से है?' इस पर सिमी ने कहा था कि 'ठीक है जाहिर तौर पर महिला नहीं।'

वहीं, इस पर रेखा दोबारा जवाब देती हैं कि 'क्यों नहीं?' इसके बाद एक्ट्रेस आगे कहती हैं कि 'उनके दिमाग में, उन्होंने खुद से, अपने प्रोफेशन से और अपने लव्ड वंस से शादी कर ली है।' साथ ही एक्ट्रेस आगे कहती हैं कि 'वो कोई सनकी इंसान नहीं हैं।' इस दौरान सिमी को कहते हुए देखा गया था कि 'एक पुरुष ही महिला को सुरक्षा दे सकता है।' तो उनकी बात को काटते हुए रेखा ने जवाब दिया था कि 'इसका पुरुष से कोई लेना-देना नहीं है। सब इस पर निर्भर करता है कि वो कैसी इंसान हैं।'

अमिताभ बच्चन से कबूली थी प्यार की बात

इसके साथ ही इस इंटरव्यू के दौरान रेखा ने सिमी ने पूछा था कि 'उन्हें अमिताभ बच्चन से प्यार है?' इसका जवाब भी एक्ट्रेस ने बेझिझक दिया है और कहा कि 'बिल्कुल है।' एक्ट्रेस ने इसे मूर्खतापूर्ण सवाल भी कहा था। उन्होंने आगे कहा था कि 'उन्हें आजतक कोई ऐसा बच्चा, बूढ़ा, औरत, आदमी और जवान नहीं मिला जो उनसे दीवानों की तरह प्यार ना करता हो। तो वो कैसे बच सकती हैं।'

'रॉकी और रानी' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

रणबीर सिंह आलिया भट्ट स्टारर फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का क्रेज फैंस के बीच बरकरार है. करण जौहर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में आलिया और रणबीर की जोड़ी हिट हो रही है. वहीं रिलीज पहले फिल्म की पूरी टीम इसके प्रमोशन में जोर शोर से लगी हुई है. फिल्म के गाने और ट्रेलर रिलीज होने के बाद सेंसर बोर्ड भी एक्टिव हो गई है. फिल्म में कुछ बदलाव के साथ कुछ सीन्स पर कैंची चला दी. हालांकि इस बीच में फिल्म के मेकर्स के लिए अच्छी खबर ये है कि फिल्म ने अपनी बजट का आधा हिस्सा पहले ही कमा लिया है. ऐसे में आइए जानते हैं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से कैसे सीन्स में क्या बदलाव होंगे और अबतक फिल्म कितना कमाई कर चुकी है.

फिल्म में होंगे ये बदलाव

एक रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर और फिल्म मेकर को सेंसर बोर्ड ने लोक सभा के रेफरेंस वाला एक सीन हटाने की मांग की है. साथ ही फिल्म के वो डायलॉग हटाने का आदेश दिया है, जिसमें बंगाल सीएम ममता बनर्जी का नाम लिया गया है. सेंसर बोर्ड ने फिल्म मेकर्स को बताया है कि फिल्म में कई बार गालियों का इस्तेमाल किया गया है. इसलिए गालियों वाली डायलॉग हटाने का आदेश देते हुए सभी जरूरी बदलाव कर दिए हैं. जिसके बाद मेकर्स ने सेंसर बोर्ड का मान रखते हुए इस डायलॉग्स को रेप्लस कर दिया है.

रिलीज से पहले कर ली इतनी कमाई

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के कमाई

की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म को बनाने में 160 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो इसके प्रिंट एंड पब्लिसिटी में 18 करोड़ खर्च हुए हैं. इस फिल्म की टोटल बजट 178 करोड़ रुपये हैं जो मार्केट में बड़ा बजट है. वहीं रिलीज होने से पहले ही फिल्म ने अपना फायदा कमा ली है. फिल्म सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स से 160 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी हैं. इसके साथ ही काउंटर टिकट से 45 से 48 करोड़ का कलेक्शन होते ही फिल्म ब्रेक इन पॉइंट पर पहुंच जाएगी. फिल्म को लेकर ऐसे रिस्पांस मिलने के बाद देखा जाए तो मेकर्स को नुकसान पहुंचने का खतरा टल गया है .अब आगे फिल्म जितना पैसा कमाएगी, उसे प्रॉफिट में काउंट किया जाएगा.

रामायण की 'सीता' ने किए रामलला के दर्शन

कहा-'मोदी जी ने सनातनियों के लिए बहुत किया है'

रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाकर मशहूर हुईं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने हाल ही में अयोध्या पहुंचीं राम लला के दर्शन करने के लिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया और कहा कि उन्होंने सत्ता में आने के बाद से सनातनियों के लिए बहुत कुछ किया है।

आपको बता दें कि दीपिका चिखलिया भगवान राम की मूर्ति देखकर हैरान हो गई थीं। दीपिका चिखलिया ने कहा कि राम लला के चेहरे पर जो दिव्य प्रकाश उन्होंने देखा वह उनकी कल्पना मात्र थी।

दीपिका ने की पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ

हाल ही में अयोध्या में रामलला के दर्शन के बारे में खुलकर बात की। मीडिया से खास बातचीत में उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद उन्होंने सनातनियों के लिए बहुत कुछ किया है और यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन अब भी देर आए दुरुस्त आए। हालांकि, वह स्थान जो भगवान का क्षेत्र है और तीर्थ स्थल है, उसे महत्व दिया जाना चाहिए।'

भगवन राम के भव्य दर्शन पर बोली दीपिका

भगवान राम के दर्शन के बाद अपना अनुभव शेयर करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा- ये मेरी कल्पना से परे है कि मैंने भगवान राम के चेहरे पर इतना दिव्य प्रकाश देखा है। ये मेरी समझ से परे है, मैंने ऐसा कहीं नहीं देखा है और कल जब मैंने उसे देखा तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। मुझे पता था कि ये भगवान राम का जन्म स्थान है, इसलिए राम जी यहां मौजूद हैं। भव्य मंदिर के निर्माण के बाद मैं फिर भगवान राम का आशीर्वाद लेने आऊंगी। भगवान रामलला उनके दर्शन करने वाले भक्तों के दुख दूर करें।

दीपिका का वर्कफ्रंट

दीपिका चिखलिया को रामायण के साथ साथ को राज किरण के साथ उनकी पहली फिल्म 'सुन मेरी लैला' और 'रुपये दस करोड़', 'घर का चिराग' और 'खुदाई' के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने विक्रम और बेताल शो में भी काम किया था। दीपिका इन दिनों धरतीपुत्र नंदिनी सीरियल की शूटिंग में बिजी हैं।

हिंदी सिनेमा में बना कार्तिक आर्यन का जबर्दस्त रोल परदेसी फिल्म फेस्टिवल ने शुरू किया नया अवॉर्ड

खुद को भारतीय सिनेमा का राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार कहलाने की अभिनेता कार्तिक आर्यन की ख्वाहिश आखिरकार पूरी होने जा रही है। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के शहर मेलबर्न में होने जा रहे भारतीय फिल्म महोत्सव में ये पुरस्कार उन्हें दिए जाने का एलान सोमवार को कर दिया गया। दिलचस्प बात ये है कि अब से पहले ये पुरस्कार किसी दूसरे कलाकार को इस फिल्म समारोह के आयोजकों ने कभी नहीं दिया है। इस बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि पुरस्कार की ये श्रेणी खास इसी साल शुरू हो रही है, कार्यिक आर्यन के लिए। कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा की खान सितारों के बाद आई ऋतिक रोशन के दौर की पीढ़ी के बाद की पीढ़ी के पहले सितारे हैं, जिनके आगे पीछे हिंदी सिनेमा नाच रहा है। 'अलु वैकुंठपुरमुलू' की हिंदी रीमेक 'शहजादा' के समय कार्तिक ने अपना रौला पहली बार दिखाया था। 'भूल भुलैया 2' सुपरहिट हो चुकी थी और इसका फायदा उठाने के लिए फिल्म 'अलु वैकुंठपुरमलू' के हिंदी डबिंग अधिकार रखने वाले एक निर्माता ने इस फिल्म का डब वर्जन रिलीज करने का एलान कर दिया। तब कार्तिक आर्यन ने साफ कह दिया था कि अगर फिल्म का हिंदी डब वर्जन रिलीज हुआ तो वह फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग नहीं करेंगे। इसके बाद वही हुआ

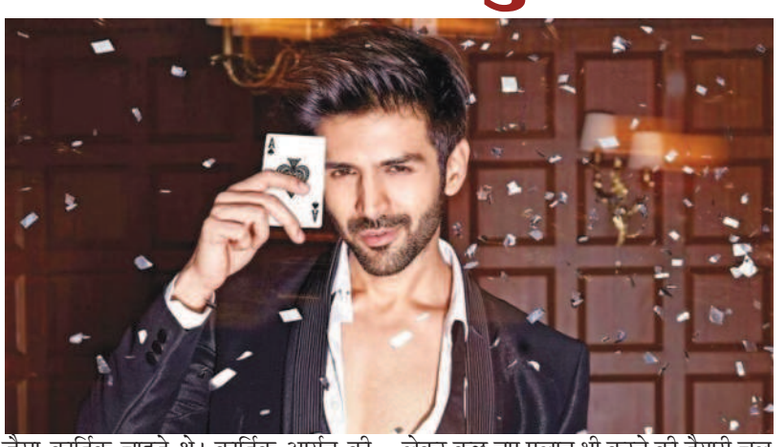

जैसा कार्तिक चाहते थे। कार्तिक आर्यन की हालिया रिलीज फिल्म 'सत्य प्रेम की कथा' ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कारोबार किया है। कार्तिक के नजदीकी सूत्र बताते हैं कि वह अब अपनी आने वाली फिल्मों की कहानियों को लेकर भी चौकन्ना हो गए हैं। बहुत संभव है कि उनके अब तक घोषित कई प्रोजेक्ट्स अब शूटिंग की स्थिति तक ही न पहुंचे। बताते हैं कि कार्तिक को भी अब समझ आने लगा है कि ग्लोबल सिनेमा को फॉलो कर रहे युवाओं को हिंदी सिनेमा दिखाने के लिए सिनेमाघरों तक खींचकर लाने के लिए उन्हें अपनी छवि और अपनी फिल्में दोनों बदलनी होंगी। इसे लेकर कुछ नए एलान भी करने की तैयारी चल रही है।

अपनी ग्लोबल इमेज बनाने की दिशा में कार्तिक का पहला बड़ा कदम है मेलबर्न में होने वाले भारतीय फिल्म समारोह में मौजूदगी। समारोह के आयोजक बताते हैं कि कार्तिक को 11 अगस्त को राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा का पुरस्कार दिया जाएगा। ऐसे किसी पुरस्कार का नाम इससे 0पहले तब चर्चा में आया था जब कार्तिक को दिल्ली के एक पुरस्कार समारोह में शामिल होना था लेकिन अंतिम समय पर कार्तिक की तरफ से आई मंजूरी ने मामला जमने नहीं दिया।

मेलबर्न के पुरस्कार समारोह में कार्तिक आर्यन और पूर्व पत्रकार राजीव मसंद के बीच में एक परिचर्चा सत्र भी आयोजित किया गया है। राजीव इन दिनों करण जौहर की एक आर्टिस्ट मैनेजमेंट कंपनी में काम करते हैं और करण जौहर ने अपनी फिल्म 'दोस्ताना 2' से जब कार्तिक को बाहर निकाला था तो इसे लेकर हिंदी सिनेमा का बाजार कई दिनों तक गर्म रहा था। ठीक उसी दौर में कार्तिक की पिछली फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' घोषित की गई थी। समारोह के दौरान कार्तिक की फिल्मों का प्रदर्शन भी मेलबर्न में किया जाएगा। कार्तिक और मसंद की ये मुलाकात धर्मा प्रोडक्शंस की कार्तिक को लेकर बदली विचारधारा का पहला बड़ा संकेत भी है।

राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा पुरस्कार मिलने के एलान पर कार्तिक कहते हैं, 'ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत की सरकार का और इस पुरस्कार समारोह के आयोजकों का मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे भारतीय सिनेमा में अपने काम के लिए ये पुरस्कार मिल रहा है। मेरा दिलो दिमाग पर एक साथ असर करने वाली कहानियों पर यकीन रहा है। और, मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ मिलकर सिनेमा के जादू का जश्न मनाते रहेंगे।'

क्या चलते समय आपका भी बढ़ जाता है हार्ट-रेट ? यह पीओटीएस का हो सकता है संकेत

शरीर को स्वस्थ रखने और अंगों को ठीक तरीके से काम करते रखने के लिए जरूरी है कि शरीर के सभी हिस्सों में रक्त का संचार बेहतर रहे। सामान्यतौर पर यह कार्य निरंतर होता रहता है, हालांकि कुछ विकारों के कारण शरीर में रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं, पीओटीएस ऐसी ही एक समस्या है जिसके बारे में सभी लोगों को जानना और इससे बचाव के तरीकों को प्रयोग में लाते रहना बहुत आवश्यक हो जाता है।

पोस्टुरल ऑर्थोस्टैटिक टैकेकार्डिया सिंड्रोम (पीओटीएस) एक ऐसा विकार है जिसमें जब आप खड़े होते हैं तो अधिकांश रक्त आपके निचले शरीर में ही रह जाता है, शरीर के ऊपरी हिस्से में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है। इसकी प्रतिक्रिया में आपकी हृदय गति बढ़ जाती है जिस के कारण कई प्रकार की दिक्कतें होने का जोखिम हो सकता है।

पीओटीएस विकार के बारे में जानिए

पीओटीएस की स्थिति में चूंकि शरीर के ऊपरी हिस्से में रक्त का संचार बाधित हो जाता है, इसलिए आपके मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाने के प्रयास में दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं। खड़े होने के एक मिनट बाद आपकी हृदय गति 30 बीट या उससे अधिक बढ़ सकती है। पॉट्स आपके पूरे शरीर का संतुलन बिगाड़ सकता है। समय रहते इसके लक्षणों को समझना बहुत आवश्यक है।

चक्कर आना या बेहोशी होना

धुंधला दिखाई देना, जी मिचलाना-उल्टी।

पेट दर्द- सूजन

दस्त या कब्ज।

अत्यधिक पसीना आना।

किन कारणों से होती है ये दिक्कत

डॉक्टर कहते हैं, कुछ स्थितियां आपमें पीओटीएस के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। वैसे तो ये किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है लेकिन इसका सबसे ज्यादा खतरा 15-50 की आयु वालों में देखा जाता है। इसके अलावा कुछ प्रकार की बीमारियों के कारण भी आपमें इस रोग के विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है।

एनीमिया (शरीर में पर्याप्त लाल रक्त कोशिकाओं की कमी होना।)

ऑटोइम्यून बीमारियां, जैसे स्जोग्रेन सिंड्रोम या ल्यूपस

क्रोनिक फेटीग सिंड्रोम।

मधुमेह रोगियों में खतरा

मल्टीपल स्क्लेरोसिस की दिक्कत।

पीओटीएस की समस्या को कैसे पहचानें ?

वैसे तो पीओटीएस का कोई इलाज नहीं है, लेकिन कुछ प्रकार की दवाओं और थेरेपी के माध्यम से इसके जोखिमों को कम किया जा सकता है। कंप्रेशन थेरपी की मदद से रक्त के संचार को बढ़ाने से शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त का संचार बढ़ सकता है।

जब आप नहा रहे हों, लाइन में खड़े हों या तनाव महसूस कर रहे हों तो आपको पीओटीएस की समस्या का अनुभव हो सकता है। खाने के बाद भी आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो सकता है, क्योंकि आपकी आंतों को पाचन के लिए अधिक रक्त की आवश्यकता होती है जो इसमें बाधित हो जाती है।

लाइफस्टाइल को ठीक रखने का करें प्रयास

यदि आप जल्दी थक जाते हैं, तो इसमें सुधार करना अपने लक्षणों को ठीक करने के लिए आवश्यक हो जाता है। रात की नींद को सुधारने से भी लक्षणों को कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है। नियमित रूप से योग-व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाना रक्त के संचार को ठीक करने और पीओटीएस की समस्या के इलाज में मदद मिल सकती है।

एसिडीटी या हैपरएसिडीटी से हार्ट अटैक का खतरा इसे कम करने के लिए लौकी का जूस पिएं

हमारे देश भारत में 3,000 साल पहले एक बहुत बड़े ऋषि हुये थे। उनका नाम था महाऋषि वागवट जी उन्होंने एक पुस्तक लिखी थी..

जिसका नाम है अष्टांग हृदयम और इस पुस्तक में उन्होंने बीमारियों को ठीक करने के लिए 7,000 सूत्र लिखें थे।

यह उनमें से ही एक सूत्र है। वागवट जी लिखते हैं कि कभी भी हृदय को घात हो रहा है मतलब दिल की नलियों में ब्लॉकेज होना शुरू हो रहा है । तो इसका मतलब है कि रक्त में, (अम्लता) बढ़ी हुई है।

अम्लता आप समझते हैं ??

जिसको अँग्रेजी में कहते हैं Acidity

अम्लता दो तरह की होती है

एक होती है पेट की अम्लता और एक होती है रक्त की अम्लता, आपके पेट में अम्लता जब बढ़ती है तो आप कहेंगे पेट में जलन सी हो रही है।

खट्टी-खट्टी डकार आ रही है, मुंह से पानी निकल रहा है और अगर ये अम्लता और बढ़ जाये। तो हैपरएसिडीटी होगी और यही पेट की अम्लता बढ़ते-बढ़ते जब रक्त में आती है, तो रक्त अम्लता होती है। और जब ब्लड में अम्लता बढ़ती है तो ये अम्लीय रक्त दिल की नलियों में से निकल नहीं पाती और नलियों में ब्लाकेज कर देता है। तभी हार्ट अटैक होता है इसके बिना हार्ट अटैक नहीं होता और ये आयुर्वेद का सबसे बढ़ा सच है जिसको कोई डाक्टर आपको बताता नहीं, क्योंकि इसका इलाज सबसे सरल है, इलाज क्या है ? वागवट जी लिखते हैं कि जब रक्त में अम्लता बढ़ गई है तो आप ऐसी चीजों का उपयोग करो जो क्षारीय है।

आप जानते हैं दो तरह की चीजें होती हैं अम्लीय और क्षारीय !

अब अम्ल और क्षार को मिला दो तो क्या होता है ?

एसिड और अलकलाइन को मिला दो तो क्या होता है ?

नैचुरल होता है सब जानते हैं।

तो वागवट जी लिखते हैं कि रक्त की अम्लता बढ़ी हुई है तो क्षारीय चीजें खाओ।

तो रक्त की अम्लता नैचुरल हो जाएगी और रक्त में अम्लता नैचुरल हो गई। तो हार्ट अटैक की जिंदगी में कभी संभावना ही नहीं। ये है सारी कहानी। अब आप पूछेंगे कि ऐसी कौन सी चीजें हैं जो क्षारीय हैं और हम खायें ? आपके रसोई घर में ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो क्षारीय हैं जिन्हें आप खायें, तो कभी heart attack न आए और अगर आ गया है, तो दोबारा न आए।

यह हम सब जानते हैं कि सबसे ज्यादा क्षारीय चीज क्या है और सब घर मे आसानी से उपलब्ध रहती हैं, तो वह है लौकी।

जिसे दुधी भी कहते हैं।

जिसे आप सब्जी के रूप में खाते हैं। इससे ज्यादा कोई क्षारीय चीज ही नहीं है। तो आप रोज लौकी का रस निकाल-निकाल कर पियो या कच्ची लौकी खायो। वागवट जी कहते हैं रक्त की अम्लता कम करने की सबसे ज्यादा ताकत लौकी में ही है तो आप लौकी के रस का सेवन करें।

कितना सेवन करें ?

रोज 200 से 300 मिलीग्राम पियो।

कब पिये ?

सुबह खाली पेट पी सकते हैं या नाश्ते के आधे घंटे के बाद पी सकते हैं। इस लौकी के रस को आप और ज्यादा क्षारीय बना सकते हैं।

इसमें 7 से 10 पत्ते तुलसी के डाल लो तुलसी बहुत क्षारीय है इसके साथ आप पुदीने के 7 से 10 पत्ते मिला सकते हैं पुदीना भी बहुत क्षारीय है इसके साथ आप काला नमक या सेंधा नमक जरूर डाले। ये भी बहुत क्षारीय है ।

लेकिन याद रखें

नमक काला या सेंधा ही डाले वो दूसरा आयोडीन युक्त नमक कभी न डाले ये आओडीन युक्त नमक अम्लीय है।

तो आप इस लौकी के जूस का सेवन जरूर करें

2 से 3 महीने की अवधि में आपकी सारी हार्ट की ब्लाकेज को ठीक कर देगा

21 वें दिन ही आपको बहुत ज्यादा असर दिखना शुरू हो जाएगा।

कोई आपरेशन की आपको जरूरत नहीं पड़ेगी घर में ही हमारे भारत के आयुर्वेद से इसका इलाज हो जाएगा और आपका अनमोल शरीर और लाखों रुपए आपरेशन के बच जाएँगे।

पाचन शक्ति को बढ़ा देंगे आयुर्वेद के ये 3 नियम डॉ बोले- अपना लिया तो पत्थर भी कर जाएंगे हजम

आज के समय में हम से बहुत लोग अपने हाजमे से परेशान रहते हैं। यदि आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो आपको आयुर्वेद के ये 3 नियम गांठ बांध लेने चाहिए। ताकत खाने से नहीं उसको पचाने से आती है। 90% से ज्यादा लोगों को पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं बनी ही रहती हैं। यदि आपका हाजमा दुरुस्त नहीं रहेगा तो आपका खाना शरीर को नहीं लगेगा। कमजोर पाचन तंत्र आपके मेटाबॉलिज्म को भी खराब कर देता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी भी कमजोर पड़ने लगती है। गट हेल्थ अगर ठीक रहेगी, तो आपका दिमाग भी तेजी से दौड़ेगा।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने 3 ऐसे कमाल के नियम शेयर किए हैं, जिनको अगर आप अपनी आदम में शामिल कर लेते हैं, तो आपका पाचन तंत्र इतना शक्तिशाली बन जाएगा कि आप पत्थर तक को भी हजम कर सकते हैं। इन नियमों को आपको धीरे-धीरे कर के अपनी जिंदगी में उतारना शुरू करना होगा। तो चलिए जानते हैं पाचन तंत्र को मजबूत बनाने वाली ये चीजें कौन सी हैं।

पहला नियमः नियमित समय पर भोजन करने की आदत डालें

डॉक्टर कहते हैं कि जब तक आपका पहला खाया गया भोजन पूरी प्रकार से ना हजम हो जाए, तब तक दूसरा भोजन ना करें। पूरे दिन का सबसे ज्यादा पौष्टिक भोजन सुबह के समय करना चाहिए, वहीं दोपहर का भोजन सुबह वाले भोजन से आधा करना चाहिए। और डिनर रात होने से पहले कर लें, जो कि दोपहर से भी आधा होना चाहिए।

दूसरा नियमः जितनी भूख हो उससे कम खाएं

अच्छे हाजमे के लिए अपनी भूख से हमेशा एक तिहाई कम भोजन ही खाना चाहिए। अपने भोजन को हमेशा 3 भाग में बांट कर ही खाएं, जिसमें पहला भाग है- सॉलिड फूड, दूसरा- लिक्विड फूड और तीसरे भाग को हमेशा खाली रखें। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट बढ़ेगा और शरीर में फैट कम जमेगा। कम खाने से आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे, एलर्ट रहेंगे और आपके सोचने-समझने की शक्ति भी तेज होगी।

तीसरा नियमः ये चीज मिलाकर पिएं

आधा छोटा चम्मच के करीब अदरक का रस, 1 छोटा चम्मच सौंफ और बिल्कुल थोड़ा सा काला नमक लें और इन्हें एक गिलास पानी में मिक्स कर लें। इन चीज को खाना खाने के बाद दिन में दो बार बिल्कुल नियम से लेना शुरू करें। इससे आप जो भी कुछ खाएंगे वो अच्छी प्रकार से हजम हो जाएगा। यही नहीं, इससे खाया-पिया शरीर पर लगता हुआ भी दिखाई देगा। खाने-पीने से जुड़े इन नियमों को अगर आपने अपनी लाइफस्टाइल में ढाल लिया तो आपको अपने अंदर हर काम को करने की ताकत भी दिखाई देनी शुरू हो जाएगी।

अनार-सेब सब फेल, बाजी मार गया ये हरा फल, खत्म करता है कैंसर सेल्स, ब्लड प्रेशर भी रखे काबू

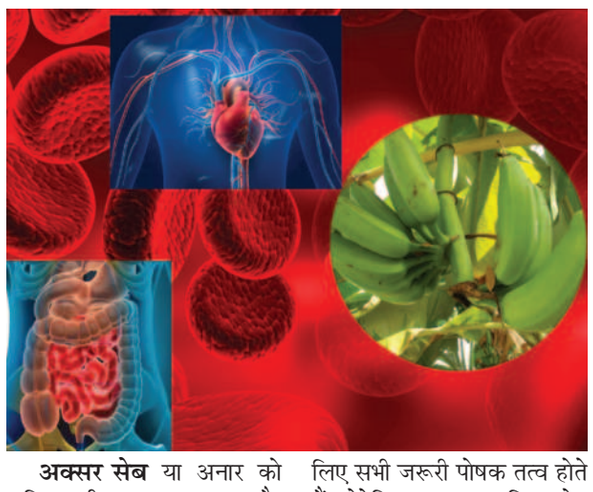

अक्सर सेब या अनार को शक्तिशाली फल समझा जाता है। लेकिन केला भी इनके मुकाबले कम पावरफुल नहीं है। केला पोटेशियम, फाइबर और कई अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का एक बड़ा स्रोत है। केला सस्ता है और आसानी से पूरे साल उपलब्ध होने वाला फल है। दिन की शुरुआत करने के लिए केला सबसे बढ़िया फल है। यह तो रही पके केले की बात, अगर बात करें कच्चे केले की तो इसमें तो और ज्यादा गुण हैं। अवार्ड विनिंग न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, कच्चे केले में भी वो सभी पोषक तत्व और गुण पाए जाते हैं, जो पके केले में होते हैं।

कच्चा केला पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन का पावरहाउस है। सबसे बड़ी बात आप इसे सब्जी के रूप में खा सकते हैं। इसके नियमित सेवन से वजन काबू, कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म देने वाली सेल्स को खत्म करने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने आदि में मदद मिल सकती है।

आंतों को रखता दुरुस्त

हरे केले में फिनोलिक्स यौगिकों का प्रतिशत सबसे अधिक होता है। यह फाइटोकेमिकल्स पेट और छोटी आंत के कामकाज को बेहतर बनाकर पाचन को मजबूत बनाते हैं।

केला खाने के फायदे ब्लड प्रेशर कंट्रोल कर दिल को रखता है स्वस्थ

हरे केले में दिल की सेहत के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व होते हैं। पोटेशियम का एक बढ़िया स्रोत होने की वजह से यह एक नैचुरल वासोडिलेटर के रूप में काम करता है, जो मांसपेशियों को सिकोड़ने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और हार्ट रिदम को बनाए रखता है।

डायबिटीज के मरीजों का सच्चा साथी

हरे केले में मौजूद पेक्टिन और रेसिस्टेंट स्टार्च दोनों भोजन के बाद ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा कच्चे केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लेवल सिर्फ 30 है और यही वजह है कि डायबिटीज के मरीजों का साथी है।

कैंसर वाली सेल्स का करता है सफाया

हरे केले एंटीऑक्सिडेंट का भंडार हैं जो फ्री रैडिकल से लड़ता है और हेल्दी सेल्स को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाता है। इसमें विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन और ल्यूटिन और ज़ेक्सैन्थिन जैसे अन्य फाइटोन्यूट्रिएंट्स भरे होते हैं। यह सभी सूजन को कम करते हैं।

वजन कंट्रोल करने में सहायक

रेसिस्टेंट स्टार्च और पेक्टिन दोनों हरे केले में पाए जाने वाले फाइबर हैं। फाइबर वजन कम करने या कंट्रोल करने के लिए जरूरी है। फाइबर की वजह से हरे केले के सेवन से भूख को कम करने में मदद मिलती है।

क्या आपके पैर के तलवों में जलन होती हैं?

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। दोनों आंखों की रोशनी कम होते जा रही है। क्या कारण हो सकता है? उपचार क्या करें ? सलाह दें।

- राघव मल्ला रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आंखों की रोशनी कम होने के कई कारण हो सकते हैं। प्रमुख कारणों में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, मधुमेहजन्य उपद्रव के रूप में रेटीना का रोग, तंबाकू के सेवन से आंखों की रोशनी पर बुरा प्रभाव व आंखों के तंत्रिका तंत्र पर दबाव हो सकता है।

जीवनीय तत्व- विटामिन 'ए' की कमी से भी आंखों की रोशनी प्रभावित होती है ।सही निदान हमेशा चिकित्सा में मदद करता है। शहरी जीवन में संतुलित भोजन का अभाव भी नेत्र ज्योति में कमी का कारण बनता है। गाजर, चुकंदर, मटर आदि खाने से आपको भरपूर मात्रा में जीवनीय तत्व की प्राप्ति होती है और इनका सीधे नेत्र ज्योति पर असर पड़ता है। अतः इन मौसमी फल - सब्जियों का प्रयोग बढ़ाएं। त्रिफला घृत को गुनगुने दूध में मिलाकर लेवें। ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया का नियमित सेवन करें। इससे दृष्टि सुधरेगी। इसके बावजूद दृष्टि में परिवर्तन नहीं दिखाई देता हो तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श ले।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। पिछले 6 साल से मधुमेह से परेशान हूं। आजकल पैर के तलवों की जलन से नींद भी उड़ गई है। क्या इसका इलाज आयुर्वेद में है ? बताएं!

-अशोक मिश्र, हैदराबाद

उत्तर : आप मधुमेह के उपद्रव रूपेरीफेरल न्यूराईटिसरू से पीड़ित है ।यदि खून में शक्कर का नियंत्रण नहीं हो पाता है यानी भोजन के पहले रक्त में शक्कर की मात्रा 110 के ऊपर और भोजन करने के बाद 160 मिलीग्राम से ऊपर बनी रहती है तब पेरिफेरल न्यूराईटिस के कारण पैर के तलवों में जलन प्रारंभ हो जाती है। आयुर्वेद में इसका उपचार है। ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस , जांब्रोझ टिकिया एवं चंद्रप्रभा वटी का सुबह-शाम फिके गर्म दूध के साथ सेवन करने से जल्दी ही लाभ मिलता है। भोजन में सभी प्रकार की मिठाई, शक्कर, गुड़ के बने पदार्थ, मीठे फल, आइसक्रीम, कुल्फी, चॉकलेट्स आदि का पूरा त्याग करें। हर रोज सुबह पैदल घूमे और हल्के व्यायाम किया करें। दिन में सोने की आदत बंद करें । जीवन को सक्रिय रखें। कुछ ही दिनों में मधुमेह के नियंत्रण

में आते ही उसके उपद्रव भी शांत होने लगेंगे।

प्रश्न : मेरी उम्र 20 वर्ष है। आवाज दबी हुई है। आवाज खोलने का कोई उपाय हो तो कृपा कर बताएं।

- प्रकाश माली, सिकंदराबाद

उत्तर : आवाज दबी होने के कई कारण हो सकते हैं। आत्मविश्वास की कमी, निर्णय लेने की शक्ति का अभाव, दूसरों पर अत्यंत निर्भरता, हीन भावना से ग्रसित होना, नेतृत्व क्षमता का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों का अभाव, चारित्रिक दोष, इंद्रियों की चपलता, वाचा को प्रभावित करने वाली नस में शोथ, टुंडीकेरि शोथ (टॉन्सिलाइटिस) आदि अनेकों कारण हो सकते है।

आपकी केस में कारण को समझकर उसके आधार पर चिकित्सा तय की जा सकती है। सामान्य उपाय बता रहा हूं। दोनों गालों के अंदर साबुत सुपारी रखकर बात करने का अभ्यास करें। आदम का शीशी के सामने खड़े होकर बोलने का अभ्यास करें। संतुलित सुपाच्य एवं पौष्टिक आहार लेवें। अपने ऊपर भरोसा करना सीखें। ऊंझा कंठ सुधार वटी दिन भर में 1- 9 गोली चूसें। लवंगादि वटी भी चूसने से आराम मिलता है। अक्कलकरा और वचा नाम की जड़ी - बूटियों का समभाग चूर्ण शहद में मिलाकर जीभ पर दिनभर में दो-तीन बार रगड़े। इस उपाय से भी दबी आवाज खुलने लगती है।

अश्वगंधा चूर्ण 100 ग्राम, मुलेठी का चूर्ण 100 ग्राम, आमला चूर्ण 50 ग्राम, व वचा चूर्ण 25 ग्राम और इन सब के वजन के बराबर मिश्री का चूर्ण मिलाकर एक जीव कर ले। इसे सुबह शाम 3 से 5 ग्राम की मात्रा में गाय के दूध के साथ सेवन करें । आपकी आवाज खुल जाएगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

गेहूं के आस-पास भी नहीं भटकेगा घुन, अपनाएं ये टिप्स

आज कल भले ही दुकानों पर अलग-अलग ब्रांड के आटे मिलने लगे हो, लेकिन फिर भी कुछ लोग गेहूं खरीदकर इसे चक्की में पिसाकर खाना ही पसंद करते हैं। यह एक सही तरीका भी है, क्योंकि कई पैकेट वाले आटे में मैदा मिला होता है जो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है।

आमतौर पर छोटे शहर या गांव में गेहूं को स्टोर करके रखने का चलन ज्यादा होता है। लेकिन कई बार लोगों को इसके भंडारण से जुड़ी सही जानकारी नहीं होती है, जिसके कारण घुन लगने से उनका पूरा अनाज बर्बाद हो जाता है। ऐसे में यहां हम आपको घुन से गेहूं को बचाने के घरेलू उपायों को यहां बता रहे हैं। यदि आप भी घर में गेहूं को स्टोर करने का विचार कर रहे हैं, तो यह टिप्स आपके लिए बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

सबसे पहले करें ये काम

गेहूं को स्टोर करने से पहले जरूरी है, कि आप इसे अच्छी तरह से साफ कर लें। दो-चार बार पानी में धोकर अच्छे से सुखाने के बाद ही इसे एक साफ डिब्बे में स्टोर करें।

घुन भगाने की नेचुरल दवा- नीम की पत्तियां

नीम की पत्तियां नेचुरल रूप से कीटनाशक के रूप में कार्य करती हैं। ऐसे में यदि आप लंबे समय तक गेहूं को स्टोर करके रखना चाहते हैं, तो उसमें नीम की पत्तियों को डाल दें।

बिना छिले गेहूं में रखें लहसुन

लहसुन की तेज गंध के कारण घुन और दूसरे कीड़े अनाज के आसपास नहीं भटकते हैं। ऐसे में यदि आप गेहूं को घर में स्टोर कर रहे हैं, तो इसे कीड़ों से बचाने के लिए इसके डिब्बे में बिना छिले हुए लहसुन को रखें। इसके सूखने पर इसे लगातार बदलते रहें।

माचिस से नहीं लगेगा गेहूं में घुन

यह उपाय आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन गेहूं से कीड़े भगाने का यह एक बेहतरीन उपाय है। दरअसल, माचिस की तीली में सल्फर होता है और कीड़ों को यह रासायनिक तत्व पसंद नहीं होता है। इसलिए माचिस की तीली को अनाज के पास रखने भर से घुन झटपट गायब होने लगते हैं।

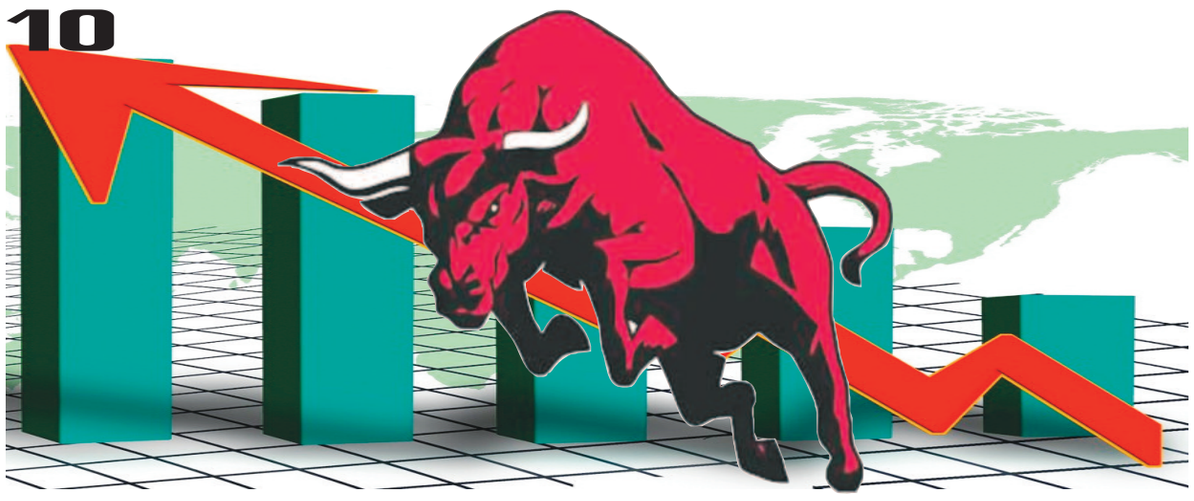

78 साल के हुए अजीम प्रेमजी : कभी साबुन-तेल बेचती थी विप्रो

आज देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी

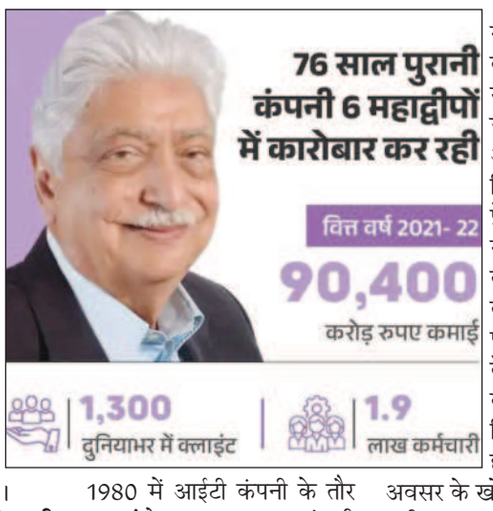

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आज देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में से एक विप्रो के फाउंडर अजीम प्रेमजी 78 साल के हो गए हैं। उनका जन्म 24 जुलाई, 1945 को मुंबई में हुआ था। अजीम प्रेमजी देश के सबसे बड़े दानियों में से एक हैं। एडलगिव हुरुन इंडिया फिलैन्थ्रॉपी लिस्ट 2022 के मुताबिक अजीम प्रेमजी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 484 करोड़ रुपए का दान दिया।

21 साल की उम्र से संभाली कंपनी की कमान

पापा के निधन के बाद 21 साल की उम्र में कंपनी की कमान संभाली। बिजनेस को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। प्रेमजी ने साबुन और वेजिटेबिल ऑयल का कारोबार करने वाली कंपनी वेस्टर्न इंडिया वेजिटेबल प्रोडक्ट्स लिमिटेड को अमेरिकन कंपनी सेंटिनल कंप्यूटर कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर 1980 में आईटी कंपनी के तौर पर इंट्रोड्यूस कराया। कंपनी पर्सनल कंप्यूटर बनाने के साथ सॉफ्टवेयर सर्विसेज भी प्रोवाइड कराने लगी। इसके बाद ही कंपनी का नाम बदलकर विप्रो किया गया था।

अजीम प्रेमजी का जन्म और विप्रो की शुरुआत एक ही साल में

दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक विप्रो की शुरुआत उसी साल हुई थी, जिस साल अजीम प्रेमजी का जन्म हुआ था। साल था 1945, जब बर्मा से आए अजीम प्रेमजी के पिता हुसैन हाशिम प्रेमजी को अपना सालों पुराना चावल का बिजनेस बंद करना पड़ा। इसके पीछे अंग्रेजी हुकूमत के कुछ नियम थे। बर्मा में उन्हें राइस किंग कहा जाता था। हाशिम प्रेमजी नए अवसर के खोज के लिए मुंबई से करीब 350 किलोमीटर दूर अमलनेर पहुंचे। वहां वो वनस्पति तेल की एक छोटी मिल मालिक को दिए गए कर्ज के सिलसिले में मिलने गए थे। मिल मालिक कर्ज चुकाने में असमर्थ था और उसने हाशिम प्रेमजी से कहा - कर्ज के बदले वो तेल मिल को खरीद लें। यही वो अवसर था जिसकी तलाश हाशिम प्रेमजी को थी। इसके बाद वो चावल के व्यापार से वनस्पति तेल के कारोबार में उतर गए।

सारा कारोबार बेटे को सौंपा, दान कर दिए अपने शेयर

फिलहाल अजीम प्रेमजी ने अपना सारा कारोबार अपने बेटे को सौंप दिया है। 2019 में अजीम प्रेमजी ने 52,750 करोड़ रुपए के अपने शेयर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को दान कर दिए थे। अजीम देश के सबसे बड़े दानदाताओं में से एक हैं। फाउंडेशन के अनुसार, 2019 में प्रेमजी द्वारा दान की गई कुल रकम 1,45,000 करोड़ रुपए (21 अरब डॉलर) हो गई थी। वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो वित्त वर्ष 2020-21 में उन्होंने रोजाना 27 करोड़ रुपए दान किए। 2020-21 में अजीम प्रेमजी ने शिव नडार (1263 करोड़ रुपए), मुकेश अंबानी (577 करोड़ रुपए) से भी ज्यादा 9713 करोड़ रुपए दान में दिए।

वहीं 2021-22 के दौरान 484 करोड़ रुपए का दान दिया। ब्लूमबर्ग के अनुसार अजीम प्रेमजी इस समय देश के 5वें सबसे अमीर आदमी हैं।

जी-20: बैठकों में पारंपरिक चिकित्सा पर हो रही अहम चर्चा

अमिताभ कांत बोले- आयुष मंत्रालय का काम सराहनीय

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत इस बार जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसके लिए देश भर से इससे जुड़ी बैठकों का दौरान जारी है। देश के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत भी इन बैठकों के लिए काफी सक्रिय है। एक बैठक के दौरान उन्होने कहा कि जी-20 चर्चाओं में पारंपरिक चिकित्सा सबसे आगे है और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में इसकी संभावित भूमिका को स्वीकार किया जा रहा है।

कांत ने रविवार को यहां आयोजित जी-20 भागीदारी समूहों के साथ एक महत्वपूर्ण बातचीत में यह बात कही। आयुष मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, हितधारकों का स्पष्ट और जोरदार विचार था कि भारत सरकार के प्रयासों ने पारंपरिक चिकित्सा को स्वास्थ्य पर जी-20 की चर्चाओं में सबसे आगे ला दिया है।

जी-20 शेरपा ने की आयुष मंत्रालय के कार्यों की सराहना

अपने संबोधन में अमिताभ कांत ने कहा, ₹मैं आयुष मंत्रालय की बहुत सराहना करता हूं कि वह सभी सहभागिता और कार्य समूहों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने में सबसे आगे है। हमें समग्र स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करने में आयुष प्रथाओं के महत्व को बढ़ाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा भारत में सदियों से स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग रही है। अमिताभ कांत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत में एक समर्पित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम) की अवधारणा लेकर आया है, जो पारंपरिक चिकित्सा की शक्ति का उपयोग करेगा।स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त सचिव लव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, दुनिया सभी स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में एकीकृत स्वास्थ्य या समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा पर चर्चा हो रही है।

सोने के दाम घटे तो चांदी की चमक हुई फीकी

चेक करें लेटेस्ट गोल्ड-सिल्वर रेट्स

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सोना और चांदी के दाम में इस हफ्ते फिर गिरावट देखी जा रही है और ये ऊपरी स्तरों से काफी नीचे आकर ट्रेड कर रहे हैं। सोना और चांदी के रेट में बीते शुक्रवार को भी काफी गिरावट दर्ज की गई थी। सोना और चांदी के रेट में ये गिरावट ग्लोबल डिमांड के कम होने के चलते आ रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कैसे हैं सोने के दाम

आज एमसीएक्स पर सोना करीब 120 रुपये की गिरावट पर बना हुआ है। सोना 117 रुपये फिसलकर 59192 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है और इसमें 0.120 फीसदी की गिरावट बनी हुई है। सोना नीचे में 59172 रुपये तक गिरा है और ऊपर में 59255 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट तक गया था। सोने के ये दाम इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी कितनी सस्ती

एमसीएक्स पर चांदी के दाम फिसल गए हैं और ये 320 रुपये की गिरावट के साथ 74650 रुपये प्रति किलो पर है। चांदी में आज 0.43 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। नीचे में चांदी 74620 रुपये प्रति किलो तक गई थी और ऊपर में इसके रेट 74800 रुपये प्रति किलो तक पहुंचे थे। चांदी के ये रेट इसके सितंबर वायदा के लिए हैं।

क्यों आ रही है सोने-चांदी में ये गिरावट

अमेरिका में फेडरल रिजर्व की बैठक होने वाली है और माना जा रहा है कि फेड एक बार फिर ब्याज दरों में इजाफा कर सकता है। फेडरल रिजर्व की प्लानिंग है कि ब्याज दरों को फिर से बढ़ते हुए क्रम में लाया जाए क्योंकि यूएस में महंगाई के आंकड़ों में दोबारा तेजी देखी जा रही है। फेड के दरें बढ़ाने की संभावना से डॉलर इस समय तेजी पर है और जब-जब डॉलर के दाम चढ़ते हैं तो कीमती मेटल्स के दाम में गिरावट आती है। यही कारण है कि इस समय सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स अपने निचले दायरे में कारोबार कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क में	मेष--	23-25 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृष--	01-09 बजे
मंगल	सिंह में	मिथुन..	03-11 बजे
बुध-	सिंह में	कर्क...	05-22 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह....	07-35 बजे
शुक्र-	सिंह में	कन्या..	09-41 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	11-46 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	13-56 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	16-10 बजे
		मकर..	18-17 बजे
		कुंभ...	20-07 बजे
		मीन ..	21-45 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-**वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-56** सूर्यअस्त- **18-48**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **15 -08** तक उपरान्त अष्टमी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , मंगलवार **25July**
नक्षत्र - चित्रा - **00-02** तक उपरान्त स्वाति
योग - सिद्ध - **15 - 00** - तक उप साध्य
करण- वणिज **-15 -08** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-**15-09** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:37 से 17:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:56 - 07:31 अशुभ	काल.	18:48 - 20:14 अशुभ
उत्पात	07:31 - 09:08 अशुभ	लाभ	20:14 - 21:37 शुभ
चंचल	09:08 - 10:46 शुभ	उत्पात	21:37 - 22:59 अशुभ
लाभ	10:46 - 12:23 शुभ	शुभ	22:59 - 00:23 शुभ
अमृत	12:23 - 13:59 शुभ	अमृत	00:23 - 01:46 शुभ
काल.	13:59 - 15:37 अशुभ	चंचल	01:46 - 03:09 शुभ
शुभ.	15:37 - 17:14 शुभ	रोग.	03:09 - 04:32 अशुभ
रोग	17:14 - 18:48 अशुभ	काल	04:32 - 05:56 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है । सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा। आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राकृतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी होगा।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सिंगापुर-मलेशिया की भी सैर कराएगा आईआरसीटीसी

बेहद कम कीमत में घूम लें शानदार जगहें

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आ ई आ र सी टी सी आपको देश में घूमने के लिए तो किफायती टूर पैकेज मुहैया कराता ही है, अब विदेश घूमने के लिए भी आप इसके शानदार टूर पैकेज का फायदा ले सकते हैं। आईआरसीटीसी के नए 'इन्वॉटिंग सिंगापुर एंड मलेशिया' पैकेज के जरिए आप 7 दिन और 6 रातों का टूर पैकेज ले सकते हैं और एशिया के सबसे सुंदर माने जाने वाले देशों में से दो देशों की सैर कर सकते हैं।इस टूर पैकेज का नाम मनमोहक सिंगापुर और मलेशिया (एनडीओ21)) है और इसके जरिए यात्री 20 नवंबर 2023 को यात्रा कर सकते हैं। इस 7 दिन और 6 रातों के टूर पैकेज में आईआरसीटीसी यात्रियों को मुफ्त नाश्ता, भोजन और रात का डिनर अपनी ओर से दे रहा है। इस टूर पैकेज में यात्रियों को एयर, बस, होटल, मील, गाइड/एस्कॉर्ट और इंश्योरेंस की सुविधाएं ऑफर की जा रही हैं।क्या है टूर पैकेज की कीमत इस टूर पैकेज के लिए सिंगल ऑक्यूपेंसी के लिए आपको 163700 रुपये खर्च करने होंगे। वहीं डबल और ट्रिपल ऑक्यूपेंसी के लिए 134950 रुपये का खर्च करना होगा। अगर बच्चे (5 साल से 11 साल) के साथ यात्रा कर रहे हैं तो विद बैड ऑक्यूपेंसी के लिए आपको 118950 रुपये का खर्च करना होगा। वहीं 2 से 11 साल के बच्चे के लिए विदाउट बैड ऑक्यूपेंसी आपको 103100 रुपये में मिल सकेगी।

बिजनेस नेटवर्किंग के ये 5 फॉर्मूले हैं नायाब

बना सकते हैं आपको पावरफुल, कभी यूं ही मिल आइए घर जाकर

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आपको किसी को एक ही स्किल्स सिखानी हो तो वो कौन सी स्किल होनी चाहिए? इसके लिए मेरा जवाब होगा- लोगों से जुड़ने और जुड़े रहने की स्किल। आज बिजनस स्टार्टअप हर दिन फेल हो रहे हैं, और व्यक्ति के रूप में हम भी। इन सबके पीछे जो एक बहुत बड़ा कारण है वो है हमारे आस पास के लोग। कुछ गलत लोग जो हमारी लाइफ को आगे बढ़ाने की जगह पीछे ले जा रहे हैं, इसका कारण हो सकते हैं।

आज सोशल मीडिया के दौर में हमारी सोशल मीडिया प्रोफाइल तो लगभग हर प्लेटफार्म पर मिल जाएगी लेकिन, हम सोशल तौर पर उतने ही अनसोशल हैं। हमारे पास कुछ ऐसे लोग नहीं हैं जो हमें बिना जज किये हुए सही समय पर सही राय दे सकें या सुन सकें । बिजनस की दुनिया में हमने अक्सर सुना है, आपका नेटवर्क ही आपका नेट वर्थ है, लेकिन इसके बाद भी बहुत से लोग एक इफेक्टिव नेटवर्क नही बना पाते हैं। तो चलिए आज बात करते हैं कि अगर आपको लोगों के बीच अपनी जगह बनानी है तो ये पांच काम किस तरह से आपकी मदद कर सकते हैं-

फोन लगाने से पहले बिलकुल मत सोचिये

मैंने अपने ट्रेनिंग में अक्सर सुना है कि लोग फोन तो करना चाहते हैं लेकिन फिर ये सोच कर रह जाते हैं कि कहीं वो बिजी तो नहीं होंगे, कॉल करने का सही समय है या नहीं और ऐसे करते करते कई महीने और फिर साल हो जाते हैं।

लिहाजा हम उनसे दूर और बहुत दूर हो जाते हैं। तो करना ये है कि कम से कम 2-3 पुराने दोस्तों, कलीग्स को हर दिन फोन करें, बस यूहीं लगा लीजिए, ये मत सोचिए कि वो बिजी होगा, कहां होगा, उठाएगा या नहीं।

आप तो बस फोन करिये, अगला फ्री होगा तो उठायेगा नही तो काट देगा, आपका काम है कॉल करना, कोई तो कॉल उठाएगा। आप करके देखिये सच में बहुत अच्छा लगेगा और हां हर्ट होने की जरूरत बिल्कुल नही है आप बस अगले कॉल पर फोकस करते रहिये।

कभी यूहीं मिल आइए, किसी के घर या ऑफिस

हम सभी इतने बिजी कभी भी नहीं होते हैं कि लोगों से मिल न सकें, अक्सर जॉब छोड़ने के बाद हम उनसे बिलकुल ही कट जाते हैं, ऐसे में वो रिश्ते जो हर दिन के हिस्से में थे, कम हो जाते हैं।

तो अब ये बिलकुल नहीं करना है, महीने या दो महीने में ही सही कभी पुराने ऑफिस के तरफ जाने का मौका मिले तो कम से कम 30 मिनट या 1 घंटे का समय एक्स्ट्रा रखिये, पुराने कलीग्स से हाथ मिलाना, हमेशा के लिए दिल मिलाने जैसा होता है।

गो फर्स्ट की उड़ानें 27 जुलाई तक रहेंगी रद्द

कंपनी ने जताई जल्द ऑपरेशंस शुरू होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गो फर्स्ट एयरलाइंस ने 27 जुलाई तक अपने फ्लाइट ऑपरेशंस कैंसिल करने का एलान कर दिया है। गो फर्स्ट ने अब से कुछ देर पहले ट्वीट कर कहा कि हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि परिचालन कारणों से 27 जुलाई 2023 तक निर्धारित गो फर्स्ट उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। उड़ान रद्द होने के कारण हुई असुविधा के लिए हम माफी चाहते हैं। एयरलाइंस ने ट्वीट में ये भी कहा कि कंपनी ने तत्काल समाधान और परिचालन को शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया है। हम जल्द ही बुकिंग फिर से शुरू कर सकेंगे। हम आपके धैर्य के लिए धन्यवाद करते हैं हाल ही में शुक्रवार 21 जुलाई को गो फर्स्ट को एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने शर्तों के साथ उड़ान भरने की इजाजत दी है। हालांकि इसके बावजूद गो फर्स्ट का बार-बार अपनी फ्लाइट्स ऑपरेशंस को टालना इस बात का संकेत है कि कंपनी के लिए सब कुछ ठीक नहीं है। गौरतलब है कि गो फर्स्ट के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया चल रही है। कंपनी ने तीन मई से अपनी विमान सेवाएं बंद कर दी थीं। एयरलाइंस के पास एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट का हर समय होना बेहद जरुरी है।

ऑपरेशन में इस्तेमाल किया जाने वाला एयरक्रॉफ्ट उड़ान भरने के बेहतर हालत में होना चाहिए। बगैर हैंडलिंग फ्लाइट के कोई भी एयरक्रॉफ्ट का इस्तेमाल ऑपरेशन में नहीं किया जाना चाहिए । कंपनी में किसी बदलाव जिसका रिजॉल्युशन प्रोफेशनल द्वारा जमा किए गए प्लान पर असर पड़ता हो उसकी फौरन जानकारी डीजीसीए को उपलब्ध कराई जाए। रिजॉल्युशन प्रोफेशनल को फ्लाइट शेड्यूल, एयरक्रॉफ्ट की हालत, पायलट्स, केबिन क्रू, एएमई, फ्लाइट डिसपैचर की जानकारी रेग्यूलेटर को उपलब्ध करानी होगी।

5 करोड़ ईपीएफ खाताधारकों के लिए खुशखबरी

जल्द आएगा खाते में वित्त वर्ष 2022-23 के ब्याज का पैसा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। 5 करोड़ से ज्यादा ईपीएफ खाताधारकों के लिए खुशखबरी है। ईपीएफ कॉरपस में जमा उनकी गाढ़ी कमाई पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ब्याज के रकम के मिलने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के निर्धारित किए ईपीएफ पर 8.15 फीसदी ब्याज देने पर अपनी मुहर लगा दी है।

ईपीएफओ ने जारी किया सर्कुलर

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 फीसदी ईपीएफ रेट को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। ईपीएफओ ने सभी जोनल ऑफिसेज के इंचार्ज को पत्र लिखकर ये सूचित किया है कि भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ये जानकारी दी है केंद्र सरकार ने 2022-23 के लिए सभी ईपीएफ खाताधारकों के ईपीएफ में 8.15 फीसदी ब्याज क्रेडिट किए जाने को मंजूरी दे दी है। ईपीएफओ ने जोनल ऑफिसेज के इंचार्ज और रीजनल ऑफिसेज के ऑफिसर्स इनचार्ज को कहा है कि इस मंजूरी मिलने के बाद ईपीएफ के सदस्यों के खाते में ब्याज के रकम के क्रेडिट करने को लेकर वे जरुरी आदेश जारी करें। दरअसल 28 मार्च 2023 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज यानि सीबीटी की बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 फीसदी ईपीएफ रेट निर्धारित किया गया था। तब कहा गया था कि वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद गजेट नोटिफिकशन के जरिए इसे नोटिफाई किया जाएगा जिसके बाद ईपीएफ खाताधारकों के ईपीएफ खाते में ब्याज के रकम को ट्रांसफर किया जाएगा। ईपीएफ बोर्ड के इस फैसले के बाद 11 लाख करोड़ रुपये ईपीएफ में जमा प्रिंसिपल रकम पर 90,000 करोड़ रुपये खाते में ब्याज के रकम के तौर पर केडिट किया जाएगा।

आईटीसी और रिलायंस में मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 300 अंक नीचे हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के बेहद निराशाजनक साबित हुआ। निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते खासतौर से एफएमसीजी स्टॉक्स में भारी गिरावट के चलते बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 300 अंकों की गिरावट के साथ 66,384 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 72 अंकों की गिरावट के साथ 19,672 अंकों पर क्लोज हुआ। आज के कारोबार में बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सबसे बड़ी निफ्टी एफएमसीजी में देखी गई। ये इंडेक्स 925 अंक या 1.72 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। जबकि

ऑटो, फार्मा, रियल एस्टेट, इंफ्रा और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुआ। स्मॉल कैप शेयर्स में भी तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 शेयर तेजी के साथ और 13 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरावट के साथ क्लोज हुए। आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट रही। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 302.09 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि गुरुवार के सत्र में 304.03 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में 1.94 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

भूटान में भी बजा रुपे कार्ड का डंका अबतक 10,000 कार्ड हुए जारी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश में रूपे कार्ड का प्रचलन जमकर हो रहा है और अब विदेश में भी इस पेमेंट के तरीके को लोग जमकर अपना रहे हैं। ताजा खबर भूटान से आई है जहां इसके लॉन्च होने के बेहद कम समय में इसके 10,000 कार्ड जारी हो चुके हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की सब्सिडियरी और अंतर्राष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने एलान किया है कि भूटान में रूपे कार्ड को मान्यता मिलने के बेहद कम समय के भीतर ही 10,000 कार्ड जारी हो चुके हैं।

हिसाब बराबर : प्यार के लिए सीमा तोडी

सीमा पाक से भारत आई, अंजू भारत से पाकिस्तान पहुंची

भिवाड़ी, 24 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्यार में तो अब उल्टी ही गंगा बहने लगी है। एक ओर जहां पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर चर्चा का विषय बना है तो वहीं अलवर के भिवाड़ी की रहने वाली लड़की अंजू पाकिस्तान पहुंची है। टेरा एलिगेंसी सोसाइटी में रहने वाली अंजू (33) सोशल मीडिया पर दोस्त बने नसरूल्लाह से मिलने के लिए पाकिस्तान पहुंच गई। लगे हाथों नसरुल्लाह ने भी मीडिया से कहा है कि वो अंजू से शादी करेगा। अंजू सगाई के कुछ दिन बाद इंडिया जाएगी और फिर वापस पाकिस्तान आएगी।

जानकारी के मुताबिक, अंजू अपने पति अरविंद कुमार के साथ दो साल से टेरा एलिगेंसी सोसाइटी में रह रही है। उसकी 15 साल की एक लड़की और 6 साल का लड़का है। इन दोनों को ही नहीं पता कि उनकी मां पाकिस्तान चली गई है। पुलिस और सीआईडी की टीमें अब इस केस की जांच कर रही हैं। एसपी विकास शर्मा ने बताया कि महिला के पति या किसी और ने कोई एफआईआर या लिखित शिकायत नहीं है।

2020 में ही बनवा लिया था पासपोर्ट

पहले अंजू अपने परिवार के साथ भिवाड़ी के यूआईटी सेक्टर-7 में रहती थी। कुछ समय यहां के एच टावर में फ्लैट नंबर 704 में किराए पर रही और यहीं से 2020 में पासपोर्ट बनवाया। अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए 21 जून को आवेदन किया था। पाकिस्तान जाने से पहले वह आई टावर में 903 फ्लैट में रह रही थी। अंजू टू व्हीलर कंपनी में काम करती है। पति इंडो कंपनी में काम करते हैं।

2007 में हुई थी अंजू की शादी

प्रेम में पाकिस्तान पहुंची अंजू के पति अरविंद ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से बलिया (यूपी) का रहने वाला है। पत्नी ग्वालियर (मध्य प्रदेश) की रहने वाली है। दोनों की शादी 2007 में हुई थी। अरविंद मूलतः क्रिश्चियन हैं, जबकि अंजू हिंदू। अंजू ने शादी के बाद अपना धर्म परिवर्तन कर लिया। अरविंद ने बताया कि उसकी पत्नी गुरुवार को घर से जयपुर के लिए निकली। कह रही थी कि सहेली से मिलने लाहौर जाना है। पति को यह नहीं पता था कि लाहौर पाकिस्तान में है। इस बीच अरविंद ने अंजू को काफी बार फोन भी लगाया, लेकिन फोन बंद आ रहा था।

पति को कहा- 3-4 दिन में वापस आ जाऊंगी

अंजू ने रविवार को दिन में सोशल मीडिया पर कॉल कर पति को बताया कि वह लाहौर में अपनी सहेली के पास है और तीन-चार दिन बाद वापस आ जाएगी। यह जानकारी भी सामने आ रही है कि अंजू ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट की है। इसमें पाकिस्तानी नागरिक नसरूल्लाह से मिलने खैबर पख्तूनख्वा के दीर इलाके में पहुंचने की बात सामने आ रही है। नसरूल्लाह को शिक्षक बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों की दोस्ती फेसबुक से शुरू हुई।

नसरुल्लाह ने बीबीसी उर्दू को बताया कि वे अंजू की अगली पाकिस्तान यात्रा पर शादी करेंगे। अगले दो से तीन दिन में सगाई होगी और अंजू 10-12 दिन के बाद भारत चली जाएगी और फिर शादी के लिए आएगी। उन्होंने कहा कि ये हमारी निजी जिंदगी है। हम मीडिया से दूर रहने की कोशिश कर रहे हैं। नसरुल्लाह ने कहा कि अंजू नहीं चाहती कि

नसरुल्लाह अंजू

उसका नाम मीडिया में आए। वह अपने देश जाकर वापस काम करना चाहती है। शुरुआत में नसरुल्लाह के परिवार ने मीडिया को अंजू से नहीं मिलने दिया था। कहा था कि दोनों शादी नहीं करेंगे। अंजू सिर्फ घूमने के मकसद से पाकिस्तान आई है।

नसरुल्लाह ने कहा कि वीजा की प्रक्रिया पूरी करने में उन्हें दो साल लग गए। उन्होंने फैसला किया कि शादी से पहले अंजू को अपने परिवार से मिलाना था। अंजू का परिवार पूरा समर्थन कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंजू ने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग का दौरा किया और नसरुल्लाह ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश और आंतरिक मंत्रालयों के कार्यालयों का दौरा किया। इसके बाद अधिकारियों को मुलाकात के लिए मनाया। नसरुल्लाह कहते हैं कि उनकी कहानी में धर्म कोई कारण नहीं है। अंजू इस्लाम अपनाती है या नहीं, यह उसका निर्णय होगा। स्थानीय लोग भी अंजू का सपोर्ट कर रहे हैं। उनका कहना है कि अंजू पख्तूनों की मेहमान और बहू है।

पति अरविंद कुमार ने रविवार देर रात वॉट्सऐप पर अंजू से बात की है...।

अरविंद : क्या हाल है?

अंजू : ठीक हूं।

अरविंद : खाना खा लिया?

अंजू : हां, खा लिया।

अरविंद : तुम्हारा भिवाड़ी आने का कब तक का प्लान है?

अंजू : आने की तो छोड़ो, मीडिया वाले को मेरी आईडी वगैरह कुछ मत देना। अलमारी में लॉक करके रख देना। अभी कुछ मीडिया वालों को दिया तो नहीं है ना, उन्हें कुछ मत देना। सब को बोलना कि वह साथ लेकर गई है। मेरे घर में नहीं है। कुछ मत करना, मेरे लिए प्रॉब्लम खड़ी हो जाएगी। मेरी फ्रेंड है, उससे मिलने के लिए आई हूं।

अरविंद : मीडिया में क्या चल रहा है?

अंजू : मीडिया में तो जो चल रहा है, वह चल ही रहा है, मेरे पास भी आ रहा है। मीडिया तो मीडिया ही है। बाकी मुझे यह मैसेज देना था कि मेरे डॉक्यूमेंट किसी को मत देना। अलमारी में लॉक करके रख देना। मैंने बोल दिया है मीडिया वालों से मेरे घर वालों को परेशान मत करो। मेरी बात नहीं हो रही इसलिए वह परेशान हो रहे हैं।

अरविंद : उधर कोई शादी कर रही है क्या तू?

अंजू : दिन में बात करूंगी, ऐसा कुछ नहीं है।

वीडियो जारी कर कहा- मैं वापस आ रही हूं।

अंजू ने पाकिस्तान से वीडियो जारी कहा है कि मैं यहां लीगल तरीके से पूरी प्लानिंग से आई हूं। ये कोई दो दिन की बात नहीं है कि अचानक से आ गई हूं। यहां पर सेफ हूं। कोई दिक्कत नहीं है। जैसे मैं आई थी, वैसे जाने का प्रोसेस है। मैं वापस भी आ रही हूं अभी। बस दो-तीन दिन में आराम से पहुंच जाऊंगी। मेरी सब से यही रिक्वेस्ट है कि मेरे रिश्तेदारों और बच्चों को परेशान नहीं करें। जो कुछ बात करनी है मुझसे कॉन्टेक्ट करें। मैं हर वक्त लाइन पर हूं।

2-3 साल से संपर्क में थी

भिवाड़ी के एएसपी सुजीत शंकर के मुताबिक, प्रारंभिक जांच के अनुसार हमें पता चला कि अंजू 2-3 साल से फेसबुक और वॉट्सऐप के माध्यम से पाकिस्तान स्थित एक व्यक्ति के संपर्क में थी। उसने अपने परिवार के सदस्यों को जानकारी दी थी कि वह अमृतसर की यात्रा कर रही है, लेकिन वह 21 जुलाई को पाकिस्तान चली गई। हमें अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है।

उसने 2020 में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था, लेकिन हमारे पास कोई और जानकारी नहीं है। अंजू ने अपने परिवार के सदस्यों को सूचित किया कि वह आज वापस आ जाएगी। यह प्रेम प्रसंग का मामला हो सकता है, लेकिन जब तक ठोस सबूत नहीं मिल जाता, तब तक हम कुछ नहीं कह सकते। अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है, इसलिए हम कोई औपचारिक जांच नहीं करेंगे। अगर किसी फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल किया गया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर सभी पहलुओं की जांच की जाएगी।

एक महीने तक रहने के लिए वीजा

पाक मीडिया में पाकिस्तान जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले में भारत से महिला अपने प्रेमी से मिलने आई है। यहां एक महीने तक रहने के लिए पूरे दस्तावेज और वीजा है। अंजू का कहना है कि कुलशोइन गांव के नसरुल्लाह (29) के साथ उसकी दोस्ती फेसबुक पर शुरू हुई, जो बाद में प्यार में बदल गई।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नए लोगों को मिलेगा मौका

सैलजा बोलीं- निगम-मंडलों के अध्यक्षों का नहीं बढ़ेगा कार्यकाल, नई नियुक्तियां होंगी

रायपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में निगम आयोगों के अध्यक्षों को दोबारा रिपीट नहीं किया जाएगा। कांग्रेस भवन में सेलजा कुमारी पदाधिकारियों की बैठक ले रही हैं। इसमें कई ऐसे पदाधिकारी पहुंच रहे हैं, जो निगम-मंडल में अध्यक्ष के पद पर हैं। वे उनसे रिन्यूअल की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अंदरखाने से खबर है कि कुमारी सेलजा ने स्पष्ट कर दिया है कि नए लोगों को मौका मिलेगा।

चुनाव के लिए अब तीन चार महीने का समय ही बच गया है। ऐसे में अब टिकट की दावेदारी करने वाले बहुत से पदाधिकारियों

ने बड़े नेताओं के चक्कर काटना शुरू कर दिया है। इनमें वर्तमान विधायक और निगम मंडल के अध्यक्ष भी शामिल हैं।

कई बोर्ड, निगम, आयोग के अध्यक्ष चाहते हैं कि उनका एक्सटेंशन किया जाए। ये फरियाद लेकर वे कुमारी सेलजा से मिलने भी पहुंचे। लेकिन अंदरखाने से खबर है कि उन लोगों को उन्होंने दो टूक कह दिया है- आपको मौका मिल चुका, बचे समय में दूसरों को मौका मिलेगा।

ऐसे तकरीबन 35 लोग हैं, जिनका कार्यकाल खत्म होने वाला है या हो गया है। इन लोगों की जगह अब चार-पांच महीने दूसरे कांग्रेसियों को मौका मिलेगा। इससे कई असंतुष्ट नेताओं को संतुष्ट करने का प्रयास होगा। नवंबर में चुनाव होने हैं, दिसंबर में रिजल्ट आएगा। इस तरह पांच महीने तक तो नए लोगों को किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी। सरकार रिपीट हुई, तो कार्यकाल आगे चलता रहेगा।

सीएम की लगी फटकार, तो एक्टिव हुई पुलिस

क्राइम कंट्रोल को सड़कों पर उतरे डीआईजी से लेकर एसएसपी तक, देर रात कर रहे जांच

रांची, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में अपराधियों ने बड़ी-बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया। इन घटनाओं को नियंत्रित करने में राज्य की पुलिस विफल रही। पुलिस की इस विफलता से नाराज सीएम हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित राज्य के तमाम बड़े पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई। सीएम ने डीजीपी से साफ तौर पर बोला कि आपको खुली छूट दी हुई है तो यह हाल क्यों?

15 दिनों में विधि व्यवस्था सुधारें वरना कार्रवाई की जाएगी। सीएम की इस फटकार के बाद पुलिस महकमा रेस हो गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चल रहे हैं। वहीं राजधानी रांची में सीएम की फटकार के बाद पुलिस की नींद ऐसी खुली कि देर रात सड़कों पर थाना प्रभारी से लेकर एसएसपी और डीआईजी तक नजर आ रहे हैं। राजधानी रांची के मेन रोड और विभिन्न क्षेत्रों में रविवार की देर रात सड़कों पर पुलिस महकमें के तमाम बड़े अधिकारी नजर आए। रांची जोन के डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी किशोर कौशल सहित तमाम अधिकारी जांच करते दिखे। एसएसपी और डीआईजी देर रात शहर के कई थाना क्षेत्रों में गए और रात में ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को निर्देश दिए। वहीं कई जगहों पर कार चालकों को रोक कर एसएसपी खुद पूछताछ करते दिखे। शुक्रवार को सीएम हेमंत सोरेन की फटकार के बाद से पुलिस पहले अपने-अपने थाना क्षेत्रों में एक्टिव हुई। पान गुमटी

और चाय के अड्डों पर बेवजह बैठे लोगों को घर जाने को कहा। वहीं नशेड़ियों पर भी कार्रवाई की। मोरहाबादी में दो दिनों तक लगातार पुलिस ने अभियान चलाया। इसके बाद रविवार को राजधानी के तमाम हिस्से में पुलिस चौकस दिखी। पुलिस के इस एक्टिव रवैया का असर भी दिखना शुरू हो गया है। अपराधियों के बीच हड़कंप मच गई है। वहीं शाम ढलने से लेकर देर रात तक अड्डाबाजी करने वाले नशेड़ी और शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले लोग दिखाई देने बंद हो गए हैं। पुलिस के क्राइम कंट्रोल का असर दिख रहा है।

डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित तमाम बड़े अधिकारियों के साथ हुई वेटिंग में सीएम हेमंत सोरेन काफी नाराज दिखे। उन्होंने अधिकारियों को कड़े तेवर में स्पष्ट निर्देश दिया कि 15 दिनों में अपराध पर लगाम लगाएं। विधि व्यवस्था में सुधार लाएं वरना संबंधित पुलिस अधिकारी बक्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने डीजीपी से कहा था कि पिछले कुछ दिनों में अपराधियों ने विधि व्यवस्था को धता बताते हुए कई जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। किसी भी हाल में ऐसे अपराध स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

मुंह में छिपकली घुसने से घर के पास खेल रहे तीन साल के बच्चे की मौत

कोरबा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बांकीमोंगरा में तीन वर्षीय मासूम बच्चे के मुंह में छिपकली घुस जाने से उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद से पूरे गांव में मातम छा गया। बताया जा रहा है कि बच्चे की कुछ सामान लेने के लिए बाहर दुकान पर गई थी और बच्चा घर पर अकेला था। इसी दौरान यह घटना हुई। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मोहल्ले में रहने वाले राजकुमार पांडेय ने बताया कि उनका सबसे छोटा बेटा जगदीश पांडेय घर के पास खेल रहा था। जबकि उसकी मां पास में ही मौजूद दुकान में कुछ सामान लेने गईं हुई थी। इसी दौरान छिपकली मासूम के मुंह में घुस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घरेलू गैस सिलेंडर फटा, 10 लोग घायल

गैस सिलेंडर कर रहा था लीक, आग जलाते ही हुआ विस्फोट, पांच की स्थिति गंभीर

पलामू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अररुआ खुर्द गांव में घरेलू गैस सिलेंडर फटा है। इस सिलिंडर विस्फोट में लगभग 10 लोगों के घायल होने की सूचना है। जिसमें से पांच की हालत काफी नाजुक है। बताया जा रहा है कि विस्फोट भयंकर हुआ है। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो सभी मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया। घायलों को पहले हरिहरगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां से गंभीर लोगों को पलामू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। कुछ लोग बिहार के औरंगाबाद इलाज के लिए चले गए हैं। पुलिस की ओर से मिली

जानकारी के अनुसार सिलिंडर विस्फोट की घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अररुआ खुर्द में मस्जिद के पास रहने वाले आजम रिजवी के घर की है। इनके घर के किचन में रखा सिलिंडर लीक कर रहा था। घर की महिलाएं जैसे ही किचन पहुंची और खाना बनाने के लिए गैस चूल्हे को जलाया वहां आग भड़क उठा। मौके पर आग तेजी से फैला। आग फैलने से गैस सिलिंडर में विस्फोट हो गया। विस्फोट और आग के लपटों की जद में 10 से अधिक लोग आ गए। बताया जा रहा है कि इसमें बच्चे भी शामिल हैं। घटना में घर के तीन बच्चे तीन महिलाएं समेत परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं।

मामले की छानबीन जारी

विस्फोट के बाद मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस तहकीकात में जुटी हुई है। वहीं सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी को इलाज के लिए हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

महिलाएं और बच्चे काफी गंभीर रूप से झुलसे हैं। सभी को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

बीजेपी नेता प्रीतपाल बेलचंदन गिरफ्तार

सहकारी बैंक का अध्यक्ष रहते 14 करोड़ का घोटाला किया, जमानत याचिका खारिज

दुर्ग, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के दिग्गज नेता और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी जिला कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद की है। प्रीतपाल पर 2014 से 2020 के बीच जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग का अध्यक्ष रहते हुए 14.89 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है।

प्रीतपाल बेलचंदन भाजपा 2008 में विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। भाजपा शासन काल में साल 2014 में उन्हें जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का अध्यक्ष बनाया गया था। इनके कार्यकाल में 14.89 करोड़ रुपए से ज्यादा के गबन का मामला सामने आया था।

इसे लेकर दो साल पहले बैंक

के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) पंकज सोढी ने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन सहित संचालक मंडल पर बिना अनुमति अनुदान राशि और एकमुश्त समझौता योजना में छूट देने का आरोप लगाया था।

धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था

पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी की धारा 420 सहित धारा 409, 467, 468, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया था। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए बेलचंदन ने जिला अपर सत्र न्यायाधीश शैलेष कुमार तिवारी की अदालत में जमानत की याचिका लगाई थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सोमवार तड़के बेलचंदन के घर छापेमार कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक बेलचंदन को कोतवाली थाने में रखा गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

अपनी मनमर्जी से कर रहे बैंक का संचालन

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में प्रीतपाल बेलचंदन और निर्वाचित संचालक मंडल जून 2015 से जून 2020 तक कार्यरत रहा। इस दौरान उन्होंने नियम कायदों को ताक में रखकर अपनी मर्जी से वहां का संचालन किया और करोड़ों रुपए का गबन किया।

उन पर आरोप है कि उन्होंने पंजीयक सहकारी संस्थाएं से बिना अनुमति लिए 234 मामलों में 1313.50 लाख की अनुदान राशि गोदाम निर्माण के लिए दी थी। इतना ही नहीं अगस्त 2016 से जून 2019 तक एकमुश्त समझौता योजना में नियमों के विपरीत जाकर 186 मामलों में 175.61 लाख की छूट प्रदान की।

248 पन्नों की जांच रिपोर्ट में बताया गया दोषी

बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन और निर्वाचित संचालक मंडल पर धोखाधड़ी का आरोप लगने के बाद इसकी जांच तत्कालीन कलेक्टर से कराई गई थी।

कलेक्टर के निर्देश पर तत्कालीन एडीएम बिरेन्द्र बहादुर पंचभाई, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं विनोद कुमार बुनकर, ऑडिटर अजय कुमार और कोऑपरेटिव इंस्पेक्टर एके सिंह की संयुक्त जांच टीम गठित की गई थी। इस टीम ने जांच कर 248 पन्नों की रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी थी। इसमें बैंक के आर्थिक नुकसान की बात कहते हुए बेलचंदन को दोषी बताया गया है।

कारोबारी अनवर ढेबर को मिली बड़ी राहत

कोर्ट ने मंजूर की अंतरिम जमानत

बिलासपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कारोबारी अनवर ढेबर के मामले में सोमावार को बिलसापुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अनवर ढेबर ने अंतरिम जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। कारोबारी अनवर ढेबर को कोर्ट द्वारा मेडिकल ग्राउंड पर राहत मिली है। यह सुनवाई जस्टिस दीपक तिवारी की सिंगल बेंच में हुई है। बता दें कि कारोबारी अनवर ढेबर को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। याचिकाकर्ता अनवर ढेबर के अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कारोबारी अनवर ढेबर को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने ढेबर को 3 हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। ढेबर ने मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कारोबारी अनवर ढेबर को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद बिलासपुर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अंतरिम जमानत याचिका को मंजूर कर ली गई है। हाईकोर्ट में आगामी सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब प्रस्तुत किया जाएगा।

महिला कर्मचारी से रोज करता था छेड़खानी

मना करने पर बोलता- दोस्ती कर लो, वेतन बढ़ा दूंगा

कांकेर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में पुलिस ने आजीविका मिशन के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह अपनी अधीनस्थ महिला कर्मचारी से छेड़खानी और अश्लील हरकत करता था। महिला कर्मचारी लंबे समय से उसकी हरकतों से परेशान थी। महिला ने इसकी शिकायत विधायक से भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उसने रविवार शाम पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी।

इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हया है। मामला चरामा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि, अनिल मिश्रा, चारामा ब्लाक में ग्रामीण आजीविका मिशन के परियोजना प्रबंधक है। अधीनस्थ महिला कर्मचारी ने शिकायत दर्ज कराई कि ड्यूटी के दौरान अनिल मिश्रा अभद्र हरकतें करता है। आरोप है कि जब अनिल मिश्रा ने छेड़खानी का प्रयास किया तो महिला ने मना किया।

इस पर आरोपी ने उससे कहा कि मुझसे दोस्ती कर लो, तुम्हारा वेतन बढ़ा दूंगा। इसके बाद जबरदस्ती कंधे पर हाथ रखा और अन्य जगहों पर छूने लगा। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने अनिल मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। महिला कर्मचारी ने बताया कि उसने मामले की शिकायत पहले भानुप्रतापपुर विधायक से भी की थी, लेकिन सप्ताह भर बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह थाने पहुंची और आवेदन दिया।

आरोपी के खिलाफ पहले भी कोडागांव जिले के माकड़ी और कांकेर में ही महिलाओं से अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायते मिली थी, लेकिन ऊंची पहुंच रखने वाले आरोपी पर कार्रवाई नहीं हो पाई।

इस बार भी उसके बच निकलने की आशंका थी, लेकिन महिला कर्मचारी खुद थाने पहुंच गई और उसके खिलाफ मामला दर्ज करा दिया।

बढ़ते बांग्लादेशी घुसपैठ पर चिंतित राज्यपाल

मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री से सीपी राधाकृष्णन ने की चर्चा, आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं बांग्लादेशी

रांची, 24 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में बढ़ रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने चिंता जाहिर की है। राज्यपाल ने कहा है कि आदिवासियो की परंपरा यहां की जनसंख्या और इनकी जीवनशैली पर असर नहीं पड़ना चाहिए। राज्यपाल ने कहा है कि इस मुद्दे पर मैंने मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री से बात की है। सीपी राधाकृष्णन ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में बांग्लादेश हो रहे घुसपैठ पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, यह बहुत खतरनाक है क्योंकि विदेशियों की घुसपैठ आदिवासियों

की जीवनशैली उनकी परंपरा को बदल देगी। खासकर जब वे आकर आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं, यह तो चिंताजनक है। हमें इसे लेकर बहुत सतर्क रहना होगा। मैंने इस मुद्दे को सीएम के साथ-साथ मुख्य सचिव के सामने भी उठाया है। आदिवासी परंपरा नहीं बदलनी चाहिए और विदेशियों की घुसपैठ से झारखंड की जनसांख्यिकी नहीं बदलनी चाहिए। हमें इस बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए। राज्य में बढ़ते बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आवाज उठाई है। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इसे लेकर पहले भी कई बार ट्वीट किए हैं और सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी खास बातचीत में बांग्लादेशी घुसपैठ को एटम बम से भी ज्यादा खतरनाक बताया था।

चीनी विदेश मंत्री एक महीने से लापता

राष्ट्रपति से दुश्मनी या अमेरिकी टीवी एंकर से अफेयर पड़ा भारी?

बीजिंग, 24 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के 57 वर्षीय विदेश मंत्री किन गैंग को एक महीने से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। वह अपने तय कार्यक्रमों में विदेशी नेताओं से नहीं मिल रहे हैं। चीन का विदेश मंत्रालय भी उनके बारे कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। इसके चलते चीन में अटकलों का दौर तेज हो गया है। कुछ लोगों का मानना है कि चीन के विदेश मंत्री तो टीवी एंकर के साथ अफेयर करना महंगा पड़ गया। वहीं कुछ का कहना है गैंग की लोकप्रियता के कारण राष्ट्रपति उनके दुश्मन बन गए हैं। ऐसे में एक बार फिर से चीन में बड़े फेरबदल की आशंका जताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किन को संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत के रूप में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद दिसंबर में विदेश मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया था।

वाशिंगटन को लगाई थी फटकार

गैंग पेशेवर राजनयिक हैं और उन्हें चीनी नेता शी जिनपिंग के भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। विदेश मंत्री के रूप में किन ने अमेरिका के ऊपर छोड़े गए एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे के मुद्दे पर वाशिंगटन को कड़ी फटकार लगाई थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी खटास आ गई थी। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच खराब संबंधों को सुधारने और बातचीत बहाल करने के प्रयासों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें जून के मध्य में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की बीजिंग यात्रा के दौरान मुलाकात शामिल है।

किन गैंग साल 2022 के दिसंबर में चीन के विदेश मंत्री बने थे। वह अपने जवाब देने और कूटनीतिज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। गैंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था।

ऐसा माना जाता है कि उन्होंने हाल ही में चीन के अपनाए गए 'वुल्फ वॉरियर' वाले डिप्लोमेटिक स्टाइल से खुद को अलग कर लिया था। इसकी वजह कम्युनिस्ट सरकार के नेतृत्व से उनकी नाराजगी थी।

गैंग ने कहा था कि साल 2020 में पश्चिम में चीन की छवि खराब हो गई थी। इसका कारण यूरोपीय और अमेरिकियों, खासतौर पर मीडिया ने कभी भी चीन की राजनीतिक व्यवस्था या उसके आर्थिक उत्थान को स्वीकार नहीं किया था।

संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत के रूप में कार्य करते हुए किन ने वाशिंगटन में सार्वजनिक और मीडिया कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाई थी। इसमें उन्होंने चीन के हालातों के बारे में बताया था।

चीन के विदेश मंत्री किन गैंग को 4 जुलाई को यूरोपीय यूनियन के फॉरेन पॉलिसी चीफ जोसेफ बोरेल से मिलना था, लेकिन इस बैठक की तारीख अचानक से आगे बढ़ा दी गई। बोरेल को दो दिन पहले इसकी जानकारी दी गई और बैठक टालने का कोई कारण भी नहीं बताया गया।

मंत्री के रूप में जब उनकी नियुक्ति हुई तो गैंग ने अफ्रीका, यूरोप और मध्य एशिया का दौरा किया। इसके साथ-साथ बीजिंग में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी करते हुए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया। किन को 25 जून के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्हें सबसे अंतिम बार बीजिंग में रूस के उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेंको से मुलाकात के दौरान देखा गया था।

दो हफ्ते बाद इंडोनेशिया में उच्च स्तरीय आसियान शिखर सम्मेलन हुआ। इसमें चीन के विदेश मंत्री ने भाग नहीं लिया। उनकी इस अनुपस्थिति से ही सवाल उठने लगे कि आखिर गैंग गए कहां।

गैंग के गायब होने पर चीन के विदेश मंत्रालय ने सफाई पेश की है। उसका कहना है कि तबीयत खराब होने की वजह से गेंग नहीं जा पाएंगे। हालांकि, इस सफाई से सोशल मीडिया पर उड़ने वाली अफवाहों को रोकने में कुछ खास मदद नहीं मिली है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि हर कोई जानना चाहता है, लेकिन सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि स्थिति को बनाए रखने और जनता के जानने के अधिकार का सम्मान करने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है।

विदेश मंत्रालय ने किन की अनुपस्थिति के बारे में कई सवालों को टाल दिया है। जैसे उनके स्थान पर चीन का प्रतिनिधित्व कौन कर रहा है? उनकी जगह दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कौन कर रहा?

यह नेता भी हो चुका है गायब

चीन में बिना किसी स्पष्टीकरण के किसी वरिष्ठ नेता का इस तरह से लंबे वक्त के लिए सार्वजनिक तौर पर न दिखना कोई असाधारण बात नहीं है। इससे पहले साल 2012 में शी जिनपिंग भी गायब हो चुके हैं। जिनपिंग का चीन का राष्ट्रपति बनना लगभग तय था। तभी 1 सितंबर को वह गायब हो गए थे। वह अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन जैसी विदेशी नेताओं के साथ पहले से तय बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। दो हफ्ते बाद 15 सितंबर वह लोगों के सामने आए और 15 नवंबर 2012 को चीन के राष्ट्रपति बने।

कार चोरी के लिए भारतीय छात्र की हत्या

पिज्जा डिलीवरी के दौरान किया हमला

टोरंटो, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा में एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र पर कार चोरी के दौरान जानलेवा हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक भारतीय छात्र कॉलेज की छुट्टियों में पिज्जा डिलीवरी का काम कर रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक छात्र की पहचान गुरविंदर नाथ के रूप में हुई है। घटना कनाडा के मिसिसॉगा के ब्रिटानिया एंड क्रेडिटव्यू रोड की है।

पिज्जा डिलीवरी के दौरान किया हमला

खबर के अनुसार, गुरविंदर, कनाडा के एक बिजनेस स्कूल में फाइनल सेमेस्टर का छात्र था और ब्रैम्पटन इलाके में रह रहा था। फिलहाल उसके कॉलेज की गर्मियों की छुट्टियां चल रहीं थी। ऐसे में गुरविंदर ने पिज्जा डिलीवरी का काम करना शुरू कर दिया था। बीती नौ जुलाई को गुरविंदर देर रात करीब 2.10 बजे पिज्जा डिलीवरी करने गया था। तभी कुछ लोगों ने उसकी गाड़ी चुराने की कोशिश की। गुरविंदर ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सिर में गंभीर चोट की वजह से हुई मौत

हमले में गुरविंदर के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा था। हालांकि 14 जुलाई को हालत बिगड़ने पर गुरविंदर की मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि घटना में कई आरोपी हैं और पिज्जा की डिलीवरी भी साजिश के तहत दी गई थी। हमले के बाद शायद आरोपियों को भी अंदेशा हो गया था, इसलिए वह भी घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर गाड़ी को छोड़कर फरार हो गए।

कनाडा में भारत के महावाणिज्यदूत सिद्धार्थ नाथ ने भारतीय युवक की मौत पर दुख जताया और परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की। नाथ ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में जिस तरह से भारतीय मूल के लोगों ने पीड़ित के परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं, वह देखना काफी सुखद है। उन्होंने कहा कि इस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती लेकिन इससे पीड़ित परिवार को थोड़ी मदद जरूर मिलेगी। कनाडा स्थित उच्चायोग की मदद से गुरविंदर का शव 27 जुलाई को भारत पहुंचेगा। वहीं भारतीय युवक की हत्या के विरोध में मिसिसॉगा के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला।

यूक्रेन के ड्रोन से मॉस्को भी सुरक्षित नहीं?

रूसी रक्षा मंत्रालय ने किया हमले का दावा, लोगों में दहशत

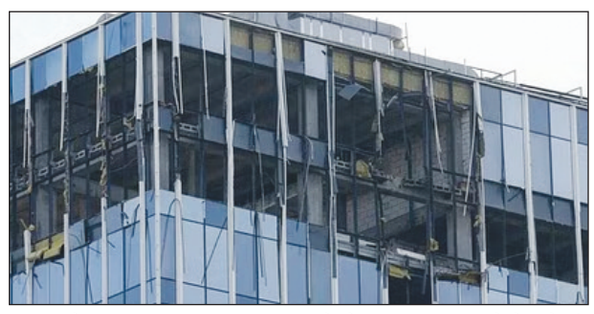

मॉस्को, 24 जुलाई (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को अब करीब डेढ़ साल होने वाले हैं। इस बीच जहां रूस की सेना लगातार यूक्रेन में अपने हमलों को तेज कर रही है, वहीं यूक्रेनी सेना भी जबरदस्त पलटवार में जुटी है। कुछ दिनों पहले ही रूस ने दावा किया था कि यूक्रेन के कुछ ड्रोन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास तक पहुंच गए। इस बीच अब एक बार फिर रूस के रक्षा मंत्रालय के पास ड्रोन्स के कुछ टुकड़े पाए गए हैं, जिससे मॉस्को में हलचल मच गई है।

रूस का कहना है कि सोमवार सुबह यूक्रेन के दो ड्रोन्स को मॉस्को के आसमान में मार गिराया गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि कीव ने मॉस्को में ड्रोन्स के जरिए आतंकी घटना को अंजाम देने की कोशिश की। हालांकि, इन हमलों को रोक लिया गया। दोनों यूक्रेनी ड्रोनों को कुचल दिया गया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं, मॉस्को के मेयर ने बताया कि हमला सोमवार तड़के 4 बजे हुआ। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

इस बीच रूस की एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने हमले वाली जगहों का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक बड़ी इमारत टूटी देखी जा सकती है। इनमें से एक मंत्रालय के करीब शहर के केंद्र में जा गिरा। यूक्रेन ने एक दिन पहले ही ओडेशा स्थित काला सागर बंदरगाह पर रूसी मिसाइल हमले का बदला लेने की बात भी कही थी।

रक्षा मंत्रालय के पास से बरामद हुए ड्रोन के टुकड़े

रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक, ड्रोन्स के यह टुकड़े मॉस्को की कोम्सोमोल्स्की एवेन्यू से बरामद किए गए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह ड्रोन्स पहले से इस हालत में मिले हैं या इन्हें मार गिराया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं है।

बताया गया है कि दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण मॉस्को के रहने वाले कुछ लोगों ने धमाकों की आवाजें भी सुनी थीं। गौरतलब है कि कोमसोमोल्स्की एवेन्यू रूस के केंद्रीय प्रशासनिक जिले के करीब है, जहां से रूस का रक्षा मंत्रालय भी काफी नजदीक है।

मई में पुतिन के आवास के करीब देखे गए थे ड्रोन

इससे पहले इसी साल मई में रूस ने आरोप लगाया था कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या के लिए उनके आवास पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। क्रेमलिन ने इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया था और जवाब देने के उसके अधिकार तहत कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी थी।

रूस की तरफ से पूरी घटना का ब्योरा देते हुए कहा गया था कि दो मानवरहित व्हीकल (ड्रोन) को रूस की ओर भेजा गया था। उनके निशाने पर राष्ट्रपति पुतिन का आवास था। ड्रोन्स को मार गिराया गया। हमले में पुतिन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ग्रीस के कई जंगलों में लगी भीषण आग

ग्रीस, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रीस में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसकी वजह से यहां के जंगल आग की चपेट में आते जा रहे हैं। इससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आग ने इतना भीषण रूप ले लिया है कि तमाम रिहायशी इलाके भी चपेट में आ गए हैं। हजारों लोग रोड्स द्वीप छोड़कर चले गए हैं। वहीं, पर्यटक आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।

दरअसल, इन दिनों ग्रीस में अधिक संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं। ऐसे में जंगल में लगी आग लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। रोड्स से जैसे-तैसे पर्यटक निकलकर घर जाने के लिए संघर्ष कर रहे थे कि इस बीच एक और जगह आग लग गई।

लोकप्रिय यूनानी द्वीप कोर्फू के जंगल में आग लगने की सूचना मिली है। रोड्स के जंगल में लगी आग पर काबू पाने व लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए दमकल कर्मचारी लगे हुए है। भूमि और समुद्र के रास्ते से निकासी जारी है। ऐसे में कहा जा रहा है कि ग्रीस में पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जंगल की आग की वजह से अपना घर छोड़ना पड़ा है।

ओवल ऑफिस में बाइडन-मोदी की गुप्त बैठक में चीन था मुख्य मुद्दा

वरिष्ठ अफसर का खुलासा

वाशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन की पिछले महीने हुई गुप्त मुलाकात को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का कहना है कि ओवल कार्यालय में बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने चीन और उसके प्रमुख शी जिनपिंग पर सबसे अधिक चर्चा की।

नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि ओवल कार्यालय में हुई बैठक में मोदी और बाइडन के बीच हुई चर्चा का प्रमुख मुद्दा चीन था। दोनों ने अधिकांश समय चीन और शी के साथ उनके अनुभवों के बारे में चर्चा करने में बिताया था। उन्होंने कहा कि दोनों ही लोग शी को लंबे समय से जानते थे और उनके साथ संबंध सुधारने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे थे। हालांकि,अब दोनों नेताओं ने हार मान ली।

ड्रैगन एक बड़ा खतरा

अधिकारी ने कहा कि चीन हमारे रिश्तों को जोड़ने के लिए जरूरी नहीं है। लेकिन वह एक कारण है, जिसकी वजह से हम काफी लंबे समय तक एक साथ रहने वाले हैं।

अधिकारी ने आगे कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों का मानना है कि चीन उनके लिए एक बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा है। बाइडन प्रशासन सोचता है कि बीजिंग को संभालने के मामले में नई दिल्ली वाशिंगटन से आगे रही है।

पिछले महीने अमेरिका गए थे पीएम मोदी

गौरतलब है, प्रधानमंत्री मोदी 21 से 23 जून के बीच अमेरिका की राजकीय यात्रा पर थे। 22 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ने सुबह व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री का स्वागत किया था। बाद में उसी दिन शाम को राजकीय रात्रिभोज में बाइडन और मोदी ने आठ घंटे से अधिक समय तक एक साथ समय बिताया था।

चीन से मुकाबला करने में भारत आगे

अधिकारी ने बताया कि नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की अवर सचिव उजरा जेया ने कुछ हफ्ते पहले नई दिल्ली में दलाई लामा के साथ एक बैठक की थी और चीन के लोग इसे लेकर पागल हो गए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय कुछ मायनों में हमसे आगे थे। चीन के खतरे का मुकाबला करने के मामले में भारत आगे है। चाहे वह टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाना हो, चाहे वह बिना चीनी उपकरणों के मोबाइल नेटवर्क का निर्माण करना हो, भारत ने वास्तव में जोखिम को कम करने के लिए आगे का रास्ता दिखाया है और यही कारण है कि और इसलिए मुझे लगता है कि वे इतने आलोचनात्मक हैं।

अधिकारी ने जी-20 चर्चाओं और सभी हितधारकों को एक साथ लाने के लिए भारत द्वारा किए जा रहे संतुलन कार्य के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों ही अभी भी चीन की कई चीजों पर निर्भर हैं। जी-20 में चीन और रूस एक वास्तविक अड़चन रहा है।

मोदी दोनों देशों में बराबर लोकप्रिय

यह देखते हुए कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अब से अधिक मजबूत संबंध कभी नहीं रहे अधिकारी ने कहा कि भारत में हुए कुछ सर्वों में सामने आया है कि मोदी की लोकप्रियता लगभग 80 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि मोदी जितने लोकप्रिय भारत में हैं उतने ही अमेरिका में भी।

पाकिस्तान की यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर बेच रहे थे ड्रग्स

लाहौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की इस्लामिया यूनिवर्सिटी ऑफ बहावलपुर (आईयूबी) में ड्रग्स और ब्लैकमेलिंग के केस का खुलासा हुआ है। स्टूडेंट्स को प्रोफेसर्स का एक गिरोह ही ड्रग्स बेच रहा था। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनके फोन्स से गर्ल्स स्टूडेंट्स के वीडियोज मिले हैं। आरोप है कि इन वीडियोज के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल किया जा रहा था। सरकार ने इस केस को दबाने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए स्कैंडल सामने आ ही गया। यूनिवर्सिटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर को बर्खास्त करने के बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया है। पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' ने इस ड्रग्स रैकेट पर तफ्सीली रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें पुलिस का बयान भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक- आईयूबी में ड्रग्स रैकेट पर कई दिनों से जानकारी मिल रही थी। जांच में पाया गया कि यूनिवर्सिटी के कुछ प्रोफेसर्स ही इस रैकेट को चला रहे थे। छापे के दौरान एक प्रोफेसर से हेरोइन बरामद भी हुई। पुलिस इस मामले की जांच जून से कर रही थी, हालांकि सबूत न मिलने की वजह से आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेना मुमकिन नहीं था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद 28 जून को यूनिवर्सिटी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से काफी ड्रग्स बरामद हुए।

रूस की सड़क पर लोगों से मिले पुतिन

ब्राइड के साथ फोटो खिंचाया, तीन हफ्ते पहले 8 साल की बच्ची को मिलने ऑफिस बुलाया था

सेंट पीटर्सबर्ग, 24 जुलाई (एजेंसियां)। वैगनर आर्मी की बगावत के बाद से पुतिन लगातार लोगों के बीच जा रहे हैं। रविवार को एक रूसी दुल्हन से मिलते हुए पुतिन का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको भी उनके साथ हैं। वीडियो रूस के क्रोंसटाट शहर की है, जिसे रूसी मीडिया हाउस आरटी ने शेयर किया है। वीडियो में पुतिन शादी के बाद चर्च से बाहर आई ब्राइड के साथ फोटो खिंचवाते दिखाई दे रहे हैं। वहीं पुतिन को देखने और उनसे मिलने के लिए भीड़ जुटी दिखाई दे रही है। प्रिगोजिन के तख्तापलट की कोशिशों के बाद पुतिन पहले के मुकाबले ज्यादा पब्लिक में दिख रहे हैं। 4 जुलाई को उन्होंने एक 8 साल की बच्ची को मुलाकात के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। पुतिन ने फाइनेंस मिनिस्टर को कॉल कर बच्ची की उनसे बात भी कराई थी। पिछले महीने रूस की प्राइवेट मिलिट्री ने पुतिन के खिलाफ बगावत कर दी थी। वैगनर के चीफ और कभी पुतिन के रसोइये रह चुके येवगेनी प्रिगोजिन ने अपने लड़ाकों के साथ रूस के रोस्तोव शहर पर कब्जा कर लिया था और रूस की ओर बढ़ गए थे। हालांकि, ये बगावत 36 घंटे के भीतर खत्म हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसका पुतिन की ताकतवर नेता वाली छवि पर काफी असर पड़ा था। जर्मनी और पश्चिमी देश के नेताओं ने कहा था कि प्रिगोजिन की बगावत से रूस पर पुतिन की पकड़ कमजोर हुई।

तालिबान बोला- हमारी अंतरराष्ट्रीय मान्यता में अमेरिका सबसे बड़ा अड़ंगा

दूसरे देशों पर दबाव डाल रहा, रक्षा मंत्री ने कहा- अल कायदा है ही नहीं तो लड़ें किससे

काबुल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान में उनकी सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने में अमेरिका सबसे बड़ा अड़ंगा है। अरबी न्यूज चैनल को दिए एक इंटरव्यू के दौरान तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने ये बातें कही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। हम उन देशों से मान्यता की अपील करते हैं जो अमेरिका के दबाव में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया के ताकतवर इस्लामिक देश हमें सरकार के तौर पर पहचानें।

'अमेरिका हमारे एयर स्पेस में घुसपैठ कर रहा'

आतंकी संगठन अल-कायदा से लड़ने में अमेरिका का साथ देने के सवाल पर मुजाहिद ने कहा कि वो अफगानिस्तान में मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि अलकायदा अफगानिस्तान में है ही नहीं तो लड़ेंगे किससे। उन्होंने कहा कि अमेरिका बार-बार उनके एयरस्पेस में घुसपैठ कर रहा है। उन्हें ये बंद करना होगा।

मुजाहिद ने कहा कि इस बात को बार-बार कहा गया है कि अफगानिस्तान की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और किसी भी देश की जमीन का इस्तेमाल अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं किया जाना चाहिए, फिर भी अमेरिका नहीं मानता है।

मुजाहिद ने कहा- अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बातचीत करने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर सउदी अरब उन्हें मान्यता देने को तैयार हो जाता है तो वो 58 और मुस्लिम देशों से बातचीत करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, अफगानिस्तान में बैन हुए ब्यूटी पार्लर को लेकर तालिबान ने कहा है कि वो निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। इसलिए बैन करने का कदम उठाया गया था। मई 2021 में अमेरिका ने अचानक अफगानिस्तान में तालिबान से लड़ रही अपनी सेना को वापस बुला लिया था। अपने नागरिकों समेत उन लोगों को भी निकाला जिन्होंने तालिबान से लड़ने में अमेरिका की मदद की थी। अब अफगानिस्तान के ही पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने दावा किया है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए तालिबान के साथ बैठकें कर रही है।

अमेरिका ने साउथ कोरिया भेजी एक और परमाणु पनडुब्बी

नॉर्थ कोरिया भागे सैनिक को वापस लाएगा अमेरिका, किम जोंग के अधिकारी नहीं कर रहे बात

सियोल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने सोमवार को एक और परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया भेजी है। इसका नाम यूएसएस एनापोलिस है। साउथ कोरिया भेजी गई ये अमेरिका की दूसरी परमाणु पनडुब्बी है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने 1983 के बाद पहली बार साउथ कोरिया में यूएसएस केंटकी नाम की पनडुब्बी भेजी थी। तब नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। साथ ही कई मिसाइलें भी दागीं थीं।

नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका की इन हरकतों से कोरिया में परमाणु जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। एनापोलिस परमाणु पनडुब्बी को फिलहाल जेजू आईलैंड पर डॉक किया गया है। एनापोलिस का मेन मिशन दुश्मन के जहाजों और सबमरीन को तबाह करना होता है। वहीं, अमेरिका ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया भागे अपने सैनिक को वापस लाने किम जोंग उन की सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया भागे अमेरिकी सैनिक पर चुप हैं किम जोंग उन

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया भागे अपने सैनिक ट्रेविस किंग की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि हम नॉर्थ कोरिया से बात करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन की तरफ से कोई बात नहीं की जा रही है। एपी ने एनालिस्ट्स के हवाले से बताया है कि इस बात की काफी संभावनाएं हैं कि नॉर्थ कोरिया कई हफ्तों और महीनों तक अमेरिका से बात नहीं करेगा। न ही हिरासत में रखे गए अमेरिकी सैनिक को लेकर कोई जानकारी देगा। एनालिस्ट्स का कहना है कि ट्रेविस किंग के बदले नॉर्थ कोरिया अमेरिका से मांग करेगा कि वो साउथ कोरिया को दी जाने वाली मदद कम करे। अमेरिका सेना में कमांडर रह चुके रिटायर्ड जनरल रॉबर्ट अब्राम्स ने बताया कि ये सेना से जुड़ी बड़ी बात है।

सतीश पूनिया बोले- सीएम करते हैं देश-दुनिया की पंचायत

कहा- कांग्रेस सरकार रिपीट नहीं, इस बार परमानेंट डिलीट होगी

दौसा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष व बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया बीती देर शाम दौसा पहुंचे। जहां उनका पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. रतन तिवाड़ी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए पूनिया ने भाजपा द्वारा राज्य सरकार के विरोध में जारी किए गए नहीं सहेगा राजस्थान कैम्पेन को लेकर कहा यह नारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ दिया गया है कि पेपर लीक, भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार, खनन माफिया व बेरोजगारी को नहीं सहेगा राजस्थान।

उन्होंने कहा कांग्रेस नेताओं को लगता होगा कि उनकी सरकार रिपीट होगी, लेकिन मुझे लगता है इस बार कांग्रेस परमानेंट डिलीट होगी।

पूनिया ने कहा मुख्यमंत्री को उन्हीं के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने विधानसभा में आइना दिखा दिया कि राज्य की कानून व्यवस्था कितनी बदतर है और मुख्यमंत्री देश-दुनिया की पंचायती करते हैं।

यही नहीं विधायक भरत सिंह कुंदनपुर की चिट्ठी और रामनारायण

मीणा के विधानसभा में बयानों से साफ होता है कि कांग्रेस की गलतफहमी चुनाव आते-आते दूर हो जाएगी।

सीएम बताए- 10.92 लाख मुकदमे क्यों दर्ज हुए?

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बुनियादी व वैचारिक रूप से तरक्की की है। मणिपुर में जिस तरह के हालात थे उन्हें काबू में लिया गया है। लेकिन राजस्थान की बात करें तो मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि 10 लाख 92 हजार मुकदमे क्यों दर्ज हुए। प्रतिदिन 17 बलात्कार व 7 हत्याएं क्यों होती हैं। कांग्रेस की महिला विधायक ने तो यहां तक कहा कि वे सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में राज्य के मुद्दों से बचने के लिए मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों के मुद्दों की बात करते हैं।

कांग्रेस को सत्ता से बाहर करना मुख्य उद्देश्य

आगामी विधानसभा चुनाव में सीएम फेस के सवाल पर पूनिया ने कहा हमारी पार्टी में किसी पद के लिए दौड़ व होड़ नहीं है। जिस कार्यकर्ताओं को पार्टी जो भी जिम्मेदारी देती है, वह उसके लिए काम करता है। निर्णय पार्टी का संसदीय दल करता है, इसलिए अभी ऐसा कोई पूर्व निर्धारित एजेंडा नहीं है। वर्तमान में सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस पार्टी को सत्ता से बाहर करना मुख्य उद्देश्य है। क्योंकि डबल इंजन की सरकार ही राजस्थान का विकास कर सकती है।

27 जुलाई को सीकर आएंगे पीएम मोदी

उन्होंने कहा भाद्रपद महीने में नागौर में तेजाजी महाराज का बड़ा मेला आयोजित होता है, जहां प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि किसानों के खाते में ट्रांसफर करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उसमें बदलाव होने के बाद प्रधानमंत्री अब 27 जुलाई को शेखावटी सीकर से किसान सम्मान निधि जारी करेंगे।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रतन तिवाड़ी ने उपनेता प्रतिपक्ष को नीलकंठ महादेव की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा, एसटी मोर्चा प्रदेश मंत्री महेंद्र चांदा, सिकंदरा मंडल अध्यक्ष विश्वंभर बांसड़ा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक गुर्जर, महिला मोर्चा जिला महामंत्री गौरी देवी पाटन समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा में मारपीट, गुढ़ा ने धारीवाल का माइक खींचा

स्पीकर के सामने लाल डायरी लहराई, हंगामा बर्खास्त मंत्री को मार्शल बुलाकर सदन से बाहर निकाला

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के पहुंचते ही राजस्थान विधानसभा में आज जमकर हंगामा हुआ। गुढ़ा लाल डायरी लेकर पहुंचे, स्पीकर के सामने वो डायरी लहराने लगे। गुढ़ा यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल का माइक नीचे कर दिया।

दरअसल, धारीवाल गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने का प्रस्ताव रख रहे थे। दोनों में तकरार बढ़ने पर कांग्रेस विधायक रफीक खान बीच में आ गए। इस बीच, रफीक और गुढ़ा के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। धक्का-मुक्की और मारपीट के हालात बन गए। इस पर स्पीकर सीपी जोशी को विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।अब दोपहर दो बजे दोबारा कार्यवाही शुरू होगी।

इसके बाद स्पीकर ने गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने के आदेश दिए और मार्शल बुलाकर उन्हें सदन से निकलवा दिया। विधानसभा में उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

गुढ़ा की स्पीकर से नोक-झोंक, लाल डायरी लहराते रहे

इससे पहले जब राजेंद्र गुढ़ा लाल डायरी लेकर स्पीकर सीपी जोशी के सामने पहुंचे तो उन्होंने गुढ़ा से चैंबर में मिलने को कहा और वहां से तत्काल चले जाने को कहा, लेकिन गुढ़ा स्पीकर के आसन के सामने लगातार लाल डायरी लहराते रहे।

गुढ़ा की स्पीकर से नोक-झोंक होती रही। स्पीकर ने गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने तक की चेतावनी दी, वह फिर भी नहीं माने। काफी देर बाद गुढ़ा स्पीकर के सामने से हटे और संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल के सामने पहुंचकर उनका माइक खींचकर नीचे कर दिया। इसके बाद मार्शलों ने गुढ़ा को सदन से बाहर निकाल दिया।

गुढ़ा बोले- कांग्रेस के मंत्री-विधायक बलात्कारी, इनका नार्को टेस्ट करवाएं

सदन के बाहर गुढ़ा ने कहा- इस प्रदेश की हर बहन-बेटी मेरी बहन-बेटियां हैं। मैं उन्हें अपनी बहन से भी बढ़कर मानता हूं। मैं महाराव शेखाजी का वंशज हूं, जिनकी तीन पीढ़ियों ने महिला सम्मान के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया। कांग्रेस के मंत्री और विधायक बलात्कारी हैं। मंत्री-विधायकों का नार्को टेस्ट करवाना चाहिए। इनमें से बहुत-से बलात्कारी हैं।

उन्होंने कहा कि पहले सीएम साहब ने रसगुल्ले दिए थे, आज घूंसे मार दिए।

नेता प्रतिपक्ष राठौड़ बोले- गुढ़ा को लाल डायरी सदन में नहीं रखने दी

इस घटनाक्रम पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- कांग्रेस विधायकों ने जिस तरह मारपीट की है, वह निंदनीय है। सैनिक कल्याण मंत्री रहे गुढ़ा लाल डायरी लेकर आए थे। वह राज खोलना चाहते थे। आज सदन में मैंने भी लाल डायरी का मुद्दा उठाया था। गुढ़ा को बोलने नहीं दिया गया।

मार्शलों के जरिए उनके साथ मारपीट की गई। अपने ही विधायक पर कांग्रेस के विधायक जिस तरह टूट पड़े, वह शर्मनाक है। जब तक लाल डायरी का राज नहीं खुलेगा, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। सदन साक्षी था गुढ़ा ने हाथापाई नहीं की। गुढ़ा ने कहा कि मुझे बोलने दीजिए। रफीक खान ने गुढ़ा पर हमला किया।

रंधावा का मोदी पर बड़ा तंज, बडी बडी बातें करते हैं

कहा- मां अच्छी शिक्षा नहीं देती है तो बच्चा प्राइम मिनिस्टर जैसा बनता है

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पीएम मोदी पर बड़ा तंज किया है। रंधावा ने उन्हें गपोड़ शंख बताया। उन्होंने कहा- बीजेपी के पास प्राइम मिनिस्टर जैसा गपोड़ शंख है, जो बातें ही करता है, देता कुछ नहीं है।

रंधावा ने शंख की कहानी भी सुनाई। कहा- एक बार एक सज्जन कहीं जा रहे थे तो उन्हें हमारे प्राइम मिनिस्टर साहब जैसा एक संत मिल गया। उसने उन्हें एक शंख दे दिया कि इससे आप जो मांगोगे, वो मिल जाएगा। वह व्यक्ति शंख लेकर चला गया। भूख लगी तो खाना मांगा, नहीं मिला। पानी मांगा, शंख ने वो भी नहीं दिया। बाद में आकर संत से उन्होंने कहा कि इस शंख ने तो हमें भूखे मार दिया। उसने कहा- यह गपोड़ शंख है, मोदी शंख है, कुछ नहीं देता। यह एक की जगह दो बात कह देगा। दो की जगह चार बात कह देगा, लेकिन देता कुछ

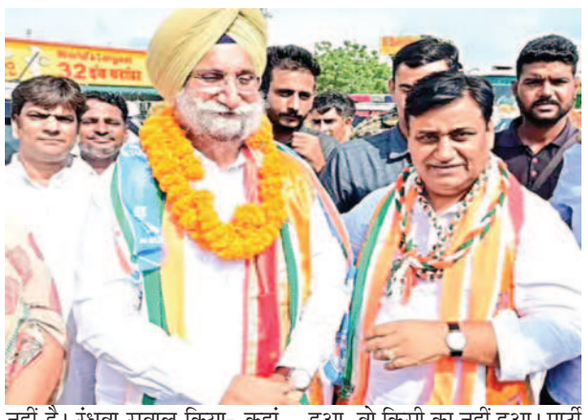

नहीं है। रंधवा सवाल किया- कहां गए 15 लाख, कहां गए हर साल एक करोड़ रोजगार? पीएम साहब काम ऐसे करने चाहिए जो दुनिया याद रखें। किसी ने स्वर्ग-नरक नहीं देखे। स्वर्ग और नरक सब यहीं हैं।

रंधावा ने कहा- मैं और मेरा परिवार शुरू से कांग्रेसी हैं। इस वजह से मैं यहां तक पहुंचा हूं। मैं यहां खड़ा हूं तो अपनी मां पार्टी की वजह से खड़ा हूं। जो पार्टी का नहीं हैं कांग्रेस मुक्त भारत बनाएंगे। कांग्रेस अब भी मजबूत है। मैं कहता हूं- हम बीजेपी मुक्त भारत बनाएंगे।

रंधावा ने कहा- केंद्र सरकार और बीजेपी कभी ईडी, कभी सीबीआई, कभी इनकम टैक्स के छापे डलवा रही है। मैंने कभी जेल में किसी भैंस को जाते हुए नहीं देखा, इंसान ही जेल जाते हैं। कांग्रेस के नेताओं ने आजादी की जंग में पूरी जिंदगी जेल में काटी। अब अगर दो तीन महीने जेल में रह लेंगे तो क्या हो जाएगा? हम डरने वाले नहीं हैं।

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- आज मणिपुर के जो हालात हैं, वो शर्मनाक हैं। किसी भी धर्म में कोई भी यह नहीं कहता कि किसी औरत की इज्जत तार-तार हो। हमारे सिख धर्म में महिलाओं को बहुत ऊंचा दर्जा दिया गया है। मणिपुर में करगिल की जंग लड़ चुका जवान कहता है कि मैंने देश की इज्जत बचाई, लेकिन अपनी औरत की इज्जत नहीं बचा सकता। हमें शर्म आनी चाहिए ऐसी घटनाओं पर, लेकिन पीएम मोदी और केंद्र सरकार को इन घटनाओं से कोई फर्क ही नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा- मणिपुर की घटना को डायवर्ट करने के लिए पीएम ने राजस्थान का नाम लिया। इसे कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। पीएम ने राजस्थान की आन, बान, शान पर चोट की है। राजस्थान की हम सब कद्र करते हैं, यह बलिदान की धरती है

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी रंधावा ने कहा- इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। लाल बहादुर शास्त्री ने जंग में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। पीएम मोदी कह रहे हैं कि 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया? प्राइम मिनिस्टर साहब आप जहां बैठे हो, वह कांग्रेस की बदौलत बैठे हो। क्योंकि कांग्रेस ने लोकतंत्र को मजबूत रखा। देश को कांग्रेस की असंख्य कुर्बानियों के बाद आजादी मिली है।

चुनाव से पहले हर घर में दस्तक

डेढ़ माह में दूसरी बार कार्यक्रम करके सरकार रसोई गैस की सब्सिडी ट्रांसफर करेगी

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में तीन महीने बाद विधानसभा चुनाव होने है, ऐसे में वोटरों को डायरेक्ट लुभाने के लिए मौजूदा गहलोत सरकार हर छोटी से लेकर बड़ी फ्लैगशीप स्कीम को ज्यादा से ज्यादा प्रचारित कर रही है। करीब डेढ़ माह पहले ही सरकार ने इंदिरा गांधी गैस सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को एक बड़ा आयोजन करके सब्सिडी की राशि ट्रांसफर की थी, लेकिन अब वापस ऐसा ही एक प्रोग्राम दोबारा किया जा रहा है। 25 जुलाई को प्रस्तावित इस कार्यक्रम में 37 लाख लाभार्थियों को दो माह की सब्सिडी एक साथ उनके बैंक खातों क्रेडिट की जाएगी।

इस लाभार्थी उत्सव में खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अनुदान राशि डीबीटी के जरिए ट्रांसफर करेंगे। लाभार्थी उत्सव के जरिए सरकार ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहती है । इस योजना के जरिए सरकार बीपीएल और उज्जवला कनेक्शधारियों को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवा रही हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 25 जुलाई को प्रस्तावित ये कार्यक्रम पूरे प्रदेश में होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री निवास पर और जिला स्तरीय लाभार्थी उत्सव का आयोजन सभी जिला मुख्यालयों एवं 16 नवघोषित जिलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाया जाएगा।

गौरतलब हैं कि 5 जून को आयोजित लाभार्थी उत्सव में मुख्यमंत्री गहलोत ने 14 लाख लाभार्थियों के खाते में 60 करोड़ की गैस सब्सिडी राशि ट्रांसफर की थी। वर्तमान में केन्द्र सरकार आमजन को रसोई गैस सिलेण्डर 1106 रुपए में उपलब्ध करवा रही है। केन्द्र सरकार उज्जवला कनेक्शधारियों को सिलेण्डर 200 रुपए सस्ता देती है, लेकिन गहलोत सरकार ने इन दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ताओं को 500 रुपए में सिलेण्डर उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी।

प्रदेश में तीनों गैस कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल) के 1 करोड़ 75 लाख 48 हजार से ज्यादा कनेक्शन धारी हैं। इनमें से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 69 लाख 20 हजार से ज्यादा कनेक्शन हैं। इसके अलावा 3 लाख 80 हजार बीपीएल परिवार हैं, जिनके पास गैस कनेक्शन है।

राज्यमंत्री बोले- पेपरलीक पर सरकार ने किसी को नहीं बख्शा

डूंगरराम गेदर पहुंचे अलवर; राजेंद्र गुढ़ा की बर्खास्तगी पर कुछ नहीं बोले

अलवर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य मंत्री (शिल्प कला एवं माटी बोर्ड के अध्यक्ष) डूंगरराम गेदर सोमवार को अलवर आए। यहां सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान राजेंद्र गुढ़ा को बर्खास्त किए जाने के मामले में कुछ नहीं बोले।

पेपर लीक पर पायलट की ओर से उठाए गए सवालों पर कहा कि गहलोत सरकार ने किसी को नहीं बख्शा। सरकार का कोई आदमी शामिल मिला तो उसे भी नहीं छोड़ा। सख्त से सख्त से एक्शन लिया। अब कानून भी पास किया।

ताकि पेपर लीक माफिया में खौफ पैदा हो। कांग्रेस पार्टी ने चोर कोई भी हो। उसे पकड़ा है। सरकार के आदमी के खिलाफ भी चोर जैसी

कार्यवाही हुई है। गेदर ने कांग्रेस सरकार की खूब तारीफ की। सीएम अशोक गहलोत ने शहरों में भी रोजगार की गारंटी दी है। पूरे प्रदेश में अच्छा माहौल है। कार्यकर्ताओं में ताकत है। आगे भी कांग्रेस की सरकार बनेगी। सब मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। सबने यह कह भी दिया है।

पायलट हमारी पार्टी के जिम्मेदार नेता है। पार्टी व विधायक मिलकर ही मुख्यमंत्री का चेहरा तय करते हैं। बीजेपी में तो अनेक गुट है। सब सीएम की दावेदारी में लिए लड़ रहे हैं। पार्टी के खिलाफ बोलने वालों के मामले में पार्टी के स्तर पर ही निर्णय होता है।

राज्य मंत्री ने शिल्प एवं माटी ऐप की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिल्प व माटी का लॉन्च किया है। ई-मित्र पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। 5 दिन पहले शुरुआत की है। अब तक 15 सौ आवेदन आ चुके हैं। फॉर्म बहुत साधारण बना है। उसमें आसानी से जानकारी दी जा सकती है। ग्राम विकास अधिकारी या पटवारी से मदद ले सकते हैं। इस तरह से प्रयास कर रहे हैं अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन हों। ये योजना शिल्प एवं माटी कला के 10 हजार लोगों को लाभ दिया जा सकेगा।

दो तस्कर पकड़े: कार से 2 क्विंटल डोडा चूरा जब्त

पुलिस को चकमा देने के लिए लगा रखी थी फर्जी नम्बर प्लेट

कोटा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार से 2 क्विंटल डोडा चूरा बरामद किया है। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए कार में फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे थे। दोनों तस्कर जोधपुर जिले के निवासी है। पुलिस इनसे तस्करी के नेटवर्क के बारें में पूछताछ में जुटी है।

मंडाना थाना एस श्यामा राम ने बताया कि एनएच 52 कोटा झालावाड़ फोरलेन पर चेकिंग के दौरान झालावाड़ की तरफ से एक सफेद रंग की कार आते हुए नजर आई। जिसको रुकवाने की कोशिश की। कार ड्राइवर ने पुलिस को देखकर गाड़ी को दौड़ाया। पुलिस की टीम ने बमुश्किल कार को रुकवाया। पूछताछ में कार सवार ने अपना नाम मांगीलाल (42) निवासी लोहावट व धीमाराम (40) निवासी विश्नोईयों की ढाणी थाना ओसियां जिला जोधपुर बताया। उनकी कार की तलाशी में 2 क्विंटल 20 किलो डोडा चुरा मिला। उनकी गाड़ी से झालावाड़, जोधपुर व जयपुर नम्बर की नम्बर प्लेट मिली।तस्कर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नम्बर प्लेट कार में लगाते थे।

तेज बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ा

6 जिलों में भारी बरसात का अलर्ट

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में बने नए वेदर सिस्टम का असर राजस्थान में देखने को मिला। बीती रात पश्चिमी और दक्षिण राजस्थान के कई जिलों में तेज बारिश हुई। इन जिलों में 2 से 3 इंच तक बरसात हुई। तेज बारिश के कारण यहां बरसाती नदियां फिर से बहती नजर आईं। इधर घग्घर नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए हनुमानगढ़ जिला प्रशासन ने आस-पास के एरिया को खाली करने और पशुओं को दूसरी जगह शिफ्ट करने का अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, जालोर, बाड़मेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद समेत कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। जालोर और बांसवाड़ा में 3 इंच तक बरसात दर्ज हुई। बारिश के कारण बनास नदी में पानी की लगातार आवक हो रही है, जिसके कारण त्रिवेणी का गेज 3 मीटर पहुंच गया। इससे बीसलपुर बांध का गेज पिछले 24 घंटे के दौरान करीब 2 सेमी. तक बढ़ गया।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून की ट्रफ लाइन अपनी नॉर्मल दिशा से दक्षिण की तरफ से गुजर रही है। वर्तमान में ये लाइन गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन गुजरात-कराची के बीच अरब सागर के ऊपर बना है। एक साइक्लोनिक सुर्कलेशन अभी मध्य प्रदेश पर एक्टिव है। इन सभी सिस्टम के असर के कारण गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। इसी सिस्टम से राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में भी तेज बरसात देखने को मिल रही है। संभावना है कि बारिश का ये स्पेल अगले एक सप्ताह तक जारी रहने की संभावना है।

पंजाब, हरियाणा में आ रहे पानी से घग्घर नदी ओवरफ्लो होकर बहने लगी है। इसे देखते हुए हनुमानगढ़ जिला प्रशासन ने यहां बाढ़ की आशंका को देखते हुए कल एडवाइजरी जारी की। इस एडवाजरी में नाली बेड से लगते गांव पीरकामडिया, पन्नीवाली, शेरेका, कमरानी समेत अन्य गांव और घग्घर डायवर्जन चैनल (सेमनाला) से लगते गांव सलेमगढ़ मसानी, 4 केएसपी, 18 जीजीआर, 3 एसएसडब्ल्यू और 9 केएसपी समेत अन्य गांवों को खाली करने तथा वहां से जरूरी सामान व पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए कहा है। पानी की आवक को देखते हुए प्रशासन ने हनुमानगढ़ में कई मार्गों पर डायवर्जन भी किया है। वर्तमान में घग्घर में ओटू हेड से 37 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक राज्य में अगले 24 घंटे के दौरान पूर्वी हिस्सों में कई जगह मध्यम से तेज बारिश होने का अनुमान है। उदयपुर, प्रतापगढ़, झालावाड़, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा में कहीं-कहीं तेज बारिश होने का येलो अलर्ट है। इनके अलावा अजमेर, अलवर, बारां, बूंदी, भीलवाड़ा, दौसा, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, सिरोही और जयपुर में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

राजस्थान में अब तक मानसून की स्थिति पर नजर डालें तो पूरे प्रदेश में 315.5 मिमी बरसात हो चुकी है, जो औसत बारिश से 88 फीसदी ज्यादा है। राज्य में 1 जून से 23 जुलाई तक औसत बरसात 167.4 मिमी होती है। सबसे ज्यादा बरसात सिरोही जिले में 906.8 मिमी हुई है, जबकि सबसे कम बारिश 133.3 मिमी जैसलमेर में हुई।

राज्य के पांच प्रमुख शहरों की स्थिति

जयपुर : दिन में बादल छाए रह सकते हैं और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

जोधपुर : आज मौसम साफ रहने की संभावना है। यहां धूप निकलने के साथ ही दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी।

उदयपुर : आज दोपहर बाद कई जगह मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।

कोटा : आज दिन में मौसम साफ रहेगा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

बीकानेर : आज मौसम साफ रहने की संभावना है। यहां धूप निकलने के साथ ही गर्मी तेज होने की भी संभावना है।

कार ने हैड कॉन्स्टेबल को मारी टक्कर, मौत

ड्यूटी से घर लौटते समय पीछे से मारी टक्कर, फिर भाग निकला चालक

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में देर रात एक कार ने हैड कॉन्स्टेबल को टक्कर मार दी। इससे ज्योति नगर थाने के हैड कॉन्स्टेबल गणपत लाल यादव की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गजसिंहपुरा के पास कुम्हारों का मोहल्ला के पास सुनसान रास्ते की है। हादसे के बाद गणपत बेहोश हो गया था। वहीं, चालक मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने गणपत लाल को बदरवास के पास एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना थाना पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। दुर्घटना थाने के एएसआई हरि नारायण ने बताया- रात को करीब 10.30 बजे ज्योति नगर थाने से ड्यूटी खत्म होने पर गणपत लाल यादव अपने घर पत्रकार कॉलोनी की ओर जा रहा था। इस दौरान पीछे से एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

रिटायर्ड प्रिंसिपल ने दांतों से काटा छोटे भाई का होंठ

थैली में लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन, डॉक्टर ने डेढ़ घंटे सर्जरी कर फिर जोड़ा

चूरू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दो भाइयों में हुए झगड़े में बड़े भाई ने छोटे भाई का होंठ दांतों से काटकर अलग कर दिया। होंठ कटने से छोटे भाई के मुंह से खून निकलने लगा। परिजनों ने उसका कटा होंठ थैली में डाला और लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने टांके लगाकर होंठ को वापस जोड़ा। मामला चूरू जिले की सीमा से सटे सीकर के रामगढ़ क्षेत्र का है। घायल रमेश कुमार (56) निवासी खरींटा की ढाणी ने बताया कि उसका बड़ा भाई बनवारी (62) रिटायर्ड प्रिंसिपल है। बनवारी लाल और उसकी पत्नी में काफी दिनों से अनबन चल रही है, इसलिए दोनों अलग-अलग रहते हैं। 2 दिन पहले बनवारी लाल की पत्नी का उसके पड़ोसी से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इस पर उसने अपने 21 जुलाई को बड़े भाई बनवारी को कहा था कि अपनी पत्नी को थोड़ा समझाओ। इस बात से नाराज होकर उसने मारपीट शुरू कर दी और मेरे होंठ को चबाकर अलग कर दिया।

रमेश कुमार ने बताया कि इस दौरान उसने शोर मचाया तो परिजनों ने उसको छुड़ाया और उसके होंठ को थैली में लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां ऑन कॉल ड्यूटी पर आए डॉ. मुकुल धाबाई ने उसके कटे हुए होंठ को टांके लगाकर वापस जोड़ दिया। रमेश कुमार ने बताया कि वह हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में काम करता है। बनवारी लाल के 2 बेटे और 1 बेटी है। एक बेटा टीचर हैं, जबकि दूसरा विदेश रहता है। बेटी की शादी हो चुकी है। रमेश के एक लड़का और एक लड़की है।

पंचकुंडीय हरिहर महायज्ञ में सवा लाख शिवलिंग का रुद्राभिषेक आयोजित

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर, बंजारा हिल्स में जाश्री श्री पंचकुण्डीय हरि हर महायज्ञ में मध्याह्न 1 बजे से 3 बजे तक सवा लाख शिवलिंग का रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। आज के महायज्ञ के मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता, अन्य यजमानों में गोपाल कुमार-ज्योति गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता-संगीता गुप्ता, पीयूष अग्रवाल-नेहा अग्रवाल, बिनोद कुमार अग्रवाल-निर्मला अग्रवाल, जयदीप गुप्ता-शिखा गुप्ता, केशव अग्रवाल, शिमोनी अग्रवाल, सीए सुरेश अग्रवाल-सुमन अग्रवाल, महावीर गुप्ता-मंजु गुप्ता, आदि उपस्थित थे। यज्ञ का संचालन काशी नगरी के यज्ञाचार्य वै. प्र. सुनील लक्ष्मीकान्त दीक्षित एवं उनके 54पंडितों द्वारा किया जा रहा है। यज्ञ प्रातः 8.30 बजे से पूजा अर्चना के पश्चात 12-30 बजे तक चला मध्याह्न प्रसाद एवं सवा लाख शिव लिंग का रुद्राभिषेक के तत्पश्चात् यज्ञ पुनः 3.30 बजे से सायं 6.30 बजे तक किया गया। सायं 7 बजे आरती की गई तथा प्रसाद ग्रहण किया गया। मंगलवार 25 जुलाई को महालक्ष्मी सहस्रनाम् अर्चना करवाई जाएगी इच्छुक सदस्य समिति के मानद मंत्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले / यज्ञ संयोजक शंकरलाल अग्रवाल से संपर्क कर अपना नाम पंजीकृत करवा सकते हैं। सवा लाख शिव लिंग के रुद्राभिषेक में शंकर लाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, जयदीप गुप्ता, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, महेश कुमार डाकोतिया, सुरेश कुमार दिल्लीवाले, महेश कुमार दिल्लीवाले, सुभाष कुमार दिल्लीवाले, गुलाब चंद अग्रवाल, सुरेश जगनानी, आदि ने सपत्नी रुद्राभिषेक का कार्यक्रम किया।

हरिहर भगवान को नरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश अग्रवाल, जगदीश प्रसाद विनोद कुमार डाकोतिया, अशोक चंद अग्रवाल, रघुनन्दन अग्रवाल द्वारा प्रसाद चढ़ाया गया। आज के यज्ञ कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार गोयल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, मुकुंद लाल सोन्थलिया, मुन्ना लाल अग्रवाल, प्रताप नारायण संघी, सुरेश कुमार दिल्लीवाले, अशोक चंद अग्रवाल, प्रमोद सरायवाले, गोपाल चंद अग्रवाल, मधुसुदन सोन्थलिया, राकेश नालपुरिया, राजेंद्र गुप्ता, बद्री नाथ अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुरेश जगनानी, दिनेश बलदेव, विनोद टिकमानी, ईश्वरलाल अग्रवाल आदि के अलावा अत्यधिक संख्या में महिलाएँ उपस्थित रहीं।

बोइनपल्ली में प्रभु संबंध एवं श्रीमद्भागवत कथा 26से

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वृंदावन के पूज्य संत ब्रह्मचारी शिवबलीजी महाराज (लड्डू गोपाल वाले) के श्रीमुख से भावना कालोनी, गणेश मंदिर, बोइनपल्ली में प्रभु संबंध एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा कथा 26 जुलाई से 1 अगस्त तक होगी। अपनी कथा में पूज्य महाराज जी भक्तों से भगवान का संबंध जुड़वाते है, गौ माता और कृष्ण का रिश्ता बताते है। कथा आयोजक मुख्य यजमान सुंदर अग्रवाल, जयपाल नयाल सनातनी ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कथा के प्रथम दिन 26 जुलाई को 2 बजे कलश यात्रा और अपने-अपने लड्डू गोपाल की शोभा यात्रा सामूहिक रूप से निकलेगी। नित्य कथा 3 बजे से प्रारम्भ होकर 6.30 बजे तक चलेगी और दूसरे दिन से नित्य प्रातः काल प्रार्थना, प्रभात फेरी, भजन और विशेष प्रातः काल का सत्संग मिलेगा। कथा स्थल पर गौ उत्पादों का स्टाल भी लगेगा। अतः कथा सहयोगी सर्वदलीय गौरक्षा मंच परिवार की ओर से सभी भगवत भक्तों से अनुरोध है कि दिव्य अलौकिक सत्संग में भाग लेकर अपने इस जन्म और आने वाले अनेकों जन्मों के लिए प्रभु से संबंध बना लें।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा 112वां निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना पीस एंड वेलफेयर कमेटी के सहयोग से 112 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप याकूतपुरा रोड स्थित संजारी कन्वेंशन में आयोजित किया गया।

आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण , स्त्री रोग, अस्थि रोग, हृदय रोग, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप जांच की गई जिसमें अस्पताल, के डॉ.पवन, डॉ.प्राजीत, डॉ.किरणमयी, डॉ.युसुफ उद्दीन, डॉ.दीपक शाह, डॉ.साकेत, डॉ.साकेत, डॉ.सुमन, डॉ. वेंकटरमना,बेगमपेट मार्केटिंग टीम, सुनिल माल्या, सुनील, श्रीधर एवं नर्सिंग स्टाफ ने सेवा दी। ईएनटी की जांच ईएनटी सर्जन डॉ.अविनाश द्वारा की गई। एलसीएस डंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली के डॉ.वेकटेश्वरलु, डॉ.अनिल, प्रबंधक श्रीनिवास, शेख अब्दुल द्वारा नेत्रों की जांच की गई जिसमें 181 लोगों को चश्मे वितरित किये गये और मोतियाबिंद के लिए 6 रोगियों का चयन किया गया। अवसर पर दांतों की जांच इवोक डेंटल केयर के डॉ. मनीता सेठ द्वारा गई। शिविर का 313 लोगों ने लाभ लिया।

शिविर के संयोजक व अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अग्रवाल सेवा दल के रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, सुरेन्द्र गोयल, निकिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय सहयोगी सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर समिति हैदराबाद के सेंट्रल जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, नारायण रेड्डी, श्रीकिशन शर्मा, तेजो राव, ख्वाजा मोइस, खाजा गाजिउद्दीन मुनीर कादरी, गोपाल, डॉ.जेन, सत्यनारायण रतना, कादर, अग्र मंच के संपादक डॉ.दिलीप पंसारी, स्वयंसेवक निर्मला केडिया,अजय तुलस्यान, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, सुनैना नरसरिया, अरुण तुलस्यान, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान कर इसे सफल बनाया।

अग्रवाल समाज गच्चीबाली शाखा ने महाराजा अग्रसेनजी की पूजा की

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा एवं महिला शाखा ने महाराजा अग्रसेन चौक बंजारा हिल्स पर भगवान अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की। इसमें मानद मंत्री केपी अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति की संयुक्त सचिव कंचन अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया,। साथ में महिला विंग की अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, मंत्री मंगला धनुका और अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा के कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, संयुक्त मंत्री गौरव गुप्ता सम्मिलित थे। अग्रवाल समाज तेलंगाना में प्रथम बार एक महिला को केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों में संयुक्त सचिव का कार्यभार देकर सम्मान जो दिया गया है वह काबिले तारीफ है और सबसे बड़ी प्रसन्नता की बात है कि कंचन अग्रवाल गच्चीबौली महिला विंग शाखा की केंद्रीय सदस्य हैं।

कंचन अग्रवाल का स्वागत महिला विंग की अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल द्वारा किया गया। अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा के सुरेश कुमार अग्रवाल एवं मुकुंद लाल अग्रवाल केंद्रीय सदस्यों ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की संयुक्त मंत्री कंचन अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज गचीबोली शाखा के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश अग्रवाल का सम्मान शॉल ओढ़ाकर किया। तत्पश्चात श्री जगन्नाथ मंदिर बंजारा हिल्स में चल रहे श्री पंचकुंडीय हरि हर महायज्ञ आरती में उपरोक्त के अलावा के.पी. अग्रवाल, संतोष टाटिया, प्रकाश अग्रवाल, एलएम धनुका, एमआर सुरेखा, महेश अग्रवाल, वरुण अग्रवाल, वेद प्रकाश गर्ग, रुपेश गर्ग, वीरेश अग्रवाल आदि सम्मिलित हुए।

चोरी के आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की चिलकलगुड़ा पुलिस चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीपी चिलकलगुडा डिवीजन जयपाल रेड्डी ने बताया कि डीआई चिलकलगुडा पी रुक्मिणी और चिलकलगुडा थाने की पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों लोवा कुमारी और उसके पति वीरबाबू को गिरफ्तार किया है। पुलिस को एन एस नरसिम्हा राव, निवासी चिलकलगुडा, एक शिकायत चिलकलगुड़ा में दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि बोनालु महोत्सव के अवसर पर, जब उन्होंने अपने शयनकक्ष में लॉकर खोला तो पाया कि लॉकर से लगभग 40 तोला वजन के सोने के आभूषण गायब थे। उन्हें अपने घर पर काम करने वाली नौकरानी पर शक था। पुलिस टीम ने नौकरी लोवा कुमारी और उसके पति वीरबाबू को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से सोने के आभूषणों को बरामद कर लिया।

रेलवे अस्पताल में मुफ्त लीवर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजित

शिविर के दौरान 75 रेलवे कर्मचारियों व लाभार्थियों की जांच की गई

विजयवाड़ा, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने सोमवार को रेडियोलॉजी ब्लॉक में "फ्री फाइब्रो स्कैन (लिवर) स्क्रीनिंग कैंप" का आयोजन किया। यह शिविर रेलवे कर्मचारियों और लाभार्थियों के लिए ज़ाइडस लाइफ साइंसेज के सहयोग से आयोजित किया गया था। रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एम सोरीबाला ने लीवर स्क्रीनिंग शिविर का उद्घाटन किया।

]मोटे व्यक्तियों, पुरानी शराब पीने वालों, उच्च कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित व्यक्तियों, मधुमेह रोगियों और एचबीवी व एचसीवी संक्रमण से पीड़ित मरीजों की फैटी लीवर व लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस के लिए जांच की गई। फाइब्रोस्कैन पर असामान्य स्कोर से पीड़ित लोगों का मूल्यांकन चिकित्सक द्वारा किया गया।

जिन मरीजों को आगे के उपचार की आवश्यकता थी, उन्हें सलाहकार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के पास भेजा गया। शिविर के दौरान लगभग 75 कर्मचारियों व लाभार्थियों ने फाइब्रोस्कैन कराया। इस अवसर पर बोलते हुए सीएमएस डॉ. एम. सोवरीबाला ने इस शिविर के आयोजन में दिए गए सहयोग के लिए जाइडस लाइफ साइंसेज प्रशासन को धन्यवाद दिया। सीएमएस ने लाभार्थियों और कर्मचारियों से लीवर संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए स्वस्थ संतुलित आहार आहार बनाए रखने की अपील की। डॉ. एल. रविकांत, एसीएमएस, प्रशासन, डॉ. एम जयदीप एसीएमएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अन्य डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने लिवर स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।

मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट रोड, हैदराबाद में पुरुषोत्तम माह के पावन उपलक्ष्य में आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भाग लेते हुए पंडित संजय शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, यज्ञ यजमान श्रीमती सावना-नितिश अग्रवाल, आरती यजमान विजय अग्रवाल, राजेंदर आहूजा व अन्य श्रद्धालु।

भारत सेवाश्रम संघ की हैदराबाद शाखा द्वारा स्वामी वेंकटेश्वरानंदजी महाराज के नेतृत्व में प्रमुख सामूहिक मुफ्त नोटबुक वितरण कार्यक्रम के तहत जिला परिषद हाईस्कूल, देवनपल्ली में नोटबुक वितरण का शुभारंभ कामारेड्डी कलेक्टर जितेश वी. पाटिल ने 300 छात्रों के बीच किया। उपस्थित हैं अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्र मोहन, डीईओ राजू व अन्य।

वर्षा पीड़ितों ने की मंत्री तलसानी से मुलाकात, मदद की गुहार लगाई

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के जामबाग डिवीजन, तुपखाना नाला से सटे अरावा बस्ती में घरों की चार दीवारें गिर गईं। गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ घटनास्थल का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की। अधिकारी एएमएचओ श्रीकांत रेड्डी, जीएचएमसी इंजीनियरिंग अनुभाग एई वेणु, जीएचएमसी प्रवर्तन डी.वाईएआरएफ कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्हें सुरक्षित क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया। इसी मुद्दे पर पीड़ितों को मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के पास ले जाया गया। मंत्री ने आरडीओ और जोनल कमिश्नर को उनके लिए सारी व्यवस्था करने का आदेश दिया। आनंद कुमार गौड़ ने अरवा बस्ती की ओर से मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने जनता की ओर से अधिकारियों को धन्यवाद दिया। बारिश के मौसम को देखते हुए गोशामहल के लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। पुराने मकानों को खाली कर देना ही बेहतर है। यदि कोई समस्या हो तो उनके संज्ञान में लाने को कहा। कार्यक्रम में हैदराबाद आरडीओ सूर्यप्रकाश, एम्मारो प्रसाद, जोनल कमिश्नर रवि किरण, सीपी खैरताबाद रंजीत, एसीपी श्रीनिवास यादव, अनुभाग अधिकारी मुकेश सिंह, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र की बीआरएस महिला नेता प्रिया गुप्ता, महासचिव जी. नंदू कुमार और अन्य उपस्थित थे।

जनसेवा संघ ने मृत बच्चे के परिजन को मदद दिलाई

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के एक सदस्य के दो महीने के बच्चे को निमोनिया हो गया था और उसे ओवैसी हॉस्पिटल संतोष नगर में तीन दिन से भर्ती था। कल शाम को उसे आईसीयू में डालने के लिये डॉक्टर बोले और ज्यादा बिल बनाए लेकिन विश्वस्त सूत्रों से मालूम हुआ पहले ही वह मृत हो चुका है, फिर आईसीयू में क्यों डालने को कहा जा रहा है। तदुपरांत जन सेवा संघ के ग्रीवंस प्रेसिडेंट परमानंद शर्मा को सूचित किया गया ताथ संघ के कोषाध्यक्ष एके मिश्रा अपने दल के साथ हॉस्पिटल गये और पीड़ित परिवार को ढांढस पहुँचाया। हॉस्पिटल के प्रबंधन से बातचीत कर नब्बे फीसद बिल माफ कर दिया गया, जिससे ग़रीब परिवार को बहुत हिम्मत और राहत मिली।

हिलेस की गोष्ठी में कवि प्रदीप देवीशरण भट्ट का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 583वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन गत दिनों नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रुतिकांत भारती मुख्य अतिथि थे। देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार अशोक आत्रेय, बीकानेर (राजस्थान) और अनिल कुमार झा, देवघर (झारखंड) बतौर सम्माननीय अतिथि मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी में कवि प्रदीप देवीशरण भट्ट की खादी ग्रामोद्योग संस्थान हैदराबाद से सेवानिवृत्ति होने के उपलक्ष्य में हैदराबाद की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। गोष्ठी में उनके साथ लेखकों और कवियों के जो रोचक संस्मरण हैं उन्हें प्रस्तुत किया गया। तेलुगु और हिंदी के सुप्रसिद्ध अनुवादक जी. परमेश्वर ने कहा कि आज तक हैदराबाद में उन्होंने जो कविताएँ प्रस्तुत की हैं उनमें गहराई और चिंतन निहित रहा। उनकी कविताएँ मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर कवि सुहास भटनागर, गीतकार चंपालाल बैद, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, वयित्री रत्नकला मिश्र, कवि अनिल कुमार गुप्ता, शायर सलाहुदीन नैयर, विशेष अतिथि अनिल कुमार झा ने अपने विचार गीत-गजल के माध्यम से प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि श्रुतिकांत भारती ने कहा कि हैदराबाद की संस्कृति एक ऐसी संस्कृति है जो हैदराबाद आता है वह इसे छोड़कर नहीं जाता है। हर व्यक्ति को यहाँ प्रेम और सम्मान प्राप्त होता है। गोष्ठी में विदाई पर जो गीत प्रस्तुत किये गये हैं बहुत ही प्रेरणादायक हैं। एक अच्छे और सच्चे साथी की विदाई पर बहुत कष्ट होता है। अशोक आत्रेय ने अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रत्नकला मिश्र ने आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आप सांसद संजय सिंह ...

इसके बाद जगदीप धनखड़ ने संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई की। जगदीप धनखड़ ने सदन के कामकाज को लेकर सभी दलों के नेताओं की मीटिंग बुलाई है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और अर्जुन राम मेघवाल भी विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा को लेकर सभापति जगदीप धनखड़ और टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के बीच भी बहस हो गई। धनखड़ ने कहा कि आप सभापति को चुनौती दे रहे हो। इसके बाद सदन में हंगामा होने लगा तो धनखड़ ने राज्यसभा को 12 बजे तक स्थगित कर दिया।

अजित पवार ने ...

पिछले हफ्ते ही फाइनेंस डिपार्टमेंट ने महाराष्ट्र विधानसभा के दोनों सदनों में सप्लीमेंट्री मांगें प्रस्तुत कीं, जिसमें विकास कार्यों के लिए 1,500 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया।

बता दें कि एनसीपी में दो फाड़ के समय से ही अजित गुट की तरफ से विकास कार्यों के लिए धन की बात कही जा रही थी। शरद पवार से मुलाकात के दौरान अजित गुट ने सरकार में शामिल होने के लिए यही वजह भी बताई है।

अजित पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों के लिए 25 से 50 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवलाली की विधायक सरोज अहीर के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। सरोज अहीर पहले शरद पवार के साथ थीं लेकिन अब मिली जानकारी के अनुसार, फाइनेंस मिनिस्ट्री से फंड जारी होते ही वो अजित पवार के समर्थन में आ गई हैं।

शरद पवार से बगावत के बाद अजित पवार गुट पर जयंत पाटिल और जितेंद्र आव्हाण लगातार हमला कर रहे हैं। हालांकि अजित ने सभी को चौंकाते हुए जयंत पाटिल के क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों के लिए भी फंड दिया है लेकिन जितेंद्र आव्हाण अभी वेटिंग लिस्ट में नजर आ रहे हैं। एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों ने अजित पवार को फाइनेंस मिनिस्ट्री देने का विरोध किया था। शिंदे गुट का दावा था कि एमवीए की सरकार के दौरान अजित उनके क्षेत्रों में विकास के लिए फंड जारी नहीं करते थे और इसी वजह से उन्होंने उद्धव ठाकरे से बागवत की थी। हालांकि अब अजित पवार ने शिंदे गुट के विधायकों के लिए फंड जारी करके सभी का दिल जीतने की कोशिश की है।

फंड जारी करके विधायकों को लुभाने की यह प्रथा एनसीपी-कांग्रेस सरकार में शुरू हुई थी। तब विलासराव देशमुख की सरकार सत्ताधारी पार्टी के विधायकों के क्षेत्रों के लिए 5 से 10 करोड़ रुपये जारी करती थी। उस समय बीजेपी और शिवसेना ने ना सिर्फ इसका विरोध किया था बल्कि कोर्ट में इसे चैलेंज भी किया था।

साल 2014 में फडणवीस सरकार के आगमन के बाद बीजेपी-शिवेसना के विधायकों इस तरीके से फंड जारी किया गया था। 2019 में एमवीए के आने पर यही काम शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस विधायकों के लिए हुआ। तब भी देवेंद्र फडणवीस ने इसका विरोध किया था। एकनाथ शिंदे के सीएम बनने के बाद बीजेपी और शिंदे कैंप के क्षेत्रों के लिए जारी होने वाले फंड की माभा बढ़ गई।

टांपेरे ओपन चैंपियन बने सुमित नागल, सीधे सेटों में जीता फाइनल

साल का दूसरा खिताब अपने नाम किया

टांपेरे, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने चेक गणराज्य के डेलिबोर सिवरसिना को सीधे सेटों में शिकस्त देकर टांपेरे ओपन का खिताब जीत। उन्होंने सिवरसिना को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी। यह नागल का साल का दूसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले अप्रैल में रोम में गार्डन ओपन का खिताब जीता था।

मैच में नागल की शुरुआत खराब रही। उन्होंने अपना पहली सर्विस गंवा दी और वह 0-3 और 1-4 से पिछड़ रहे थे। हालांकि इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की सर्विस को तीन बार तोड़ने में सफल रहे। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया।

नागल इस लय को दूसरे सेट के शुरुआत में बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने सिवरसिना की सर्विस को तोड़कर 4-1 की बढ़त हासिल ली। इसके बाद सिवरसिना ने वापसी की और स्कोर 3-5 और फिर 5-5 किया। नागल ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए सिवरसिना की सर्विस तोड़ 6-5 की बढ़त बनाई और और फिर आखिरी सेट जीत कर एक घंटे 44 मिनट तक चले मैच को जीत लिया।

जूनियर एशियाई जूडो में भारत को तीन स्वर्ण सहित पांच पदक

अस्मिता-उन्नति और अरुण रहे सफल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उन्नति ने ग्रुप-सी में स्थानीय दावेदार इयान आई लेई को हराकर नॉकआउट में जगह बनाई। उन्होंने इसके बाद मंगोलिया की मारलमा खुरेलचुलुन और ऑस्ट्रेलिया की राइली रामेटा को क्रमशः सेमीफाइनल और फाइनल में हराकर खिताब जीता।

भारत ने चीन के मकाउ में चल रही जूनियर एशिया कप जूडो चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक सहित पांच पदक जीते। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्वर्ण जीता जबकि उन्नति शर्मा (63 किग्रा) और अरुण कुमार (73 किग्रा) भी स्वर्ण जीतने के सफल रहे।अस्मिता शुरुआती दौर में ग्रुप-डी में शीर्ष पर रहीं। उन्होंने

हांगकांग की सुएत यीयू टेंग को हराया और मुख्य वर्ग के पहले दौर में उन्हें बाई मिली। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एशलिन डो को हराने के बाद फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया की ही एनेलीस फील्डर को पछाड़कर स्वर्ण जीता।

उन्नति ने ग्रुप-सी में स्थानीय दावेदार इयान आई लेई को हराकर नॉकआउट में जगह बनाई। उन्होंने इसके बाद मंगोलिया की मारलमा खुरेलचुलुन और ऑस्ट्रेलिया की राइली रामेटा को क्रमशः सेमीफाइनल और फाइनल में हराकर खिताब जीता। अरुण ने भी ग्रुप-ए में ऑस्ट्रेलिया के दिमित्रियोस जियांटसियोस को हराकर अच्छी शुरुआत की। उन्होंने इसके बाद दक्षिण कोरिया के जिमिन लिम को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान पाया। सेमीफाइनल में अरुण ने सऊदी अरब के मियामानी अब्दुलराऊ को हराने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के कोहसेई तोयोशिमा को शिकस्त दी।

किशन ने पंत के बल्ले से लगाया 'सिंगल हैंड' सिक्स

रोहित को मिला जीवनदान, वारिकन ने ईशान का कैच छोड़ा; टॉप मोमेंट्स

पोर्ट ऑफ स्पेन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मजबूत पकड़ बना ली है। टीम को मैच जीतने के लिए 8 विकेट की जरूरत है।

पोर्ट ऑफ स्पेन में चल रहे इस मुकाबले के चौथे दिन कई रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। दिन का आगाज मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी के साथ हुआ। दोपहर होते-होते रोहित शर्मा और ईशान किशन के लाजवाब शॉट देखने को मिले। आखिरी में खेल का समापन रविचंद्रन अश्विन की करिश्माई गेंदबाजी के साथ हुआ।

इस बीच, ऋषभ पंत की जगह पर खेल रहे विकेटकीपर ईशान किशन ने ऋषभ के बल्ले से उन्हीं की स्टाइल में सिंगल हैंड सिक्स

जमाते हुए अपने करियर का पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। रोहित शर्मा और ईशान किशन को इस दौरान जीवनदान भी मिले। इस खबर में हम ऐसे ही टॉप मोमेंट्स के बारे में जानेंगे...

ईशान ने एक हाथ से सिक्स जमाकर टेस्ट करियर का अर्धशतक बनाया

भारत की दूसरी पारी के 24वें ओवर में ईशान किशन ने सिक्स लगाकर टेस्ट करियर की पहली हाफ सेंचुरी पूरी की। ओवर की 5वीं बॉल केमार रोच ने ईशान को लो-फुल टॉस फेंकी। ईशान ने एक हाथ से शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के बाहर चली गई। पंत भी अक्सर एक हाथ से छक्के लगाते हुए नजर आ जाते हैं। खास बात यह भी कि किशन पंत का बैट लेकर ही बैटिंग भी कर रहे थे।

गैब्रियल ने टपकाया रोहित का कैच

भारत की दूसरी पारी के 5वें ओवर में शैनन गैब्रियल ने रोहित शर्मा का आसान कैच छोड़ दिया। यहां जेसन होल्डर की बॉल पर रोहित शर्मा ने बड़ा शॉट खेला। लॉन्ग ऑफ पर फील्डिंग कर रहे गैब्रियल के हाथों में बॉल आई और फिसल गई। दो-तीन बार हवा में बॉल पकड़ने की कोशिश करने के बाद गैब्रियल के हाथ से बॉल छिटक गई। रोहित ने जीवनदान का फायदा उठाया और अपनी फिफ्टी पूरी की।

वारिकन ने छोड़ा ईशान का कैच

21वें ओवर में बॉलर जोमेल वारिकन ने भारत के विकेटकीपर ईशान किशन का कैच ड्रॉप कर दिया। ओवर की पांचवीं बॉल फेंकते ही ईशान ने बॉलिंग कर रहे जोमेल वारिकन की तरफ शॉट खेला, वारिकन ने बॉल पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बॉल हाथों से छूट गई। ईशान ने भी जीवनदान का फायदा उठाया और फिफ्टी लगाकर टीम का स्कोर 181 तक पहुंचा दिया।

ऐशेज पर ऑस्ट्रेलिया का कब्जा बरकरार

चौथे टेस्ट का पांचवा दिन बारिश में धुला, मैच ड्रॉ; सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे

मैनचेस्टर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में ऐशेज सीरीज का चौथा टेस्ट ड्रॉ हो गया। मैच का आखिरी दिन लगातार बारिश के कारण धुल गया, जिस कारण हार या जीत का फैसला नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में 2-1 की बढ़त के आधार पर ऐशेज पर कब्जा जमा लिया। सीरीज का पांचवां टेस्ट 27 जुलाई से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इसमें इंग्लैड जीतता भी है तो सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो जाएगी और ऑस्ट्रेलिया के पास ही ऐशेज रहेगा क्योंकि टीम ने पिछली ऐशेज जीती थी।

2015 से ऐशेज ऑस्ट्रेलिया के ही पास

2015 के बाद से ऑस्ट्रेलिया एक भी ऐशेज सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2017/18 ऐशेज जीत के बाद से अपना दबदबा बनाया और इंग्लैंड में 2019 में केवल एक बार सीरीज ड्रॉ की है।

बारिश के कारण रविवार को एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 317 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 592 रन बना कर ऑलआउट हुई थी। दूसरी पारी में चौथे दिन के स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 214 रन के स्कोर पर 5 विकेट खो दिए थे। ऑस्ट्रेलिया लीड लेने से 61 रन दूर था। अगर 61 रन बनाने से पहले ही इंग्लैंड बचे 5 विकेट ले लेता तो वह पारी से जीत सकता था।

बेंगलुरु स्मैशर्स ने पुनेरी पलटन को 8-7 से हराया

प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

पुणे, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में बेंगलुरु स्मैशर्स के नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। बेंगलुरु की टीम ने पुनेरी पलटन को रोमांचक मुकाबले में 8-7 के अंतर से हरा दिया। इस मैच में स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और नतालिया बाजोर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरु स्मैशर्स के नॉकआउट में जाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

पुनेरी पलटन ने इस मैच में शानदार शुरुआत की थी और इस टीम को जीत के लिए केवल एक गेम की जरूरत थी, ऐसे में नतालिया मुकाबले के आखिरी मैच के लिए टेबल पर आईं और उन्होंने अर्चना कामथ को 3-0 से हराकर बेंगलुरु स्मैशर्स को लीग में जीवित रखा। पहले गेम में नतालिया ने 11-8 से रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने शक्तिशाली फोरहैंड के साथ सटीक बैकहैंड लगाए और उसी स्कोरलाइन से दूसरा गेम भी जीत लिया। पोलिश पैडलर ने फिर निर्णायक गेम में भी अपना धैर्य बनाए रखा और अपने पिनपॉइंट शॉट्स से इसे भी 11-9 से जीतकर 3-0 से मुकाबला जीता।

इससे पहले, भारत की सर्वोच्च रैंक वाली महिला खिलाड़ी मनिका ने चेक गणराज्य हाना माटेलोवा को 2-1 से हराकर बेंगलुरु स्मैशर्स के लिए सीजन 4 में अपनी तीसरी महिला एकल जीत दर्ज की। दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने शुरुआत में ही अपने बैकएंड पर उम्दा कंट्रोल दिखाते हुए पहला गेम 11-9 से जीत लिया। इसके बाद हाना ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 11-8 से जीत लिया और मैच को निर्णायक गेम में ले गईं। मनिका ने हालांकि तीसरे गेम में धैर्य बनाए रखा और इस गेम को 11-6 से अपने नाम करने के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

दुनिया के 58वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको ने 2018 आईटीटीएफ अफ्रीकी-कप चैंपियन उमर अस्सर को 2-1 से हराकर बेंगलुरु फ्रेंचाइजी को बेहतरीन शुरुआत दी। दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी उमर ने पहले गेम की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और फ्लैक्स को टारगेट करते हुए इसे 11-8 से जीत लिया। इसके बाद हालांकि किरिल ने बेहतरीन वापसी करते हुए गोल्डन प्वाइंट के जरिए दूसरा गेम जीत कर हिसाब बराबर कर लिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर हुई। यह गेम भी गोल्डन प्वाइंट तक गया, जहां कजाकिस्तान के खिलाड़ी ने मानसिक दृढ़ता का परिचय देते हुए गेम और मैच अपने नाम कर लिया।

मुकाबले के तीसरे मैच हाना और मानुष शाह ने मनिका और किरिल को 3-0 से हराकर पुनेरी पलटन टेबल टेनिस को मुकाबले में वापस ला दिया। बेंगलुरु स्मैशर्स की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन हाना और मानुष ने तुरंत रिएक्ट किया और पहला गेम 11-9 से जीत लिया। उन्होंने गोल्डन प्वाइंट के माध्यम से दूसरा भी गेम जीतने के लिए अपना मोमेंटम बनाए रखा। तीसरा गेम भी 11-4 से हाना और मानुष के नाम रहा।

पुनेरी पलटन टेबल टेनिस ने अपनी बढ़त को और आगे बढ़ाया। इसका कारण यह था कि मानुष ने टाई के अंतिम मैच में जीत चंद्रा को 2-1 से हरा दिया। वडोदरा का यह खिलाड़ी पहली सर्विस से ही आत्मविश्वास से भरा दिखा और शुरुआती गेम 11-9 से जीत लिया और फिर उसी स्कोर से अगला गेम जीत लिया। जीत ने हालांकि तीसरा गेम 11-7 से जीतकर बेंगलुरु स्मैशर्स की उम्मीदें बरकरार रखीं।

बजरंग-विनेश का नाम एशियाड के लिए भेजा

अंतिम एंट्री स्टैंडबाय में भेजी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रायल में 57 भार वर्ग में कड़ा मुकाबला हुआ। रवि कुमार को पहली ही बाउट में महाराष्ट्र के आतिश तोडकर 8-20 के स्कोर पर चित कर दिया। रवि पिछले कुछ समय से चोटिल चल रहे हैं।

हांगझोऊ एशियाई खेलों की कुश्ती टीम के लिए बजरंग (65) और विनेश (53) का नाम भेज दिया गया। इन दोनों के भार में हुए ट्रायल में जीतने वाले विशाल कालीरमण (65) और अंतिम पंघाल (53) की एंट्री बतौर स्टैंडबाई भेजी गई है। वहीं रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए एशियाड के ट्रायल में सबसे बड़ा उलटफेर टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार (57) की हार के रूप में हुआ। इस हार के साथ रवि एशियाड की टीम से बाहर हो गए हैं।

सभी भार वर्गों में भेजे गए स्टैंडबाय नाम

भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति की ओर से एशियाड के दो दिवसीय ट्रायल सफलतापूर्वक कराए जाने के बाद रविवार को ही पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन, महिला वर्ग के 18 भार वर्गों की एंट्री भेज दी गई।

बजरंग-विनेश को समिति ने एशियाड की टीम में सीधे प्रवेश दिया था, लेकिन समिति ने सभी 18 भार वर्ग में स्टैंडबाय पहलवानों के नाम भी भेजे हैं। बजरंग-विनेश के भार को छोड़ 16 भार वर्गों में ट्रायल में दूसरे स्थान पर रहे पहलवानों के नाम भेजे गए हैं। टीम में शामिल पहलवानों किसी कारणवश एशियाड में खेलने नहीं जाते हैं तो उनकी जगह स्टैंडबाय को मौका मिल सकता है।

एशियाई चैंपियन अमन टीम में

रविवार को हुए ट्रायल में 57 भार वर्ग में कड़ा मुकाबला हुआ। रवि कुमार को पहली ही बाउट में महाराष्ट्र के आतिश तोडकर 8-20 के स्कोर पर चित कर दिया। रवि पिछले कुछ समय से चोटिल चल रहे हैं। वह तीसरे अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट में भी नहीं खेले थे। इस भार में राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता राहुल अवारे को भी हार का सामना करना पड़ा। एशियाई चैंपियन अमन सेहरावत ने फाइनल में राहुल को आसानी से हराया। इससे पहले सेमीफाइनल में अमन ने शुभम को कड़े संघर्ष में हराया। अमन ने कहा कि वह पहले शुभम से तीन बार हार चुके थे, लेकिन इस बार वह मौका नहीं छोडना चाहते थे। रवि की हार से अमन को भी हैरानी हुई।

विशाल बोले न्याय के लिए जारी रखेंगे संघर्ष

वहीं बजरंग के भार में विशाल कालीरमण ने फाइनल में रोहित को आसानी से हराया। इससे पहले बजरंग-विनेश को टीम में सीधे शामिल किए जाने पर अदालत गए सुजीत को हार का सामना करना पड़ा। विशाल ने जीत के बाद कहा कि अंतिम और सुजीत की लड़ाई में वह भी शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों को एशियाई खेलों का पदक जीतने का सपना होता है, लेकिन वह ट्रायल जीतकर भी टीम में नहीं हैं। अंतिम सुप्रीम कोर्ट जा रही हैं। वह भी उनके साथ हैं। उनके माता-पिता और परिजन न्याय के लिए आईओए दफ्तर के बाहर धरना दे रहे हैं। जब तक न्याय नहीं मिल जाता है। तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

जोंटी से कड़े संघर्ष में जीते दीपक पूनिया

74 भार वर्ग में दिल्ली के यश ने राष्ट्रमंडल स्वर्ण पदक विजेता नवीन, 86 में टोक्यो ओलंपियन दीपक पूनिया ने यूपी के जोंटी कुमार को 5-3 से, 97 में हरियाणा के विक्की ने गौरव बालियान और 125 भार वर्ग में हरियाणा के सुमित ने आशीष को हराकर एशियाड टीम में जगह बनाई। जोंटी ने दीपक को कड़ी टक्कर दी। 3-4 के स्कोर पर उन्होंने फैसले को चैलेंज किया, जो उनके खिलाफ गया, जिससे वह 3-5 के अंतर से हार गए।

नेशनल ट्रायल का फाइनल हारते ही स्टेडियम से भागा रेसलर

डोप टेस्ट नहीं दिया, अधिकारी फोन करते रहे; नोटिस भेज सकता है नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। रेसलिंग के नेशनल ट्रायल के दौरान नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी के अधिकारियों को सैंपल कलेक्ट करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। क्योंकि कई रेसलर्स ट्रायल हारने के बाद बिना डोप टेस्ट दिए ही चले गए। ताजा मामला रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में हुए मेंस रेसलिंग ट्रायल्स में देखने को मिला।

125 केजी वेट कैटेगरी का फाइनल हारने वाले रेसलर आशीष बिना डोप टेस्ट दिए ही चले गए। इतना ही नहीं, उन्होंने डोप टेस्ट के फॉर्म पर हस्ताक्षर भी नहीं किए। ऐसे में एनएडीए के अधिकारी खिलाड़ी को फोन करते रह गए, लेकिन पहलवान ने अपना मोबाइल बंद कर दिया। अब एनएडीए संबंधित रेसलर को नोटिस जारी करने की तैयारी कर रहा है। आशीष ने 125 केजी वेट कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फाइनल में सुमीत मलिक से हार कर एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके।

फाइनल हारने के बाद आशीष डोप टेस्ट दिए बिना ही चले गए। उन्होंने स्टेडियम से जाने की जानकारी न तो नाडा के अधिकारियों दी और न ही ट्रायल ले रहे कर्मचारी को। एनएडीए के अधिकारी उनके मोबाइल पर फोन करते रहे। फाइनल दोपहर करीब 3:50 बजे खत्म हो गया था, लेकिन 6:30 बजे तक भी आशीष नाडा के अधिकारियों के सामने नहीं आए और न ही उन्होंने किसी के फोन का जवाब दिया।

सैंपल ले रहे नाडा के अधिकारी ने बताया कि फाइनल खत्म होने के बाद 125 किलो वेट कैटेगरी में पहले और दूसरे नंबर पर रहने वाले पहलवानों को सैंपल देने के लिए कहा गया। पहले नंबर पर रहे पहलवान सुमित ने टेस्ट दे दिया, लेकिन दूसरे स्थान पर रहने वाले पहलवान ने कुछ देर रुकने के लिए कहा। उसके बाद वह कागज पर बिना साइन किए हुए और डोप के लिए सैंपल दिन बिना चले गए। उनके कोच से बात की गई, पहलवान को मोबाइल पर संपर्क भी किया गया, लेकिन फोन बंद मिला।

अधिकारी ने बताया, 'सीनियर अधिकारियों को तुरंत इसकी जानकारी दी गई। हमने 6.30 बजे तक पहलवान का इंतजार किया, लेकिन रिस्पॉन्स नहीं मिला। अब जैसे ही सीनियर्स के आदेश होंगे, वैसा ही किया जाएगा।'

पहलवान ने अगर नाडा के कागज पर साइन किया होता और बताते कि वह घर जा रहे हैं तो सैंपल लेने के लिए अधिकारी उनके घर तक चले जाते, लेकिन रेसलर साइन किए बिना ही चले गए।

ऐसे में पहलवान को उनके घर पर नोटिस भेजकर सैंपल न देने का कारण पूछा जा सकता है। नोटिस के बाद अगर एनएडीए उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ तो उन्हें डोप टेस्ट में पॉजिटिव मानकर करवाई भी की जा सकती है। चैंपियनशिप या ट्रायल में हिस्सा लेने के बाद सभी खिलाड़ियों को डोप सैंपल देना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर एनएडीए के नियमानुसार एक्शन लिया जाता है।

फीफा महिला विश्व कप: जमैका को पहली बार मिला अंक

महिला विश्व कप में फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

सिडनी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जमैका की टीम को इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई अंक मिला है। जमैका ने विश्व कप में 2019 में पदार्पण किया था और तब उसे तीन मैचों में शिकस्त मिली थी।

दुनिया की 43वीं रैंकिंग की टीम जमैका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-एफ के मुकाबले में विश्व की पांचवें नंबर की टीम फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। पिछले साल यूरोपियन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल तक का सफर करने वाली फ्रांस की टीम की खिलाड़ी एक-दूसरे को अच्छे से पास नहीं दे पाईं जिसके कारण उन्हें गोल करने में परेशानी हुई। जमैका की टीम

को इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई अंक मिला है। जमैका ने विश्व कप में 2019 में पदार्पण किया था और तब उसे तीन मैचों में शिकस्त मिली थी। वह अपने ग्रुप में एक अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि फ्रांस शीर्ष पर है। जमैका की टीम को 42वें मिनट में गोल करने का मौका मिला, लेकिन वे फायदा नहीं उठा पाईं।

स्टेफनी वान डर ग्राट के गोल की मदद से नीदरलैंड्स ने महिला फुटबॉल विश्व कप में पुर्तगाल को 1-0 से हरा दिया। स्टेफनी ने 13वें मिनट में हेडर से गोल किया। इस 30 साल की खिलाड़ी का यह टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल भी था। स्टेफनी की योजना विश्व कप के बाद संन्यास लेने की है। ग्रुप-ई में अब नीदरलैंड्स का सामना बृहस्पतिवार को वेलिंगटन में अमेरिका से होगा। पुर्तगाल की टीम वियतनाम से भिड़ेगी। अमांडा इलेस्टेड के 89वें मिनट में दागे गए गोल की मदद से स्वीडन ने रविवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-जी के मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 2-1 से जीत हासिल की। इससे दक्षिण अफ्रीका की टूर्नामेंट में पहला बड़ा उलटफेर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

स्कूल जा रहे मासूम को आवारा कुत्तों ने बुरी तरह नोचा

फिर एक बार कुत्तों के हमले की घटना से लोग भयभीत

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के मल्काजगिरी के इंदिरा-नेहरू नगर, गौतम नगर में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी। इन घटना ने लोगों को झकझोर कर दिया। आवारा कुत्तों ने एक मासूम पर हमला बोल दिया और करीब दस मिनट पर उसे नोचते रहे। स्कूल जा रहा सात वर्षीय सत्य भगत पुत्र शिवा भगत गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को गौतम नगर में स्थित सर्वोदय विद्यालय में पढ़ने वाला सत्यम घर से स्कूल जा रहा था। इसी बीच रास्ते में आवारा कुत्तों ने सत्यम को घेर लिया। करीब चार कुत्ते मिलकर उसे नोंचने लगे। बालक अचानक कुत्तों के हमले से घबरा गया। कुत्तों ने सत्यम के पूरे शरीर को जख्मी कर डाला। वह कुत्तों से बचने के लिए चीखता-चिल्लाता रहा। उसकी आवाज सुनकर कुछ लोग बच्चे को बचाने के लिए पहुंचे। बचाने वालों पर भी कुत्तों ने हमले की कोशिश की। हालांकि बहुत मुश्किल लोग सत्यम को कुत्तों को चंगुल से बचा पाए। कुत्तों द्वारा बुरी से काटे जाने के कारण बच्चा दर्द से कराह रहा था। राहत की बात यह रही कि दिन का समय और स्कूल जाने का टाइम होने के कारण रास्त पर आवागमन हो रहा था। इससे लोग बच्चे को बचाने में सफल रहे। अगर रात को समय होता तो स्थिति कुछ और ही होती थी। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही सत्यम के घर वालों उसे इलाज के लिए गांधी अस्पताल लेकर गए। अभी बच्चे की हालत खतरे से बाहर बतायी जा रही है। इसके पूर्व भी आवार कुत्ते कई लोगों पर हमला कर चुके है और कुछ लोगों की जान भी जान चुकी है। कुत्तों के हमले से लोगों बचाने की अधिकारियों और जीएचएमसी की कोशिश नाकाफी साबित हो रही है। इस घटना को लेकर बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले कई बार कुत्ते लोगों पर हमला कर चुके है। सरकार और जीएचएमसी के प्रयास कुत्तों को के हमले को रोक नहीं पा रहे है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को खुद भी अपनी और बच्चों की सुरक्षा करनी की कोशिश करनी चाहिए। बच्चों को अकेले स्कूल, बाजार आदि जगहों पर जाने देने से बचना चाहिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन और नगरीय विकास मंत्री केटीआर से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

बिजली क्षेत्र ने तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं को पूरा किया

सीएम केसीआर के दूरदर्शी नेतृत्व और अनुकरणीय प्रशासन का सच्चा प्रमाण

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2014 में तेलंगाना के गठन के समय बिजली की मांग में 2,700 मेगावाट की कमी थी। 60 वर्षों के संयुक्त शासन के दौरान, हमारे कोयला और जल संसाधनों को अवैध रूप से स्थानांतरित कर दिया गया, और अन्य क्षेत्रों में बिजली संयंत्रों का निर्माण किया गया। जब तेलंगाना का गठन हुआ, तब तक केवल 7,778 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले बिजली संयंत्र चालू थे। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत मात्र 1,196 किलोवाट थी। बिजली सबस्टेशनों और बिजली लाइनों का निर्माण मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं था। नतीजा यह हुआ कि बार-बार बिजली कटौती हुई, जिससे कृषि मोटर और ट्रांसफार्मर खराब हो गए, जिससे कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हुआ। बिजली की कमी के कारण उद्योगों को भी बंद रहना पड़ा, जिससे किसानों और मजदूरों को जीवित रहने के लिए पलायन करना पड़ा। तेलंगाना के गठन के समय यही गंभीर स्थिति थी। पिछले 9 वर्षों में बिजली क्षेत्र द्वारा की गई प्रगति मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की दूरदर्शिता और प्रभावी शासन का प्रमाण है। इन 9 वर्षों के दौरान, तेलंगाना सरकार ने रुपये का निवेश किया है। बिजली उत्पादन, आपूर्ति और वितरण प्रणालियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए 97,321 करोड़ रुपये, जिनकी पहले उपेक्षा की गई थी और जिनके साथ भेदभाव किया गया था। परिणामस्वरूप, बिजली उत्पादन क्षमता प्रभावशाली ढंग से 7,778 मेगावाट से बढ़कर 18,567 मेगावाट हो गई है। थर्मल और सौर ऊर्जा उत्पादन में उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ अतिरिक्त 10,789 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी गई है। विशेष रूप से, काकतीय थर्मल पावर स्टेशन, लोअर जुराला हाइड्रोपावर स्टेशन और पुलिचिंतला हाइड्रोपावर स्टेशन जैसे उपेक्षित बिजली स्टेशनों को तेलंगाना सरकार के सक्रिय प्रयासों के तहत पूरा किया गया। इसके अलावा, केटीपीएस में 800 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल थर्मल प्लांट का निर्माण 48 महीने के रिकॉर्ड समय में किया गया, जो तेजी से विकास के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 5 इकाइयों में से प्रत्येक 500 मेगावाट की क्षमता वाला आगामी यदाद्रि पावर स्टेशन रुपये के निवेश से बनाया जा रहा है। नलगोंडा जिले के दमाराचार्ला में सार्वजनिक क्षेत्र में 34,400 करोड़ रुपये का निवेश 2023 के अंत तक बिजली उत्पादन में योगदान करने के लिए निर्धारित है।

सरकार ने बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता को पूरा करने के लिए बिजली आपूर्ति और वितरण प्रणालियों को मजबूत करने के लिए भी निर्णायक कदम उठाए हैं। 400 केवी, 220 केवी और 132 केवी बिजली ट्रांसफार्मर की संख्या बढ़ा दी गई है, और उच्च तनाव लाइनों की लंबाई काफी बढ़ा दी गई है। बिजली आपूर्ति प्रणाली की क्षमता अब 39,345 एमवीए तक पहुंच गई है। कम तनाव बिजली वितरण लाइनों के साथ-साथ 33 केवी और 11 केवी सबस्टेशनों के लिए बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया है। तेलंगाना ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके राज्य लोड डिस्पैच सेंटर की स्थापना करके, सभी क्षेत्रों को निरंतर गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करके देश में सबसे अच्छी बिजली आपूर्ति प्रणाली वाले राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त की है। इस प्रणाली ने अधिकतम बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जो मार्च 2023 में 15,497 मेगावाट तक पहुंच गई। हैदराबाद शहर में बिजली स्थिरता को और बढ़ाने के लिए, ग्रिड विफलताओं के दौरान बिजली आपूर्ति अंतराल को दूर करने के लिए एक "द्वीप प्रणाली" लागू की गई है। हैदराबाद शहर में बिजली की रुकावट को रोकने के लिए 400 केवी, 220 केवी और 132 केवी स्तरों पर आधुनिक "रिंग मेन सिस्टम" भी स्थापित किए गए हैं। गुणवत्तापूर्ण बिजली की निरंतर आपूर्ति से तेलंगाना के कृषि क्षेत्र में स्वर्ण युग आया है। पिछले 9 वर्षों के दौरान, 8.46 लाख अतिरिक्त कृषि बिजली कनेक्शन स्थापित किए गए, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 2014 में 19.03 लाख से बढ़कर 27.49 लाख हो गई। इसके अलावा, सभी क्षेत्रों को अतिरिक्त 67 लाख बिजली आपूर्ति कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे राज्य में बिजली कनेक्शन की कुल संख्या 1 करोड़ 78 लाख हो गई है। बिजली क्षेत्र के विकास के लिए तेलंगाना सरकार के दृढ़ उपायों ने राज्य के सर्वांगीण विकास को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 60 वर्षों के संयुक्त शासन के दौरान झेले गए भेदभाव को समाप्त कर दिया गया है। बिजली उत्पादन स्टेशनों, सबस्टेशनों और आपूर्ति लाइनों के निर्माण के साथ, तेलंगाना ने 2140 यूनिट की औसत प्रति व्यक्ति बिजली खपत के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो राष्ट्रीय औसत 1255 यूनिट से 707 अधिक है। बिजली क्षेत्र में यह उल्लेखनीय प्रगति हमारे प्रचुर ससाधनों, कुशल प्रशासन और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।

अल्पसंख्यक बंधु योजना भ्रामक : शब्बीर अली

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और टीपीसीसी राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के संयोजक मोहम्मद अली शब्बीर ने आज बीआरएस सरकार की प्रस्तावित "अल्पसंख्यक बंधु" योजना की आलोचना की, इसे "तमाशा" और अल्पसंख्यक समुदाय के गरीब बेरोजगार युवाओं को धोखा देने का प्रयास बताया। सोमवार को यहां एक बयान में शब्बीर अली ने कहा कि बीआरएस सरकार ने तेलंगाना में अल्पसंख्यक समुदायों के बेरोजगार युवाओं के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने बताया कि 2015-16 में, जब तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम ने आवेदन मांगे थे, तब 1.53 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं ने ऋण के लिए आवेदन किया था। हालाँकि, उनके आवेदन खारिज कर दिए गए और अगले सात वर्षों तक कोई आवेदन भी नहीं मांगा गया। हाल ही में, जब टीएसएमएफसी ने नए आवेदन आमंत्रित किए, तो फिर से 2.20 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं ने इसके लिए आवेदन किया। हालाँकि, ये आवेदन भी असंसाधित रह गए।

उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने देरी की रणनीति का इस्तेमाल कर अल्पसंख्यकों को धोखा दिया है. सबसे पहले, रुपये की एक छोटी राशि 50 करोड़ आवंटित किये गये और जब कांग्रेस ने विरोध किया तो और रु. 70 करोड़ रुपये जोड़े गए। हालाँकि, यह राशि भी ऋण के लिए आवेदन करने वाले सभी बेरोजगार युवाओं को लाभ पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

सांप काटने से सात साल की बच्ची की मौत

निर्मल, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात भैंसा मंडल के हंपोली (के) गांव में सात साल की बच्ची नित्या की सांप के काटने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि नित्या को एक जहरीले सांप ने काट लिया, जब वह रात करीब 2 बजे अपने माता-पिता के साथ सो रही थी। उसे भैंसा कस्बे के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सांप बिस्तर की चादर में घुस गया था और उसे काट लिया। माता-पिता ने सांप को तुरंत मार डाला।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर 'रेस्तरां ऑन व्हील्स' शुरू

तेलंगाना के रेलवे स्टेशनों पर पहला ट्रेन थीम वाला रेस्तरां

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने उन्नत यात्री सेवाएं प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में एक और अभिनव कदम उठाया है। इसके एक हिस्से के रूप में, एससीआर के हैदराबाद डिवीजन ने भोजन के शौकीनों को एक अनोखा भोजन माहौल प्रदान करके नवीन अनुभव प्रदान करने के लिए काचीगुडा रेलवे स्टेशन परिसर में "रेस्तरां ऑन व्हील्स" शुरू किया है। संयोग से यह रेलवे स्टेशन पर तेलंगाना का पहला कोच रेस्तरां भी है। काचीगुडा रेलवे स्टेशन सबसे व्यस्त रेलवे टर्मिनलों में से एक है जहां बहुत सारे आने और जाने वाले रेल यात्री रहते हैं। जनता को भोजन के अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए, काचीगुडा रेलवे स्टेशन को कोच रेस्तरां की नवीन अवधारणा शुरू करने के लिए चुना गया है। तदनुसार, यात्रियों को एक अद्वितीय भोजन अनुभव देने के लिए, दो विरासत कोचों को सौंदर्यपूर्ण आंतरिक सज्जा के साथ नवीनीकृत किया गया है। यह एक बहु-व्यंजन रेस्तरां है जिसमें उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, मुगलई, चीनी आदि जैसे विभिन्न प्रकार के विकल्प हैं। कोच रेस्तरां काचीगुडा रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के परिसंचरण क्षेत्र के पास स्थित है। रेल यात्रियों, यात्रियों और आम जनता के पास स्वच्छता और गुणवत्ता वाले भोजन और पेय पदार्थों के लिए कई विकल्प होंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा इन सेवाओं को चौबीसों घंटे उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई है। दूसरे के जीएम अरुण कुमार जैन ने हेरिटेज कोचों का उपयोग करके काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर अच्छी यात्री सुविधा प्रदान करने के लिए हैदराबाद डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में भोजन के शौकीनों को जुड़वां शहर क्षेत्र में एक और विशिष्ट भोजन सेवा विकल्प मिलेगा।

बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी के लिए मंडल विशेष अधिकारी नियुक्त

कोत्तागुडेम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र से प्रवाह में गिरावट के साथ गोदावरी नदी में बाढ़ का स्तर सोमवार को पहले चेतावनी स्तर से नीचे रहा। कोत्तागुडेम और खम्मम दोनों जिलों के कई मंडलों में उस दिन बहुत हल्की से मध्यम बारिश हुई। कोठागुडेम के छह मंडलों में मध्यम बारिश हुई। पिछले चौबीस घंटों में जिले की औसत वर्षा 5.9 मिमी रही।

जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने जिले में गोदावरी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत उपायों की निगरानी के लिए भद्राचलम आईटीडीए परियोजना अधिकारी प्रतीक जैन को एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया। उन्होंने अन्य मंडलों के अलावा चेरला, दुम्मुगुडेम, भद्राचलम, बर्गमपाद, अश्वपुरम, मनुगुर और पिनापाका मंडलों में बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों और मंडल विशेष अधिकारियों को भी नियुक्त किया।

महिलाओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर अश्लील मैसेज पोस्ट करने वालों की खैर नहीं : वासिरेड्डी पद्मा

महिला आयोग अध्यक्ष ने की हर शुक्रवार को महिला स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एपी महिला आयोग ने विजयवाड़ा में सोशल मीडिया पर महिलाओं के उत्पीड़न के मुद्दों पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार की अध्यक्षता करने वाली आंध्र प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष वासिरेड्डी पद्मा ने कहा कि राज्य में सोशल मीडिया की स्थिति पाषाण युग से भी बदतर है। यह बुरा है कि महिलाएं महिलाओं पर अश्लील पोस्ट कर रही हैं और कुछ लोग राजनीतिक कारणों से उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करना निंदनीय है और अब से हर शुक्रवार को महिला स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया जाएगा और जागरूकता बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रतिभागियों और अध्यक्ष ने निम्नलिखित को लागू करने की इच्छा जताई है।

उन्होंने कहा कि मॉर्फिंग तस्वीरें डालकर महिलाओं को अपमानित करने वालों को सजा मिलनी चाहिए और सभी को ऐसे कृत्यों की निंदा करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के एक मामले के फैसले पर कुछ लोग नाराज होकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। यह क्रूर कृत्य है कि कुछ लोग सामान्य महिलाओं की भी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। ऐसे कृत्य की सभी को निंदा करनी चाहिए। उन्हें पुलिस तक पहुंचने के लिए दिशा, साइबर मित्र और अन्य ऐप के माध्यम से मदद मिलनी चाहिए। अगर महिलाओं को परेशान किया जाता है या उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है तो उन्हें निडर होकर शिकायत के लिए आगे आना चाहिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके। ऐसी घटनाओं के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का समय आ गया है। राज्य सरकार ने महिलाओं को राजनीति में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया और सभी अवसर दिये, दुख की बात है कि कुछ पदों पर महिलाओं का अपमान भी हो रहा है। सेमिनार में विजयवाड़ा शहर की मेयर रायना भाग्यलक्ष्मी, बाल अधिकार अध्यक्ष अप्पाराव, रेशिमुन्निशा बेगम, विजयवाड़ा डीसीपी अजिता, विजयवाड़ा की उप महापौर शैलजा रेड्डी, बेल्लम दुर्गा, सेवानिवृत्त आईएएस उषा कुमारी, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार करुणा, कीर्ति, राज्यलक्ष्मी, एसईआरपी निदेशक विजया कुमारी, डॉ. शारदा, साई, चंद्रशेखर रेड्डी, बंदी श्रीनिवास राव, एट्टा रमादेवी, सुप्रजा और अन्य ने भाग लिया।

बैल को बचाने में चरवाहा डूब गया

कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम सिरपुर (टी) मंडल के लक्ष्मीपुर गांव में जलाशय में फंसे एक बैल को बचाने के दौरान एक 68 वर्षीय चरवाहा एक धारा में डूब गया। सोमवार को उसके शव का पता लगाया गया।

सिरपुर (टी) के उप-निरीक्षक डी रमेश ने कहा कि चरवाहा गंता चीकाती शाम 4 बजे जब अपने बैल को बचाने के लिए आगे बढ़ा तो उसे पानी से भरी कब्र मिली। तैरना नहीं आने के कारण वह नदी में फिसल गया और डूब गया। उनके पोते, जो उनके साथ थे, ने अन्य लोगों को सचेत किया जो घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन उस समय तक अंधेरा होने के कारण चीकती का पता नहीं लगा सके। सोमवार सुबह शव निकाला गया।

सरकार गरीबों के साथ : जगन

गुंटूर, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने सोमवार को अफसोस जताया कि कई बुरी ताकतें राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार द्वारा उठाए गए अच्छे कामों में बाधाएं पैदा कर रही हैं।

यहां राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) क्षेत्र में कृष्णयापलेम और वेंकटपालेम में आवास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य के इतिहास में एक यादगार दिन है क्योंकि सरकार ने सामाजिक न्याय प्रदान करने वाली योजनाओं को शुरू करने के लिए सभी कानूनी बाधाओं को पार कर लिया है। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि अगर गरीबों को घर दिए गए तो राजधानी का विकास नहीं होगा। इसे पूंजी कहते हैं। क्या गरीब यहां नहीं रह सकते? अब सरकार गरीबों के साथ है और आज अमरावती को सामाजिक अमरावती बनाने की आधारशिला रखी गई है।

जगन ने आरोप लगाया कि तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायुडू और उनके लोगों ने उच्च न्यायालय में 18 याचिकाएं और उच्चतम न्यायालय में पांच याचिकाएं दायर की थीं और 'पालक पुत्र' पवन कल्याण और येलो मीडिया की सहायता से, आवास स्थलों के वितरण का विरोध किया था। उन्होंने खुलासा किया कि अमरावती सभी के लिए है और सरकार 1,402.58 एकड़ जमीन पर 1,829.57 करोड़ रुपये की लागत से 50,000 से अधिक गरीब परिवारों के लिए स्थायी आवास का निर्माण कर रही है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने प्रदेश भाजपा को दी राहत

आवास योजना पर भाजपा को मिली विरोध प्रदर्शन की अनुमति

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को भाजपा को हैदराबाद में डबल बेडरूम आवास योजना को लेकर मंगलवार को धरना देने की अनुमति दे दी, क्योंकि पुलिस ने इसके लिए अनुमति देने से इंकार कर दिया था। नगर पुलिस द्वारा मंगलवार को इंदिरा पार्क में धरना देने की अनुमति के अनुरोध को खारिज करने के बाद भाजपा ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

भगवा पार्टी ने लाभार्थियों के बीच डबल बेडरूम घरों के वितरण की मांग करते हुए दिन भर के विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

पुलिस द्वारा अनुमति देने से इंकार करने के बाद भाजपा महासचिव डी. प्रदीप कुमार ने हाईकोर्ट में लंच मोशन याचिका दायर की। सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति सी. वी. भास्कर रेड्डी जानना चाहते थे कि पुलिस ने धरना चौक पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति क्यों नहीं दी। शहर पुलिस के वकील ने अदालत को सूचित किया कि चूंकि इंदिरा पार्क के पास एक फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है, इसलिए विरोध प्रदर्शन से यातायात और कानून व्यवस्था की समस्या हो सकती है। हालाँकि, याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि हाल ही में सत्तारूढ़ दल को भी नमूना स्थल पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति दी गई थी।

जज ने बीजेपी से कहा कि वह पुलिस को लिखित आश्वासन दे कि धरने में 500 से ज्यादा लोग शामिल नहीं होंगे और कोई रैली नहीं निकाली जाएगी। पार्टी से उन नेताओं की सूची भी सौंपने को कहा गया जो धरने में शामिल होंगे। इस बीच, भाजपा ने सोमवार को इस मुद्दे पर सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी सांसदों और वरिष्ठ नेताओं ने जिला कलेक्टरों के कार्यालयों पर धरने का नेतृत्व किया।

जोगुलाम्बा गडवाल जिले में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा ने कहा कि अपनी बात रखने में विफल रहने के बाद, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने वोट मांगने का अधिकार खो दिया है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत डबल बेडरूम वाले मकानों का वितरण करे। निज़ामाबाद के सांसद डी. अरविंद ने निज़ामाबाद में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कामारेड्डी में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा विधायक रघुनंदन राव ने किया।

पार्टी के एक अन्य विधायक और पूर्व मंत्री इटेला राजेंदर ने हनमकोंडा जिला कलेक्टरेट में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत लाभार्थियों को 2बीएचके मकान आवंटित करे। भाजपा ने आरोप लगाया है कि बीआरएस सरकार बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त है और डबल बेडरूम घरों के निर्माण के लिए केंद्र और फंडिंग एजेंसियों द्वारा जारी धन का दुरुपयोग कर रही है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार को 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छह लाख घर बनाने के लिए 4,400 करोड़ रुपये मिले थे, लेकिन केवल एक लाख घर ही बनाये गये। उनका दावा है कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में गरीबों के लिए केवल 1.27 लाख घर बनाए हैं। इनमें से केवल 23,000 घर ही सौंपे गए जबकि 70,000 निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

आम सूचना

एतद्वारा आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि, डोर नं.32-13-1/1, लावन्या अपॉर्टमेंट्स फ्लॉट नं. बी.3 मंगलाराजपुरम विजयवाडा, आंध्रप्रदेश- 520010 पर मुख्यालय स्थित मुदंडगु प्रजा पार्टी नामक राजनीतिक पार्टी ने चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत किया है तथा उपरोक्त राजनीतिक पार्टी ने अब अपने पार्टी का नाम बदलकर **जयभीमराव भारत पार्टी(जेबीपी)** करने का निर्णय किया है। अतः इसके चलते किसी को उपरोक्त प्रस्तावित नये नाम से यदि कोई भी आपत्ति कोई हो तो, वे अपनी आपत्ति या आपत्तियों को, लिखित रूप में उचित कारणों के साथ तत्संबंधित सूचना के प्रकाशन की तिथि से लेकर 30 दिनों के भीतर, सचिव,(राजनीतिक पार्टी), भारतीय चुनाव आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-100001, को प्रेषित करें।

एन.एन. ग्रेस
महा सचिव, मुंदडुगु प्रजा पार्टी

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.